खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 06 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-36


### सनातन आस्था की पवित्र पहाड़ी के इस्लामीकरण की आपराधिक कोशिशें

# हिंदू एकजुटता ने फिलहाल रोक दिए अधर्मियों के कदम

**सनातन जागृति** से लबालब मानवता के समुद्र ने एक अजेय बाढ़ की तरह, कठोर उपायों, क्रूर पुलिस बल और सभी हिंदू विरोधी राजनीतिक दलों की घेरेबंदी को बेधते हुए तमिलनाडु के थिरुपरनकुंद्रम मुरुगन पहाड़ी का इस्लामीकरण करने के प्रयासों को सफलतापूर्वक रोक दिया है। लेकिन यह रोक स्थायी नहीं है। हिंदुओं को अपनी पवित्र पहाड़ी की रक्षा के लिए अभी

**कट्टरपंथी ताकतों से अकेले लोहा ले रहे दृढ़ हिंदू मुन्नानी**

और सामाजिक, राजनीतिक और न्यायिक लड़ाई लड़नी होगी। विडंबना यह है कि हिंदुओं की आस्था के केंद्र मुरुगन पहाड़ी को अपवित्र करने और उस पर कब्जा जमाने की कट्टरपंथी इस्लामिक कुचेष्टाओं के खिलाफ

शुभ-लाभ गौरव

शेष भारत में कोई बोल नहीं रहा। फर्जी धर्मनिरपेक्ष और दुर्गतिगामी प्रगतिशील जमातों

**प्रताड़नाओं और बंदिशों के बावजूद किया जोरदार प्रदर्शन**

को तो छोड़िए, हिंदूवादी संगठन और सनातनी एकता के लिए सबसे बड़े महाकुंभ में जुटे साधु-संतों ने भी मुरुगन पहाड़ी पर बात बहादुरी करने वाले नेता भी इस मसले पर कुछ नहीं बोल रहे। यहां तक कि सनातन के कब्जा जमाने की दुष्ट कोशिशों के खिलाफ कुछ नहीं कहा। इसके बावजूद हिंदू मुन्नानी इस मसले पर अडिग हैं और पूरी ताकत के साथ दोगली व्यवस्था से लड़ रहे हैं। तमिलनाडु की अड़ियल और हठी डीएमके सरकार ने हिंदू मुन्नानी, भाजपा, अन्य संघ-प्रेरित ▶10पर

### अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिले इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू

### संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने की महत्वपूर्ण घोषणा

# गाजा को अपने नियंत्रण में लेगा अमेरिका

- फलस्तीनियों को गाजा से बाहर बसाया जाएगा
- गाजा का नए सिरे से निर्माण करेगा अमेरिका
- जरूरत पड़ी तो गाजा में सेना भेजेगा अमेरिका
- नेतन्याहू ने किया समर्थन, सऊदी अरब खफा

**वाशिंगटन, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा का मालिकाना हक लेकर गाजा का पुनर्निर्माण करने का प्रस्ताव रखा है। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले/प्रस्ताव का समर्थन किया है। व्हाइट हाउस में इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपि डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम गाजा का मालिकाना लेना चाहते हैं, इसके बाद गाजा में मौजूद खतरनाक बमों और अन्य हथियारों को नष्ट करने की जिम्मेदारी हमारी होगी। अमेरिका ध्वस्त या जर्जर हो चुकी इमारतों का पुनर्निर्माण कराएगा और गाजा का आर्थिक विकास करेगा। इससे गाजा में रोजगार और लोगों को घर मिलेंगे। जरूरत पड़ने पर गाजा में अमेरिका की सेना भी तैनात होगी। ट्रंप का यह फैसला पूरे मध्य पूर्व एशिया में इस्लामिक कट्टरपंथी अराजकता पर अंकुश लगाने में कामयाब होगा। हालांकि, ट्रंप के इस फैसले का सऊदी अरब और हमास ने विरोध किया है।

▶10पर

### सऊदी अरब ने कहा, हम स्वतंत्र फलस्तीन के समर्थक हैं

**दुबई, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पर नियंत्रण करने के प्रस्ताव के बाद अरब देशों से प्रतिक्रिया आने लगी है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य के लिए उसका रुख नहीं बदलेगा। हम अपने फैसले पर दृढ़ और अटल रहेंगे।सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कहा कि सऊदी अरब पूर्वी येरूशलम को राजधानी बनाकर स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य की स्थापना की दिशा में चल रहे कामों को नहीं रोकेगा। साथ ही अपना काम पूरा किए बिना इज़राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित नहीं किए जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम पहले ही फलस्तीनियों के अधिकारों के उल्लंघन को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। चाहे वह इज़राइल की ओर से किए गए हमले रहे हों, फलस्तीनियों की जमीन पर कब्जे के मामले रहे हों या उनको विस्थापित करने की बात रही हो, हम हमेशा इसके खिलाफ खड़े हुए हैं।

▶10पर

### अमेरिकी सेना के विमान से लौटाए गए 104 भारतीय

**अमृतसर, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** अमेरिकी सेना के सी-147 विमान से अवैध प्रवासी भारतीयों का पहला जत्था भारत पहुंचा। इस विमान में 104 भारतीय सवार हैं। अमेरिका से निर्वासित भारतीय अप्रवासियों को लेकर एक सैन्य विमान बुधवार दोपहर अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। विमान में 25 महिलाएं, 12 नाबालिग और 79 पुरुष शामिल हैं।निर्वासित भारतीय नागरिकों के अलावा, विमान में 11 चालक दल के सदस्य और 45 अमेरिकी अधिकारी सवार हैं। अमेरिका से निष्कासित किए गए भारतीयों में पंजाब, हरियाणा, गुजरात, ▶10पर

### दिल्ली विधानसभा का चुनाव एक चरण में सम्पन्न

# एग्जिट पोल्स में भाजपा जीत की ओर अग्रसर

## 10 एग्जिट पोल्स में से आठ ने भाजपा की जीत दिखाई

**नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** दिल्ली विधानसभा का चुनाव आज सम्पन्न हो गया। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर कुल मिलाकर 60 से 65 प्रतिशत के बीच मतदान हुए। चुनाव परिणाम 8 फरवरी को आएंगे, लेकिन एग्जिट-पोल्स के आकलन मतदान खत्म होने के साथ ही आने लगे।

दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कई पोलिंग सर्वे एजेंसियों ने एग्जिट पोल्स के नतीजे जारी कर दिए हैं। इनमें से अब तक जिन 10 एग्जिट पोल्स का ऐलान हुआ है, उनमें से आठ एग्जिट-पोल्स में भाजपा को बहुमत मिलता दिख रहा है। मैट्रिज के एग्जिट पोल के मुताबिक, आम आदमी पार्टी को 32-37 सीटें मिल सकती हैं। वहीं भाजपा को 35-40 सीटें मिल सकती हैं। उधर कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है। जेवीसी के एग्जिट पोल के मुताबिक, आम आदमी पार्टी को 22 से 31 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। भाजपा को 39-45 सीटें और कांग्रेस को 0-2 सीटें मिल सकती हैं। यानी जेवीसी का एग्जिट पोल भी भाजपा को अपने दम पर बहुमत हासिल करता हुआ दिखा रहा है। चाणक्य के एग्जिट पोल के मुताबिक, भाजपा को 39 से 44 सीटें मिल सकती हैं। यानी भाजपा खुद बहुमत हासिल कर सकती है। वहीं आम आदमी पार्टी को 25-28 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस को 2-3 सीटें मिलने की संभावना है।

पीपल्स पल्स के एग्जिट पोल में आम आदमी पार्टी महज 10 से 19 सीटों पर सिमटती दिख रही है। वहीं, भाजपा 51-60 सीटों का बंपर आंकड़ा छू सकती है। इस सर्वे में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलता दिख रहा। पीपुल्स इनसाइट के मुताबिक, भाजपा को 40 से 44 सीटें मिल सकती हैं। आम आदमी पार्टी को 25-29 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस को इसमें 0-1 सीट मिलती दिखाई गई है। पोल डायरी के मुताबिक, भाजपा को 42-50 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिल सकता है। आम आदमी पार्टी का आंकड़ा गिरकर 18-25 सीटों पर आ सकता है। कांग्रेस को यहां 0-2 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। ▶10पर

**दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025**

एग्जिट पोल

| पार्टी | भाजपा+ | आप | कांग्रेस |
|---|---|---|---|
| मैट्रिज | 35-40 | 32-37 | 0-1 |
| जेवीसी | 39-45 | 22-31 | 0-2 |
| चाणक्य स्ट्रैटेजीज़ | 39-44 | 25-28 | 2-3 |
| पीपल्स पल्स | 51-60 | 10-19 | 0-0 |
| पीपल्स इनसाइट | 40-44 | 25-29 | 0-1 |
| पोल डायरी | 42-50 | 18-25 | 0-2 |
| पी-मार्क | 39-49 | 21-31 | 0-1 |
| वी-प्रीसाइड | 18-23 | 46-52 | 0-1 |
| माइंड ब्रिंक | 21-25 | 44-49 | 0-1 |
| डीवी-रिसर्च | 36-44 | 26-34 | 0-0 |
| एसएएस | 38-41 | 27-30 | 1-3 |

# कोयला लेवी घोटाले में ईडी की जोरदार कार्रवाई

**रायपुर, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ के कोयला लेवी घोटाले में मुख्य आरोपी सूर्यकांत तिवारी और अन्य की 100 से अधिक सम्पत्तियों को जब्त कर लिया है। निदेशालय ने कहा, ईडी के रायपुर जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत 30 जनवरी को बैंक बैलेंस, वाहन, नकदी, आभूषण और जमीन सहित 100 से अधिक चल और अचल सम्पत्तियों को कुर्क किया है, जिनकी कुल कीमत 49.73 करोड़ रुपए है। ये सम्पत्तियां सूर्यकांत तिवारी और अवैध कोयला लेवी घोटाले से जुड़े एक

**मुख्य आरोपी और अन्य की सौ से अधिक सम्पत्तियां कुर्क**

मामले में शामिल अन्य लोगों की हैं। उल्लेखनीय है कि आईएएस रानू साहू, आईएएस समीर बिश्नोई, आईएएस जय प्रकाश मौर्य, सौम्या चौरसिया, छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री के ओएसडी, राम गोपाल अग्रवाल, राम प्रताप सिंह, विनोद तिवारी, चंद्र देव प्रसाद राय और देवेंद्र सिंह यादव की लगभग 55.37 करोड़ रुपए मूल्य की कई चल और अचल सम्पत्तियां पहले ही ईडी द्वारा जब्त की जा चुकी हैं। नवीनतम समावेशन के साथ, आरोपी व्यक्तियों की 270 करोड़ रुपए की सम्पत्ति पहले ही आज तक कुर्क की जा चुकी है। एजेंसी ने 11 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और 26 आरोपियों के खिलाफ विशेष अदालत (पीएमएलए) ▶10पर

# भारत सरकार ने सभी एआई ऐप पर लगाया प्रतिबंध

**नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** भारतीय वित्त मंत्रालय ने चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे एआई टूल्स और एप्लिकेशन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। इस आदेश का उद्देश्य संवेदनशील सरकारी डेटा की सुरक्षा को सुनिश्चित करना और संभावित साइबर खतरों को रोकना है। संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार सिंह द्वारा हस्ताक्षरित सरकारी आदेश में कहा गया है कि सरकारी कंप्यूटरों पर एआई-सक्षम एप्लिकेशन का उपयोग गोपनीय सरकारी जानकारी को खतरे में डाल सकता है। इसके मद्देनजर, मंत्रालय ने सभी कर्मचारियों को आधिकारिक

**सरकारी कर्मचारियों को एआई ऐप इस्तेमाल न करने की हिदायत**

उपकरणों पर ऐसे टूल्स के उपयोग से बचने की सलाह दी है। यह आदेश वित्त सचिव की मंजूरी के बाद जारी किया गया है और इसे राजस्व, आर्थिक मामलों, व्यय, सार्वजनिक उपक्रम, डीआईपीएएम और वित्तीय सेवाओं सहित प्रमुख सरकारी विभागों को भेजा गया है।

यह प्रतिबंध वैश्विक स्तर पर एआई टूल्स को लेकर बढ़ती चिंताओं का हिस्सा है। कई एआई मॉडल, जिनमें चैटजीपीटी भी शामिल है, उपयोगकर्ता इनपुट को बाहरी सर्वरों पर प्रोसेस करते हैं, जिससे डेटा लीक या अनधिकृत पहुंच की आशंका बनी रहती है। इससे पहले, कई निजी कंपनियों और वैश्विक संगठनों ने भी एआई टूल्स के उपयोग को सीमित कर दिया है ताकि संवेदनशील डेटा के गलत इस्तेमाल से बचा जा सके। इससे पहले ▶10पर

## कार्टून कॉर्नर

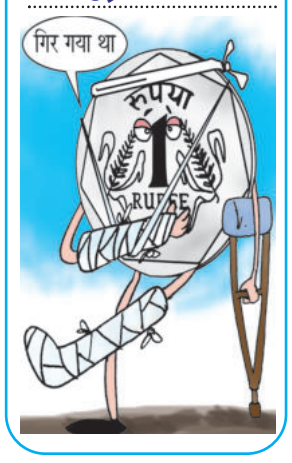


## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $34^0$

न्यूनतम : $19^0$

# प्रधानमंत्री मोदी ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

**महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुंभ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लगाने से पहले प्रधानमंत्री ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान वह रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नजर आए। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की आराधना करते हुए उन्होंने

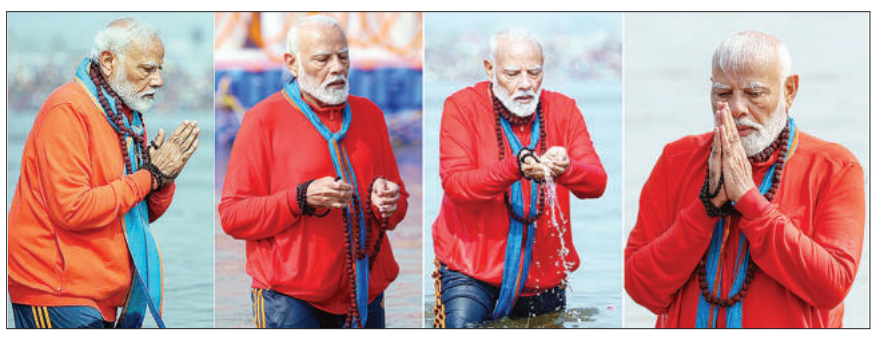

**महाकुंभ में पीएम मोदी ने दिया एकता का संदेश**

पावन डुबकी लगाई। खास बात यह भी रही कि प्रोटोकॉल इस तरह का था श्रद्धालु भी उसी दौरान संगम में डुबकी लगा रहे थे। वीवीआईपी प्रोटोकॉल से उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले पीएम ने सबसे पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। काला कुर्ता और भगवा पटका व हिमाचली टोपी पहने पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहां मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चन के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हेलीपैड की ओर रवाना हो गए।

बुधवार का दिन विशेष था, क्योंकि हिंदू पंचांग के अनुसार इस समय गुप्त नवरात्रि चल रही है और बुधवार को भीष्माष्टमी भी थी। गुप्त नवरात्रि पर जहां देवी पूजन किया जाता है तो वहीं, भीष्माष्टमी पर श्रद्धालु अपने पुरखों का तर्पण और श्राद्ध भी करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वह एमआई 17 हेलिकॉप्टर में बैठकर डीपीएस हेलिपैड पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से प्रधानमंत्री अरैल घाट पहुंचे, जहां से विशेष बोट पर सवार होकर उन्होंने त्रिवेणी संगम का रुख किया। बोट पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को दी जा रही ▶10पर


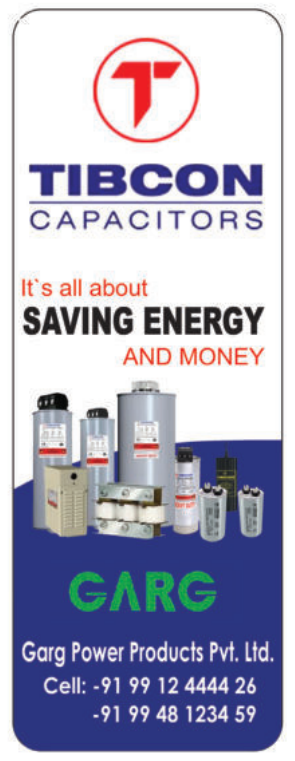

## जेयूआई-एफ की पाकिस्तान में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग

**इस्लामाबाद।** जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 8 फरवरी, 2024 के आम चुनाव में हुई धांधली को कोई छुपा नहीं सकता। जेयूआई-एफ प्रमुख रहमान ने पीटीआई के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेशनल असेंबली स्पीकर असद कैसर के मंगलवार को रात्रिभोज में हिस्सा लेने के बाद यह टिप्पणी की। रात्रिभोज में उनसे अवाम पाकिस्तान पार्टी के नेता शाहिद खाकन अब्बासी सहित विपक्षी दलों के नेताओं ने मुलाकात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान फजल ने कहा कि पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार को इस्तीफा देकर नए आम चुनाव की घोषणा करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि मौलाना फजलुर रहमान वही नेता हैं, जिन्होंने अप्रैल 2023 में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पद से हटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा का पांच साल का संवैधानिक कार्यकाल 26 जनवरी को समाप्त हो गया। सरकार ने अगले मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति तक राजा को बनाए रखने के लिए 26वां संवैधानिक संशोधन किया है। अवाम पाकिस्तान पार्टी के नेता शाहिद खाकन अब्बासी ने कहा कि रात्रिभोज में विपक्षी दलों की बैठक हुई। बैठक में देश की राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की गई। विपक्षी दलों ने अपना रुख दोहराया कि देश में नए चुनाव होने चाहिए।

## इंडोनेशिया में आया 6.2 तीव्रता का भूकंप, डर से लोग घर से निकल कर भागे

**जर्काता।** इंडोनेशिया में बुधवार को जोरदार भूकंप आया। इस भूकंप के डर से लोग घर से बाहर निकल आए और जान बचाने भागने लगे। इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकू में आया भूकंप 6.2 तीव्रता का था। अभी तक इस भूकंप से किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में बताया कि भूकंप बुधवार तड़के आया। भूकंप 81 किलोमीटर गहरा था। राहत की बात है कि इससे सुनामी का कोई खतरा नहीं है। अक्सर इंडोनेशिया में जब भूकंप आता है तो सुनामी का भी खतरा मंडराने लगता है। रिपोर्ट में इंडोनेशिया की आपदा कंट्रोल एजेंसी ने भूकंप से हुए नुकसान पर फिलहाल कोई अपडेट नहीं दिया है। इंडोनेशिया भूकंप के लिहाज से संवेदनशील इलाके में आता है, जिसे 'रिंग ऑफ फायर' कहते हैं। यहां धरती की अलग-अलग परतें मिलती हैं, जिसकी वजह से भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधि बहुत होती है। यहां अक्सर भूकंप के झटके आते रहते हैं। इससे पहले नेपाल और तिब्बत में भूकंप के झटके महसूस हुए थे।

## नेशनल लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों के हमला

कोलंबिया में नेशनल लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों के हमलों को देखते हुए मानवाधिकार संगठनों से जुड़े लोग और संगठन पहुंचे। इसमें सीनेटर भी शामिल थे।

# बांग्लादेश हाईकोर्ट ने पूछा-चिन्मय दास को जमानत क्यों नहीं मिलनी चाहिए

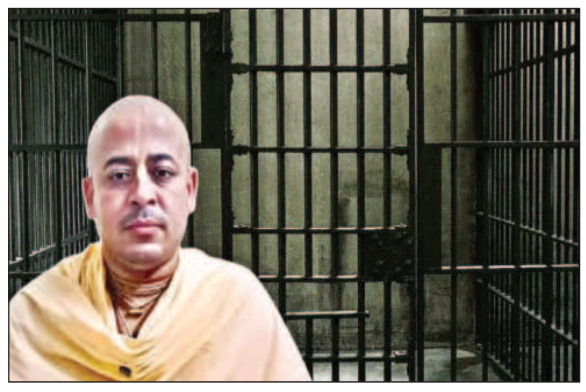

**ढाका, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** बांग्लादेश हाईकोर्ट ने मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया और स्पष्टीकरण मांगा कि चिन्मय कृष्ण दास को जमानत क्यों नहीं दी जानी चाहिए। चिन्मय की तरफ से कोर्ट में पेश वकील ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक बयान में दास के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा, बांग्लादेश हाईकोर्ट ने सरकार से दो सप्ताह के भीतर फैसले पर जवाब देने को कहा है। चटगांव अदालत द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उनकी कानूनी टीम ने 12 जनवरी को हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी।

भट्टाचार्य ने कहा कि मामले की सुनवाई लंबित मामलों के क्रम के अनुसार आगे बढ़ेगी और उम्मीद जताई कि इसकी सुनवाई अगले सप्ताह होगी क्योंकि हाईकोर्ट केवल रविवार और सोमवार को मामलों की सुनवाई करता है। चटगांव में सुनवाई कड़ी सुरक्षा के बीच हुई, जिसमें सरकार की अगुवाई मेट्रोपॉलिटन पब्लिक प्रॉसिक्यूटर एडवोकेट मोफिजुर हक भुइयां ने किया। इस्कॉन के पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास कानूनी कार्यवाही जारी रहने के कारण हिरासत में हैं। बता दें कि इससे पहले 11 दिसंबर को एक बांग्लादेश की एक अदालत ने दास की प्रारंभिक जमानत याचिका को प्रक्रिया में खामी के कारण खारिज कर दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वैध पावर ऑफ अटॉर्नी और वकील की उपस्थिति की कमी के कारण याचिका खारिज की गई थी।

# पाकिस्तान ने मनाया कश्मीर एकजुटता दिवस, भारत के खिलाफ उगला जहर

**इस्लामाबाद, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

**पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर का राग अलापते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत पर दबाव डालने का आह्वान किया है। मुल्क के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि कश्मीर के लोगों को भी अपना भविष्य तय करने का अधिकार है।**

प्रधानमंत्री शहबाज ने पाकिस्तान में मनाए जा रहे कश्मीर एकजुटता दिवस पर अपने संदेश में कहा कि स्थानीय लोगों की वास्तविक आकांक्षाओं को दबाकर स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती।

सरकारी रेडियो पाकिस्तान के हवाले से खबर दी है कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर एकजुटता दिवस पर जारी संदेश में कश्मीर पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने कहा कि आत्मनिर्णय का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून का मौलिक सिद्धांत है। हर साल, संयुक्त राष्ट्र महासभा एक प्रस्ताव अपनाती है जो लोगों के अपने भाग्य का फैसला करने के कानूनी अधिकार पर जोर देता है।

उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि 78 साल बीत जाने के बावजूद कश्मीरी लोगों को अभी तक इस अपरिहार्य अधिकार का प्रयोग नहीं करने दिया गया। शहबाज ने कहा कि भारत ने जम्मू और कश्मीर को दुनिया के सबसे सैन्यीकृत क्षेत्रों में से एक बना दिया है। वहां कश्मीरी भय के माहौल में रह रहे हैं। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि यह दिन वैश्विक समुदाय को उत्पीड़ित कश्मीरी लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। संयुक्त राष्ट्र को 78 साल पहले कश्मीरियों से किए गए वादों का सम्मान करना चाहिए।

स्पीकर चौधरी लतीफ अकबर ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद का दौरा करेंगे। वह मुजफ्फराबाद स्थित विधानसभा में सदस्यों को संबोधित भी करेंगे। शरीफ छतर चौक पर शहीद स्मारक का दौरा करेंगे। थल सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर भी शहीद स्मारक में फातेहा पेश करने में प्रधानमंत्री के साथ शामिल होंगे। इस बीच, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने कहा कि पाकिस्तान भारत के कश्मीर में रहने वाले लोगों का अटूट समर्थन करता रहेगा। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बयान में कहा कि भारतीय कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन निंदनीय है।

26वीं पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री गोपालजी अग्रवाल (बेल्लमपल्लीवाले)

(सुपुत्र : स्व. श्री जगन्नाथजी अग्रवाल बेल्लमपल्लीवाले)

स्वर्गवास : 6 फरवरी 1999

स्नेह आपका था हम पर, करते है नमन आपको ।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको ।।

* सन्निविष्टकर्ता *

सुशीला (धर्मपत्नी),
रविन्द्र कुमार (भतीजा),
प्रदीप (पुत्र), तनुष (पौत्र)

फर्म: जगन्नाथ रामकिशन (बेल्लमपल्लीवाले)

सी-302, जीवीके स्काई सिटी, राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद.

अम्बिका आयरन एण्ड स्टील्स (हैदराबाद) प्रा.लि.
शिकारा स्टील्स प्रा.लि

हैदराबाद. फोन : 9849032456

# राष्ट्र प्रथम

## बंटेंगे तो कटेंगे
## एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

BS

# Basai Steels And Power (P) Ltd.

## MANUFACTURERS OF

**BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm**

**SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS**

A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com

Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

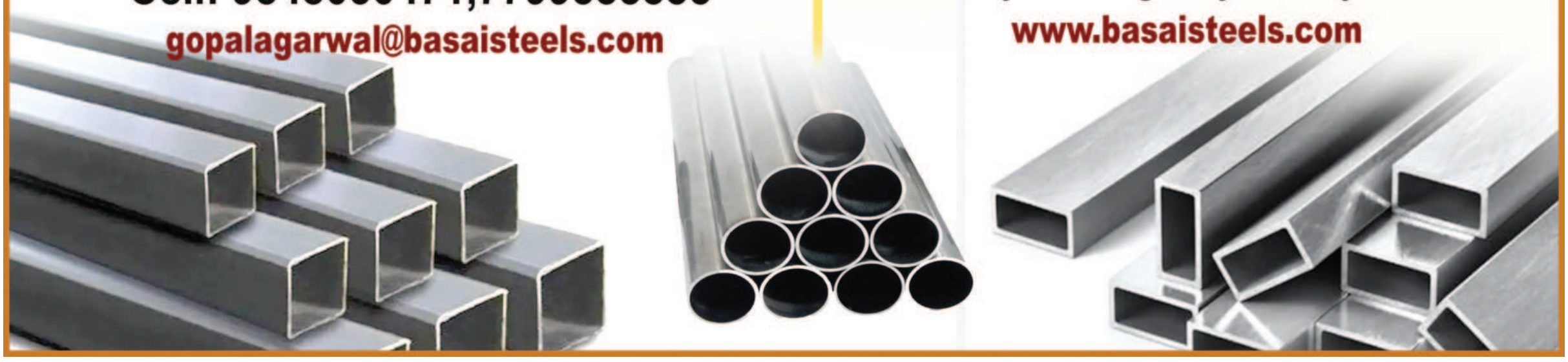

# भानुप्रिया ने घरवालों के खिलाफ जाकर एनआरआई से की शादी, तलाक के बाद पति की मौत

भानुप्रिया ने 80 -90 के दशक में बॉलीवुड में कई स्टार्स के साथ काम किया और स्क्रीन पर अपनी शानदार प्रेजेंस के कारण आज भी फैंस याद करते हैं। भानुप्रिया 80 और 90 के दशक में फिल्मों में नजर आईं और अपने लुक और एक्टिंग के कारण बेहद पसंद की गईं। साउथ में खुद स्थापित करने के बाद उन्होंने बॉलीवुड का रूख किया और कई फिल्मों में काम किया। आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में जन्मीं ने 17 साल की उम्र में ही फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर लिया। उनकी पहली फिल्म 'मेल्ला पेसुन्गल' थी जो 1983 में रिलीज हुई थी।

कम ही लोग जानते हैं कि भानुप्रिया का असली नाम मंगा भामा है। उनका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था, जब वो स्कूल में पढ़ाई रहीं थीं, तब एक दिन भाग्यराजा गुरु वहां आए। वो अपनी फिल्म के लिए नए चेहरे की तलाश में थे। एक ऐसी लड़की जो खूबसूरत होने के साथ ही डांसिंग में परफेक्ट हो। उन्हें भानु पसंद आई, लेकिन उन्हें लगा वह इस रोल के लिए छोटी है। ऐसे में फिल्म में नहीं लिया गया।

भानुप्रिया ने 1986 में फिल्म 'दोस्ती दुश्मनी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। 'इंसाफ की पुकार' (1987), 'खुदगर्ज़' (1987), 'मर मिटेंगे'(1988), 'तमंचा' (1988), 'सूर्या' (एन अवेकनिंग) (1989), 'दाव पेंच' (1989), 'ग़रीबों का दाता' (1989), 'कसम वर्दी की' (1989), 'जहरीले' (1990) और 'भाभी' (1991) जैसी कई उन्होंने की। उन्होंने उस दौर के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया। उन्होंने हिंदी फिल्म भाभी में गोविंदा के साथ काम किया था।

भानुप्रिया का करियर दशकों तक चला और काफी शानदार रहा है। 54 वर्षीय भानुप्रिया एक प्रतिभाशाली कुचिपुड़ी डांसर भी हैं और उन्हें इस कला से लगाव है। भानुप्रिया ने खुद डांस के प्रति अपने रुझान को बताया। उन्होंने कहा था, मैंने बचपन में ही डांस सीखना शुरू कर दिया था। स्कूल के बाद मैंने होमवर्क से ज़्यादा डांस को प्राथमिकता दी। मैं रेडियो पर सुने जाने वाले गानों पर कोरियोग्राफी करती थी। फिर मेरे ने मुझे फॉर्मल ट्रेनिंग के लिए दाखिला दिलाया। यह हुनर बाद में सिनेमा में काफी काम आया।।

लेकिन टैलेंटेड एक्ट्रेस ने चमक-दमक की दुनिया से दूरी बना ली है और अब वह अपनी मां और भाई के साथ रहती हैं। एक बातचीत में एक्ट्रेस ने अपने स्वास्थ्य के बारे खुलकर बात की। भानुप्रिया ने बताया कि वह अपने पति के निधन के बाद से ही याददाश्त खोने की समस्या से जूझ रही हैं।अपनी याददाश्त खोने के कारण आने वाली चुनौतियों के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं उन चीजों को याद नहीं रख पाती हूं मुझे करनी चाहिए। शूटिंग शुरू होने के बाद एक बार मैं अपनी लाइनें भूल गई। ऐसा लगभग दो साल से हो रहा है।

बता दें कि 1998 में भानुप्रिया की शादी आदर्श कौशल से हुई थी। वह 2005 से अपने पति से अलग रह रही थीं। 2018 में अपने हार्ट अटैक से मौत के बाद उन्हें चीजों को याद रखना काफी मुश्किल हो रहा था, पिछले दो सालों में उनके लिए हालात और भी बदतर हो गया है।

उन्होंने कहा कि वह ग्लैमर वर्ल्ड से दूर जीवन का आनंद लेती हैं। वह घर पर रहना, किताबें पढ़ना और दैनिक कामों का ध्यान रखना पसंद करती हैं। भानुप्रिया की एक बेटी है, जिसका नाम अभिन्या है। भानुप्रिया को आखिरी बार निर्देशक संध्या राजू की रोमांटिक ड्रामा नाट्यम में देखा गया था, जहां उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी।

## डेलबर आर्या ने शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा जताई

अभिनेत्री डेलबर आर्या, जो फिल्मों और कई बॉलीवुड म्यूजिक वीडियो में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं, अब बॉलीवुड के किंग खान, शाहरुख खान के साथ काम करने का सपना देख रही हैं। हाल ही में, उन्होंने अपनी इस इच्छा को जाहिर किया और एक नए प्रोजेक्ट को लेकर संकेत भी अपनी बेहतरीन प्रतिभा, कड़ी मेहनत और विश्वास की ताकत से डेलबार आर्या निश्चित रूप से एक उभरती हुई स्टार हैं। डेलबरआर्या ने कहा, मैं हमेशा से शाहरुख खान की प्रशंसा करती आई हूँ, न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि उनकी शानदार जर्नी के लिए भी, जो उनकी मेहनत का प्रमाण है। मैं हमेशा से बड़े सपने देखती हूँ और मुझे अपने लक्ष्यों को पाने की शक्ति पर विश्वास है। शाहरुख खान के साथ काम करना मेरी सबसे बड़ी ख्वाहिशों में से एक है। उनकी पर्सनालिटी, प्रोफेशनलिज्म और लोगों से जुड़ने की क्षमता उन्हें एक ड्रीम को-स्टार है। मैं सच में उनकी उस मशहूर लाइन पर विश्वास करती हूँ - अगर किसी चीज़ को शिद्दत से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की कोशिश में लग जाती है। और मैं महसूस कर सकती हूँ कि यह जल्द ही सच होने वाला है। डेलबर आर्या के बयान ने उनके फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अगर यह प्रोजेक्ट सच होता है, तो यह उनके करियर का एक बड़ा मुकाम होगा। डेलबर अपने सपनों को पूरा करने और सीमाओं को पार करने में विश्वास रखती हैं, और उनके फैंस इस संभावित कोलैबोरेशन की आधिकारिक घोषणा बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह सिर्फ एक ख्वाहिश है या फिर किसी बड़े प्रोजेक्ट की झलक, यह तो आने वाला वक्त बताएगा। लेकिन इतना तो तय है कि डेलबर की मेहनत और शाहरुख खान का जादू मिलकर एक यादगार सिनेमा अनुभव बना सकते हैं। जहाँ फैंस इस की पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं, वहीं डेलबर आर्या का भविष्य काफी रोमांचक नजर आ रहा है। काम की बात करें तो डेलबर जल्द ही पंजाबी फिल्म मधाणिया में नजर आएंगी। अपने हर किरदार को वास्तविकता और आकर्षण से भरने की कला के लिए पहचानी जाने वाली डेलबर फिल्म में अपनी एक्टिंग की एक नई झलक दिखाने वाली हैं।

# सूरज बड़जात्या ने सुनाया दीदी तेरा देवर दीवाना से जुड़ा मजेदार किस्सा

### माधुरी ने किया था सलमान का मेकअप

फिल्म निर्माता-निर्देशक सूरज बड़जात्या ने 1994 में रिलीज फिल्म 'हम आपके हैं कौन' के ट्रैक 'दीदी तेरा देवर दीवाना' से जुड़ा एक मजेदार किस्सा सुनाया। बड़जात्या ने बताया कि गाने के लिए माधुरी ने सलमान का मेकअप किया था। शो 'इंडियन आइडल' में गेस्ट के तौर पर पहुंचे सूरज ने पुरानी यादें ताजा करते हुए एक किस्सा सुनाया, यह एक लंबा और कठिन गाना था, जिसके लिए 16 दिनों की रिहर्सल और 9 दिनों के फिल्मांकन की आवश्यकता थी। हम इसे मजेदार तरीके से पूरा करना चाहते थे।

उन्होंने आगे बताया, मैंने अपने पिता को गाने को लेकर सुझाव दिया कि सलमान को अंतिम सीन के लिए नाइटी पहननी चाहिए। इस विचार से मेरे पिता असहमत थे। हालांकि, नाइटी पहनने के लिए सलमान तुरंत मान गए। पूरी टीम इसे लेकर उत्साहित थी, फिर हमने सेट पर महिला कलाकारों के बीच इस पर वोटिंग का फैसला किया। माधुरी के साथ अन्य डांसर्स को भी यह विचार मजेदार लगा और उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें इस पर काम करना चाहिए। सूरज बड़जात्या ने बताया कि माधुरी ने गाने के इस सीन के लिए सलमान का मेकअप किया था।

'हम आपके हैं कौन' एक म्यूजिकल-रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें परिवार के लिए अपने प्यार का त्याग करने की कहानी है। 'हम आपके हैं कौन' 1982 में रिलीज हुई सचिन पिलगांवकर और साधना सिंह स्टारर 'नदिया के पार' की रीमेक है। बड़जात्या 'बड़ा नाम करेंगे' के साथ ओटीटी पर कदम रखने जा रहे हैं, जो जेन-जेड जोड़े की प्रेम कहानी है।'गुल्लक' फेम पलाश वासवानी ने सीरीज का निर्देशन किया है। सीरीज में ऋतिक घनशानी, आयशा कडुस्कर, कंवलजीत सिंह, अलका अमीन, राजेश जैस, चित्राली लोकेश, दीपिका अमीन, जमील खान, राजेश तैलंग, अंजना सुखानी, साधिका सयाल, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, प्रियंवदा कांत, ओम दुबे, भावेश बबानी और अन्य जैसे कलाकारों की टोली है।'बड़ा नाम करेंगे' में प्यार, खुशी के साथ दिल को छू लेने वाले मिश्रण हैं।

## कंगना रनौत ने खोला 'द माउंटेन स्टोरी' कैफे, बताया खास

अभिनेत्री-फिल्मकार और राजनीतिज्ञ कंगना रनौत अब एक कैफे की भी मालकिन बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर कैफे का एक वीडियो शेयर कर उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन के सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक है। अभिनेत्री ने अपने कैफे का नाम 'द माउंटेन स्टोरी' रखा है। कंगना सोशल मीडिया पर लेटेस्ट पोस्ट प्रशंसकों के साथ शेयर करती रहती हैं। अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर उन्होंने अपने कैफे 'द माउंटेन स्टोरी' की झलक दिखाई। कंगना ने 'द माउंटेन स्टोरी' को हिमाचली टच दिया।

वीडियो को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, बचपन का सपना साकार हुआ, हिमालय की गोद में मेरा छोटा सा कैफे 'द माउंटेन स्टोरी' यह एक प्रेम कहानी है। 'द माउंटेन स्टोरी' 14 फरवरी को खुलेगा।कंगना ने कहा, यह मेरे जीवन के सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक है, यह मेरा ही विस्तार है, कुछ ऐसा जो ना केवल मेरे दिल के करीब है, बल्कि मेरी जड़ों के भी करीब है और मुझे 'द माउंटेन स्टोरी' के जरिए इसका अनुभव मिलने का अवसर मिला, जिसे पाकर मैं गर्व महसूस कर रही हूं।

कंगना से पहले अन्य कई हस्तियां रेस्टोरेंट, कैफे और होटल खोल चुकी हैं। इस लिस्ट में मलाइका अरोड़ा, अमृता अरोड़ा, करण जौहर, शिल्पा शेट्टी, रकुल प्रीत सिंह, सनी लियोन, धर्मेंद्र, आशा भोसले और बॉबी देओल समेत अन्य हस्तियों के नाम शामिल हैं।

कंगना के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह बायोग्राफिकल-ड्रामा फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आई थीं, जिसकी सह-निर्माता-निर्देशक खुद कंगना हैं। 70 के दशक में भारत में लगी इमरजेंसी पर बनी फिल्म की पटकथा रितेश शाह ने तैयार की है। फिल्म में रनौत देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं। फिल्म 'इमरजेंसी' भारतीय लोकतंत्र के सबसे चर्चित अध्यायों में से एक को मनोरंजक अंदाज में पेश करती है।

इससे पहले अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक पोस्ट शेयर कर अपकमिंग फिल्म की जानकारी दी थी। फिल्म में उनके साथ आर माधवन भी अहम भूमिका में हैं। अभिनेत्री माधवन के साथ 'तनु वेड्स मनु' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' में काम कर चुकी हैं।

अभिनेत्री ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, फिल्म सेट पर होने से ज्यादा आनंददायक कुछ नहीं है।

## 87 साल की दक्षिण भारतीय अभिनेत्री पुष्पलता का निधन

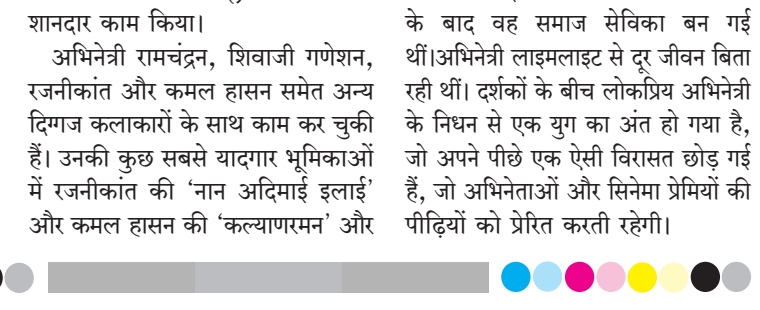

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री पुष्पलता का लंबी बीमारी के बाद 87 वर्ष की आयु में चेन्नई में निधन हो गया। पुष्पलता ने तमिल, तेलुगू के साथ मलयालम और कन्नड़ सिनेमा की 100 से अधिक फिल्मों में काम किया था। अभिनेत्री ने 1958 में 'शेनकोट्टा सिंघम' से तमिल फिल्म में डेब्यू किया था और 1969 में थिक्कुरिसी सुकुमारन नायर के निर्देशन में बनी नर्स के साथ मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश किया था।अपने पूरे करियर के दौरान दिग्गज अभिनेत्री ने 'शारदा', 'पार मांगले पार', 'नानुम ओरु पेन्न', 'यारुक्कु सोंथम', 'थाये उनक्काग', 'कर्पूरम', 'जीवन नामसम', 'धरिसनम', 'कल्याणरमन', 'सकलकला वल्लवन', 'शिमला स्पेशल' जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में शानदार काम किया।

अभिनेत्री रामचंद्रन, शिवाजी गणेशन, रजनीकांत और कमल हासन समेत अन्य दिग्गज कलाकारों के साथ काम कर चुकी हैं। उनकी कुछ सबसे यादगार भूमिकाओं में रजनीकांत की 'नान अदिमाई इलाई' और कमल हासन की 'कल्याणरमन' और 'सकलाकला वल्लवन' शामिल है।

अभिनय के अलावा, दिग्गज अभिनेत्री पुष्पलता एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नर्तकी भी थीं। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म निर्माण की दुनिया में भी कदम रखा था और दो फिल्मों का निर्माण भी किया था। अभिनय, फिल्म निर्माता, भरतनाट्यम नर्तकी के अलावा वह विज्ञापन की दुनिया में भी हिट थीं। वह 1964 में लक्स के विज्ञापन का चेहरा बन गई थीं। 'नानम ओरु पेन्न' की शूटिंग के दौरान उन्हें अभिनेता और निर्माता एवीएम राजन से प्यार हो गया और बाद में दोनों ने शादी कर ली। उन्हें दो बेटियां हैं।पुष्पलता 1999 में श्री भारती के निर्देशन में बनी फिल्म 'पूवसम' में आखिरी बार पर्दे पर नजर आई थीं। सिनेमा से संन्यास लेने के बाद वह समाज सेविका बन गई थीं।अभिनेत्री लाइमलाइट से दूर जीवन बिता रही थीं। दर्शकों के बीच लोकप्रिय अभिनेत्री के निधन से एक युग का अंत हो गया है, जो अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गई हैं, जो अभिनेताओं और सिनेमा प्रेमियों की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

# सुंदरकांड का पाठ करने से पहले जान लें यह नियम

सुंदरकांड का पाठ करने से साधक को कई तरह के लाभ मिलते हैं, लेकिन आपको ये लाभ तभी नजर आएंगे, जब आप पाठ के दौरान इन नियमों का ध्यान रखेंगे। तो चलिए जानते हैं सुंदरकांड के पाठ से संबंधित कुछ नियम।

**समय का रखें ध्यान**

सुंदरकांड का पाठ करने के लिए मंगलवार, रविवार और शनिवार का दिन उत्तम माना गया है। साथ ही अमावस्या के दिन सुंदरकांड का पाठ करना वर्जित माना गया है। इस बात का भी खास तौर से ध्यान रखें कि कभी भी रात में सुंदरकांड का पाठ नहीं करना चाहिए, वरना इससे आपको पाठ का पूरा लाभ नहीं मिलता।

**इन बातों का रखें ख्याल**

हमेशा स्नान करने के बाद ही सुंदरकांड का पाठ शुरू करें। साफ-सुथरे कपड़े पहने और स्वच्छता व पवित्रता का ध्यान रखें। इसके बाद हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने बैठकर सुंदरकांड का पाठ करें। मूर्ति या तस्वीर इस प्रकार की होनी चाहिए, जिसमें प्रभु श्री राम, माता सीता व लक्ष्मण भी हों।

**तभी मिलेगा पूर्ण फल**

समूह में भी सुंदरकांड का पाठ किया जा सकता है। इसी के साथ अगर आप 11, 21, 31, 41 दिन तक ये पाठ करते हैं, तो इससे आपको जीवन में अद्भुत परिणाम देखने को मिलते हैं। वहीं ब्रह्म मुहूर्त में सुंदरकांड का पाठ करना अधिक लाभदायक माना जाता है।

**मिलते हैं कई लाभ**

नियमानुसार पाठ करने से साधक को बजरंगबली का आशीर्वाद तो प्राप्त होता ही है, साथ ही जीवन में आ रही सभी प्रकार की बाधाएं दूर होने लगती हैं। इसी के साथ साधक को श्री हनुमान जी से बल, बुद्धि और विद्या का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही इससे व्यक्ति का मनचाहा काम भी जल्द पूरा होने के योग बनने लगते हैं।

# काले हनुमान जी का रहस्य कर देगा हैरान एक बार दर्शन से कट जाएंगे सभी पाप

भारत में ऐसे कई मंदिर हैं, जिनसे जुड़ी अलग-अलग मान्यताएं और पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। इन्हीं में से एक यूपी के भरतपुर शहर में स्थित गंगा मंदिर के पीछे प्राचीन श्री काले हनुमान जी मंदिर विराजमान है। यह एक ऐसा अनोखा मंदिर है, जहां पर हर रोज भक्तों की भारी मात्रा में भीड़ उमड़ती है। इस धाम में दर्शन करने के लिए लोग देश नहीं बल्कि विदेश से भी आते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि यहां एक बार दर्शन मात्र से व्यक्ति की सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं, तो चलिए वीर हनुमान जी के इस दिव्य मंदिर से जुड़ी कुछ प्रमुख बातों को जानते हैं।

**कैसे भरतपुर में विराजमान हुए काले हनुमान जी?**

इस मंदिर को लेकर माना जाता है कि जब नागा साधुओं का एक समूह हनुमान जी की काली मूर्ति को लेकर उनकी स्थापना के लिए जा रहे थे, तभी उनकी गाड़ी भरतपुर क्षेत्र से गुजरी। इसके बाद उनकी गाड़ी आगे ही नहीं बढ़ पाई। लाख प्रयास के बावजूद कोई कुछ नहीं कर पाया।

सभी प्रयास असफल होने के बाद नागा साधुओं ने थक हार कर उस मूर्ति को वहीं स्थापित कर दिया। तभी से दिन बीतने के साथ इस मंदिर की महिमा बढ़ती जा रही है।

**यहां क्यों है हनुमान जी की प्रतिमा काली?**

आपको बता दें कि इस धाम का इतिहास करीब 150 साल पुराना है। वहीं, हनुमान जी की काली प्रतिमा को लेकर इस मंदिर के पुजारियों का कहना है कि जब हनुमान जी ने लंका दहन किया था। उस दौरान उनका पूरा शरीर काला पड़ गया था और हनुमान जी की ये मूर्ति उसी समय का स्वरूप है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहां पर आने वाले श्रद्धालु राम भक्त को लाल चोला की जगह काला चोला चढ़ाते हैं और उनके मुख पर केसरिया रंग लगाते हैं।

# रवि प्रदोष व्रत पर ध्यान रखें ये बातें ताकि आपको मिले पूजा का पूरा फल

प्रदोष व्रत की पूजा प्रदोष काल में करना शुभ माना गया है। माघ का दूसरा प्रदोष व्रत रविवार के दिन पड़ है। ऐसे में इसे रवि प्रदोष व्रत भी कहा जाएगा। इस दिन पर अगर आप व्रत से संबंधित कुछ बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको भोलेनाथ की असीम कृपा प्राप्त हो सकती है।

**रवि प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त**

माघ माह के शुक्ल पक्ष त्रयोदशी तिथि 09 फरवरी को शाम 07 बजकर 25 मिनट पर शुरू होने जा रही है। वहीं इस तिथि के समापन की बात करें, तो यह तिथि 10 फरवरी को शाम 06 बजकर 57 मिनट तक रहने वाली है। इस प्रकार रवि प्रदोष व्रत रविवार, 09 फरवरी 2025 को जाएगा। इस दिन पूजा का मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहने वाला है।

शिव जी की पूजा का मुहूर्त - शाम 07 बजकर से मिनट से 08 बजकर 42 मिनट तक

**इस तरह करें पूजा**

प्रदोष व्रत की पूजा के दौरान शिवलिंग का पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, और से अभिषेक करें। इसके बाद साफ जल में गंगाजल मिलाकर अभिषेक करें। अब शिव जी को बेलपत्र, फल, फूल, धूप-दीप और नैवेद्य चढ़ाएं। पूजा के बाद शिवजी के 'ऊँ नमः शिवाय' मंत्र का रुद्राक्ष की माला से जप करें और अंत में शिव जी की आरती करें। इसी के आप शिव तांडव स्तोत्र और शिव चालीसा का पाठ भी कर सकते हैं।

**भूल से भी न करें ये काम**

प्रदोष व्रत के दिन तामसिक चीजों के सेवन से बचना चाहिए। साथ ही इस दिन मन में किसी तरह के गलत विचार न लाएं। इसी के साथ व्रत करने साधक को नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके स्थान पर केवल फल और जल का सेवन करें। साथ ही इस दिन व्रत करने वाले साधक को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इन सभी बातों का ध्यान रखने पर ही आपका व्रत पूर्ण माना जाता है।

# मार्च महीने में दो बार लगेगा ग्रहण

## 14 को चंद्र ग्रहण और 29 मार्च को सूर्य ग्रहण लगेगा

ज्योतिष शास्त्र में राहु और केतु को मायावी ग्रह कहा जाता है। राहु और केतु आत्मा के कारक सूर्य देव एवं मन के कारक चंद्र देव को अपना शत्रु मानते हैं। अमृत पान के समय सूर्य और चंद्र ने स्वरभानु को पहचान लिया था। यह बात उन्होंने भगवान विष्णु को बता दी थी। उस समय भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से स्वरभानु का वध कर दिया। हालांकि, स्वरभानु तब तक अमृत पान कर चुका था। इसके लिए स्वरभानु की मृत्यु नहीं हुई। तब भगवान विष्णु ने स्वरभानु के सर और धड़ को दो अलग दिशाओं में फेंक दिया। इसके चलते स्वरभानु वक्री चाल चलते हैं। राहु के द्वारा सूर्य या चंद्रमा का ग्रास करने से ग्रहण लगता है।

**चंद्र ग्रहण** – ज्योतिषियों की मानें तो 14 मार्च को साल का पहला ग्रहण लगेगा। इस शुभ अवसर पर होली भी है। होली का त्योहार फाल्गुन पूर्णिमा पर मनाया जाता है। इसके लिए 14 मार्च को चंद्र ग्रहण लगने वाला है। चंद्र ग्रहण का समय सुबह 09 बजकर 29 मिनट से लेकर दोपहर 03 बजकर 29 मिनट तक है। हालांकि, चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसके लिए सूतक भी मान्य नहीं होगा।

**सूर्य ग्रहण** – ज्योतिषियों की मानें तो साल 29 मार्च को सूर्य ग्रहण लगेगा। इस शुभ अवसर पर न्याय के देवता शनिदेव राशि परिवर्तन करेंगे शनिदेव 29 मार्च के दिन कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। वैदिक पंचांग के अनुसार, 29 मार्च को चैत्र अमावस्या भी है। इस दिन ही सूर्य ग्रहण लगेगा। यह साल का पहला सूर्य ग्रहण होगा। चंद्र ग्रहण की भांति सूर्य ग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा।

**क्या करें और क्या न करें**

ज्योतिषियों की मानें तो ग्रहण के दौरान कोई भी शुभ काम नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही खानपान से भी परहेज करना चाहिए। नकारात्मक जगहों पर जाने से बचें। ग्रहण के दौरान भगवान विष्णु के नामों का मंत्र जप करें। साथ ही महामृत्युंजय मंत्र का जप करें। इन उपायों को करने से साधक पर भगवान विष्णु की कृपा बरसती है।

# मूलांक 2 पर बरसेगी चंद्र देव की कृपा, बनेंगे बिगड़े काम

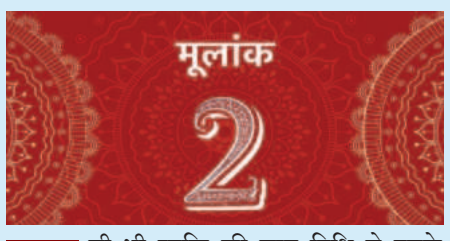


किसी भी व्यक्ति की जन्म तिथि से उसके मूलांक का पता लगाया जाता है। उदाहरण के लिए अगर किसी व्यक्ति का जन्म किसी भी महीने की 10 तारीख को हुआ है, तो उसका मूलांक 01 होगा, क्योंकि 0 और 1 को जोड़ने पर 1 प्राप्त होता है। ऐसे में आज हम आपको एक खास मूलांक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके लिए फरवरी का महीना काफी खास रहने वाला है।

**ये है वो मूलांक**

हम बात कर रहे हैं मूलांक 2 की। जिस किसी जातक का जन्म किसी भी महीने की 2, 11, 20 या 29 तारीख को होता है, उनका मूलांक 02 माना जाता है। इस मूलांक के ग्रह स्वामी चंद्र देव होते हैं। यही कारण है कि इस मूलांक पर चंद्र देव की विशेष कृपा बरसती है। चंद्र देव को मन का कारक माना गया है। माना जाता है कि मूलांक 02 के जातक बहुत ही शांत स्वभाव के होते हैं। इसी के साथ चंद्रमा के प्रभाव से इनके स्वभाव में चंचलता भी पाई जाती है।

**मिलेंगे ये फायदे**

चंद्र देव की कृपा से इस मूलांक के जातकों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिल सकती है। इसी के साथ जिस कार्य के लिए आप कड़ी मेहनत कर रहे हैं, फरवरी के महीने में आपका वह काम सफल होगा। इसी के साथ जो लोग किसी क्रिएटिव काम से जुड़े हुए हैं, उन्हें भी लाभ मिलने वाला है। इस महीने आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार देखने को मिलने वाला है।

**करें ये उपाय**

मूलांक 2 के जातकों को चंद्र देव की कृपा प्राप्ति के लिए महादेव की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने की सलाह दी जाती है। इससे आपको काफी लाभ देखने को मिल सकता है। इसी के साथ जिन जातकों के विवाह आदि में बाधा आ रही है, उन्हें भी भगवान शिव की उपासना करनी चाहिए, क्योंकि इससे कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है।

# राजयोग से इन राशियों के जीवन में नहीं होगी धन की कमी, गुरु-शुक्र दिलाएंगे अच्छा लाभ

गुरु और शुक्र दोनों ही ग्रह इस समय एक दूसरे की राशि में विराजमान हैं। गुरु शुक्र की राशि वृषभ में है जबकि शुक्र गुरु का राशि मीन में हैं। इससे राशि परिवर्तन का निर्माण हुआ है। जिस कारण से कुछ राशि वालों को अच्छा खासा लाभ मिलने के योग हैं।

ग्रहों के राशि परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों के जातकों के ऊपर अवश्य ही पड़ता है। ग्रह राशि परिवर्तन के साथ-साथ अन्य दूसरे ग्रहों के साथ युति भी करते हैं जिससे तरह के योगों का निर्माण होता है। आपको बता दें कि दो प्रमुख ग्रह शुक्र और गुरु की युति होने से परिवर्तन योग का निर्माण हुआ है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को प्रेम, सौंदर्य, सुख, ऐश्वर्य, धन और विवाह का कारक ग्रह माना जाता है। दरअसल शुक्र समय अपनी उच्च राशि मीन में विराजमान हैं और मीन राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। शुक्र और गुरु की आपस में शत्रुता का भाव रखते हैं। वहीं दूसरी तरफ देवगुरु बृहस्पति अपनी शत्रु शुक्र की राशि वृषभ में मौजूद है। इस तरह से शुक्र और गुरु के के एक दूसरे की राशि में होने से परिवर्तन योग का निर्माण हुआ है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब दो शत्रु ग्रह एक दूसरे के घरों में रहते हैं तो वे नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। बल्कि शुभ फलों में बढ़ोतरी करते है।

**मेष राशि** –मेष राशि के जातकों लिए गुरु-शुक्र का राशि परिवर्तन योग बहुत ही शुभ साबित हो सकता है। शुक्र का गोचर आपकी कुंडी के ग्यारहवें भाव में है। गुरु जहां वृषभ राशि में हैं वहीं शुक्र अपनी उच्च राशि में हैं। शुक्र का ग्यारहवें भाव में होना बहुत ही लाभकारी है। ऐसे में मेष के जातकों को अचानक धन लाभ के योग बना रहा है। इस राशि के जातकों को अच्छा खासा धन के मिलने की संभावना है। आप अपने शत्रुओं पर हावी होंगे। कार्यों में सफलता मिलने के अच्छे योग बन रहे हैं। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आने वाली तरह की बाधाएं दूर होंगी। जो लोग बेरोजगार उन्हें नौकरी मिल सकती है। परिवार संग अच्छा समय बीतेगा।

**कन्या राशि** – कन्या राशि के जातकों के लिए शुक्र और गुरु के संयोग से परिवर्तन राजयोग बहुत ही शुभ साबित होगा। कन्या राशि के जातकों के लिए शुक्र सातवें भाव में हैं। ऐसे में शुक्र का गोचर आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यहां धन भाव के स्वामी होकर आपके सप्तम भाव में गोचर कर रहे हैं। शुक्र के अपनी उच्च राशि में होने से मालव्य राजयोग का भी निर्माण हो रहा है। दांपत्य जीवन में मधुरता और रहेगी। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। जो लोग नौकरीपेशा हैं उनको लाभ मिल सकता है और जिन लोगों को नौकरी में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था अब वह खत्म हो जाएगा। मनमुताबिक नौकरी के अवसरों में वृद्धि होगी। वहीं जो लोग व्यापार से संबंधित हैं उन्हें अच्छा मिल सकता है। व्यापार में कोई नई डील मिल सकती है। साझेदारी में आपको अच्छा अवसर मिल सकता है। वाहन और मकान का सुख भी मिल सकता है। लाभ के अवसरों में वृद्धि के योग हैं।

**मीन राशि** –मीन राशि के जातकों के लिए शुक्र और गुरु का राशि बहुत ही अच्छा साबित हो सकता है। आपकी कुंडली के तीसरे भाव में शुक्र गोचर गोचर कर रहे हैं। ऐसे में परिवर्तन राजयोग का फायदा मीन राशि के जातकों को मिलेगा। इस राशि के जातकों को बंपर लाभ के योग हैं। भाग्य का अच्छा साथ और धन लाभ के में पहले के मुकाबले ज्यादा वृद्धि देखने को मिलेगी। कार्यक्षेत्र में उन्नति के अवसरों में वृद्धि होगी। धन की कमी से जूझना नहीं पड़ेगा। नौकरीपेशा जातकों को वेतन में वृद्धि और मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

# पृथ्वी से भारी और आकाश से ऊंचा क्या है? इन सवालों का जबाव देकर युधिष्ठिर ने बचाई थी भाइयों की जान

महर्षि व्यास द्वारा रचित महाभारत ग्रंथ में कौरवों और पांडवों के बीच हुए संघर्ष का वर्णन मिलता है। इसमें एक प्रसंग भी मिलता है, जिसमें यक्ष और युधिष्ठिर के बीच हुए संवाद का वर्णन है। यक्ष और युधिष्ठिर के बीच हुए सवाल-जवाब ज्ञान से परिपूर्ण हैं।

**प्यास से व्याकुल हुए पांडव**

कथा के अनुसार, जब पांडव वनवास काट रहे थे, तो इस बीच तब एक दिन युधिष्ठिर ने नकुल को पानी लेने के लिए भेजा। नकुल को तलाब ढूंढने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जब तक नकुल तालाब के पास पहुंचा, तब तक बह बुरी तरह से थक चुका था और प्यास से व्याकुल हो रहा था।

जब नकुल पानी पीने लगा, तो उस तालाब में रहने वाले एक यक्ष की आवाज आई और उसने कहा कि तुम तभी इस तालाब का पानी पी सकते हो, जब मेरे सवालों का जवाब दोगे। नकुल ने इस चेतावनी को अनसुना कर दिया और तालाब से पानी पीने लगा। पानी पीते ही नकुल अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। जब कई देर तक नकुल वापस नहीं आया, तब युधिष्ठिर ने सहदेव को भेजा। लेकिन सहदेव ने भी यही गलती की और वह भी अचेत होकर गिर गया।

**सभी भाईयों ने दोहराई गलती**

सी तरह भीम और अर्जुन भी उन दोनों की खोज पर निकले और तालाब के पास उन्हें अचेत पाया। उन दोनों ने भी यक्ष की बातों को अनसुना कर दिया, जिस कारण उन्हें भी मृत्यु का सामना करना पड़ा। अंत में जब युधिष्ठिर उन सभी की खोज में निकले, तो तालाब के पास सभी को मृत अवस्था में पाया। तब युधिष्ठिर ने यक्ष की बातों का ध्यान से सुना और प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हो गए।

**यक्ष और युधिष्ठिर के बीच संवाद –**

यक्ष ने धर्मराज युधिष्ठिर से कई सवाल पूछे थे, इनका जवाब युधिष्ठिर ने कुछ इस प्रकार दिया था।

यक्ष का सवाल – मैं कौन हूं?

युधिष्ठिर का जवाब – तुम न तो शरीर हो, न ही इंद्रियां, न मन और न ही बुद्धि। तुम शुद्ध चेतना हो, जो सर्वसाक्षी है।

यक्ष का सवाल – पृथ्वी से भारी क्या है?

युधिष्ठिर का जवाब – पृथ्वी से भारी मां है, अर्थात मां पृथ्वी से भी बढ़कर है।

यक्ष का सवाल – आकाश से ऊंचा क्या है?

युधिष्ठिर का जवाब – पिता का कद आकाश से भी ऊंचा होता है।

यक्ष का सवाल – वायु से तेज कौन है?

युधिष्ठिर का जवाब – मन की गति वायु से भी तेज है।

यक्ष का सवाल – तिनकों से अधिक संख्या किसकी है

युधिष्ठिर का जवाब – व्यक्ति की चिंताओं की संख्या तिनकों से कई है।

यक्ष का सवाल – जीवन का उद्देश्य क्या है?

युधिष्ठिर का उत्तर – जीवन का उद्देश्य उसी चेतना को जानना है, जो जन्म और मरण के बंधन से मुक्त है। उसे जानना ही मोक्ष है।

यक्ष का सवाल – जन्म का कारण क्या है?

युधिष्ठिर का उत्तर – अतृप्त वासनाएं, कामनाएं और कर्मफल, जन्म का कारण बनते हैं।

यक्ष का सवाल – वह कौन है, जो जन्म और मरण के बंधन से मुक्त है?

युधिष्ठिर का उत्तर – जिसने स्वयं और आत्मा को जान लिया है, वही जन्म-मरण के बंधन से मुक्त है।

इस प्रकार युधिष्ठिर ने यक्ष के सभी सवालों का सही जवाब दिया। इससे प्रसन्न होकर यक्ष ने ने युधिष्ठिर के सभी भाइयों को पुनर्जीवित कर दिया और पानी भी पीने दिया।

संपादकीय

# दिल्ली में घुसपैठिए वोटर

क्या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विधानसभा चुनाव में 20 लाख से अधिक घुसपैठिए मतदान करेंगे? क्या देश की राजधानी में इतने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं? यदि हैं, तो राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का दोषी और जवाबदेह कौन है? क्या लाखों अवैध शरणार्थियों को, सिर्फ चुनाव के मद्देनजर, राजनीतिक संरक्षण दिया जाना संभव है? क्या भारत सरकार और सीमाओं पर तैनात सुरक्षा बलों ने आंखें मूंद रखी हैं? ऐसे कई सवाल बेहद संवेदनशील हैं। दिल्ली को घुसपैठियों की धर्मशाला नहीं बनाया जा सकता। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 114 पन्नों की जो शोध-रपट जारी की है, बेशक उसे पूर्ण सत्य न माना जाए, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा तो पुराना है। इस रपट को नकारा भी नहीं जा सकता, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। चुनाव आयोग ने सभी दृष्टिकोण से सुनिश्चित करने और क्रॉस चेकिंग के बाद जो अंतिम मतदाता-सूची तैयार की है, क्या उसमें करीब 20 लाख घुसपैठियों के नाम भी दर्ज हैं। इस अवैध मतदान से न केवल हमारी चुनाव-प्रणाली प्रभावित होगी, बल्कि दिल्ली की जनसंख्या के समीकरण भी बदल रहे हैं। यहां की 84 फीसदी हिंदू आबादी घट कर 81.7 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 5.7 फीसदी थी, जो बढक़र करीब 13 फीसदी हो गई है। यह खतरनाक बदलाव है। सवाल यह है कि घुसपैठिए मतदाता बने, उन्हें सभी सरकारी संसाधन और सुविधाएं भी हासिल हैं, उनके पास मतदाता पहचान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि सरकारी, वैध दस्तावेज भी हैं, तो उनकी छंटनी कर कैसे साबित किया जा सकता है कि वे अवैध घुसपैठिए हैं? वे बांग्लादेश, म्यांमार सरीखे पड़ोसी देशों से भारत में घुसे हैं? रपट में खुलासा किया गया है कि राजधानी दिल्ली में 20 लाख से अधिक घुसपैठिए मौजूद हैं और वे किन इलाकों में रहते हैं। पुलिस ने अधिकतर चेहरे चिह्नित भी कर रखे हैं। उन्हें उनके देश वापस भेजने का फैसला भी हो चुका है, लेकिन डिपोर्ट करने के 70 फीसदी मामले आज भी लंबित पड़े हैं, क्योंकि घुसपैठियों के मूल देश उन्हें अपने नागरिक मानने को तैयार नहीं हैं। यही नहीं, पुलिस को भी इनके इलाकों में जाने से रोका गया है। क्या घुसपैठिए इतना बड़ा खतरा हैं अथवा राजनीतिक संरक्षण के तहत ऐसा किया गया है? करीब 45 फीसदी घुसपैठिए झुग्गियों में रहते हैं। वहां उन्हें मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा सरीखी सरकारी सुविधाएं हासिल हैं। जिन इलाकों में घुसपैठिए रहते हैं, वहां आसपास के स्कूलों में 20-30 फीसदी बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। ये घुसपैठिए असंगठित क्षेत्रों में काम या मजदूरी करते हैं और कम वेतन या दिहाड़ी पर भी काम करने को तैयार रहते हैं, लिहाजा कारोबारी उन्हें काम पर रखने को प्राथमिकता देते हैं और श्रम के कोई भी दस्तावेज नहीं देने पड़ते हैं। भाजपा ने इसे भी मुद्दा बनाया है कि जो काम पूर्वांचल या अन्य क्षेत्रों के लोगों को मिलने चाहिए थे, वे कम पैसे के कारण घुसपैठियों को मिल रहे हैं। यह भी बेरोजगारी का बड़ा कारण है। रपट में बताया गया है कि फर्जी दस्तावेज बनाने का भी एक गिरोह सक्रिय है, जो स्थानीय नेताओं के इशारे पर इन घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज तैयार करता है। बदले में ये अवैध अप्रवासी उन नेताओं को चुनाव में वोट देते हैं। किसी भी स्तर पर घुसपैठ स्वीकार्य न हो।

> दिल्ली को घुसपैठियों की धर्मशाला नहीं बनाया जा सकता। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 114 पन्नों की जो शोध-रपट जारी की है, बेशक उसे पूर्ण सत्य न माना जाए, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा तो पुराना है। इस रपट को नकारा भी नहीं जा सकता, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। चुनाव आयोग ने सभी दृष्टिकोण से सुनिश्चित करने और क्रॉस चेकिंग के बाद जो अंतिम मतदाता-सूची तैयार की है, क्या उसमें करीब 20 लाख घुसपैठियों के नाम भी दर्ज हैं। इस अवैध मतदान से न केवल हमारी चुनाव-प्रणाली प्रभावित होगी, बल्कि दिल्ली की जनसंख्या के समीकरण भी बदल रहे हैं। यहां की 84 फीसदी हिंदू आबादी घट कर 81 .7 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 5 .7 फीसदी थी, जो बढक़र करीब 13 फीसदी हो गई है। यह खतरनाक बदलाव है। सवाल यह है कि घुसपैठिए मतदाता बने, उन्हें सभी सरकारी संसाधन और सुविधाएं भी हासिल हैं, उनके पास मतदाता पहचान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि सरकारी, वैध दस्तावेज भी हैं, तो उनकी छंटनी कर कैसे साबित किया जा सकता है कि वे अवैध घुसपैठिए हैं? वे बांग्लादेश, म्यांमार सरीखे पड़ोसी देशों से भारत में घुसे हैं?

### विपक्षी दल इस घटना को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार को घेर रहे हैं

# कुंभ भगदड़ पर शर्मनाक राजनीति

राजेश कुमार पासी

> उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इसी को देखते हुए इस आयोजन की जबरदस्त तैयारी की थी। लगभग 25 दिनों से कुंभ चल रहा है और यहां आने वाले श्रद्धालु इस आयोजन की जबरदस्त तारीफ कर रहे हैं। सरकार द्वारा किये गये इंतजामों से बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। मौनी अमावस्या के दिन सबसे बड़ा अमृत स्नान था जिसमें लगभग 12 करोड़ लोगों ने स्नान किया। इस दिन एक भगदड़ में दर्जनों लोगों के घायल होने के अलावा 30 लोगों की जान चली गई। एक छोटे शहर के कुछ हिस्से में 10 करोड़ लोग इकट्ठे थे, इसलिए अगर वहां भगदड़ मच गई तो ये स्वाभाविक सी घटना है लेकिन यह नहीं होना चाहिए था।

12 साल में आयोजित होने वाले कुंभ का भारतीय धर्म और संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। इस बार का कुंभ तो 12 कुंभों के बाद होने वाला महाकुंभ है, इसलिए इसका विशेष महत्व है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इसी को देखते हुए इस आयोजन की जबरदस्त तैयारी की थी। लगभग 25 दिनों से कुंभ चल रहा है और यहां आने वाले श्रद्धालु इस आयोजन की जबरदस्त तारीफ कर रहे हैं। सरकार द्वारा किये गये इंतजामों से बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। मौनी अमावस्या के दिन सबसे बड़ा अमृत स्नान था जिसमें लगभग 12 करोड़ लोगों ने स्नान किया। इस दिन एक भगदड़ में दर्जनों लोगों के घायल होने के अलावा 30 लोगों की जान चली गई। एक छोटे शहर के कुछ हिस्से में 10 करोड़ लोग इकट्ठे थे, इसलिए अगर वहां भगदड़ मच गई तो ये स्वाभाविक सी घटना है लेकिन यह नहीं होना चाहिए था। इस भगदड़ के कारण सरकार के इंतजामों पर सवाल खड़ा हो गया है। यह सवाल इसलिए खड़ा हो गया है क्योंकि सरकार को पता था कि इस दिन इतने लोग वहां आ सकते हैं। सरकार को पता था इसलिए सरकार ने इंतजाम भी किये थे। भगदड़ होने का मतलब है कि सरकार के इंतजामों में कहीं कोई कमी थी। विपक्ष को यह अधिकार है कि वो इस सम्बन्ध में सरकार से सवाल करें और लोकतंत्र में ऐसा होता भी है। विपक्षी दल इस घटना को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार को घेर रहे हैं। संसद में भी यह मामला उठाया गया है। लोकतंत्र में यह एक सामान्य बात है कि ऐसी घटनाओं पर विपक्ष सरकार से सवाल-जवाब करे लेकिन विपक्ष इस मामले में जैसी राजनीति कर रहा है, वो बहुत ही शर्मनाक है। 29 जनवरी को इस मामले पर विपक्ष ने संसद में जबरदस्त हंगामा किया और सरकार पर आंकड़ों को छिपाने का आरोप लगाया। देखा जाये तो यह आरोप भी ज्यादातर विपक्ष ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर सरकार पर लगाया करता है लेकिन जैसा आरोप लगाया गया है, वो बेहद आपत्तिजनक है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद में कहा कि 29 जनवरी को महाकुंभ में हुई भगदड़ में मारे गये हजारों लोगों को मेरी श्रद्धांजलि है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनकड़ ने उन्हें बयान वापिस लेने को कहा तो उन्होंने कहा कि यह मेरा अनुमान है। अगर आंकड़े सही नहीं है तो सरकार को बताना चाहिए। इसके अलावा लोकसभा में भी विपक्ष ने जबरदस्त हंगामा किया



और सरकार को कहा कि वो कुंभ में हुई मौतों का आंकड़ा जारी करे। समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने कहा है कि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि भगदड़ में हजारों लोग मारे गये हैं। उनका कहना है कि लोगों को दफना दिया गया है, जो लोगों को बाद में मिलेंगे। उन्होंने कहा है कि हिन्दुओं को दबा दिया गया है। समाजवादी पार्टी की नेता और सांसद जया बच्चन ने कहा है कि इस मेले में गंगा का पानी सबसे दूषित है क्योंकि भगदड़ में मारे गये लोगों के शव नदी में फेंक दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि कुंभ में करोड़ों लोग आ ही नहीं सकते, सरकार झूठ बोल रही है। उनका कहना है कि इतने लोग एक जगह कैसे इकठ्ठा हो सकते हैं। यही बात समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कही थी कि सभी रेलगाड़िया खाली आ रही है, सरकार झूठ बोल रही है कि कुंभ में इतने लोग आ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री योगी पर तंज कसा है कि जो सच छुपाये वो योगी नहीं हो सकता। आरजेडी नेता मनोज झा ने कहा है कि कुंभ में ट्रक भरकर मोबाइल मिले हैं, इनके मालिक कहां है। इसके अलावा कई नेता ऐसी ही बातें कर रहे हैं और सरकार को सच बताने को कह रहे हैं। सोशल मीडिया में विपक्षी समर्थक अपने नेताओं की बातों को आगे बढ़ा रहे हैं। यह अफवाह फैलाई जा रही है कि कुंभ में हजारों लोग मर गये हैं। दूसरी तरफ सरकार ने घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन कर दिया है, जो मामले की जांच करके बता देगा कि सरकार की कहां कमी रही और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इसके अलावा योगी सरकार ने मामले की जांच के लिए एसटीएफ का भी गठन किया है क्योंकि सरकार को घटना में साजिश की बू आ रही है। कहा जा रहा है कि घटनास्थल पर घटना के समय 16000 सक्रिय मोबाइल फोन बंद हो गये है। घटनास्थल पर मौजूद इतने मोबाइल फोनों का अचानक बंद हो जाना सरकार को एक साजिश लगता है। इसके अलावा प्रत्यक्षदर्शियों ने बयान दिया है कि घटना से पहले वहां बसों में भरकर युवा आये थे और वो हुड़दंग कर रहे थे। कहा जा रहा है कि घटना इन लोगों के हुड़दंग के कारण ही हुई। मामले को सरकार ने गंभीरता से लिया है क्योंकि यह राज्य सरकार की प्रतिष्ठा का सवाल है। योगी सरकार कई महीनों से इस आयोजन की तैयारी कर रही थी और दुर्घटना से पहले आयोजन सफलतापूर्वक चल रहा था और घटना के बाद भी चल रहा है। मेरा मानना है कि जल्दी ही सरकार देश के सामने सच्चाई पेश कर देगी। आज हर हाथ में मोबाइल है और इसके अलावा घटनास्थल पर मौजूद सीसीटीवी भी अपराधियों को सामने लाने की सरकार की मदद करेंगे। आप सोचिए कि जब हर हाथ में मोबाइल है तो किसी भी सरकार के लिए लोगों की मौत छुपाना कैसे संभव हो सकता है। पूरी दुनिया में इतना बड़ा आयोजन नहीं होता है, इसलिये पुलिस और प्रशासन इस आयोजन को करने के लिए प्रशंसा के पात्र हैं। इसके बावजूद भगदड़ में हुई मौतों के लिए जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिये लेकिन महीनों से दिन-रात काम कर रहे पुलिस और प्रशासन के लोगों की मेहनत पर पानी फेरना ठीक नहीं है। खड़गे और अन्य विपक्षी नेता कह रहे हैं कि हज़ारों लोगों की मौत हो गई है तो सवाल उठता है कि उनकी लाशें कहाँ गयीं। वैसे देखा जाए तो इसका भी जवाब उन्होंने खुद दे दिया है। राजद नेता मनोज झा कह रहे हैं कि उनको दफना दिया गया है और जया बच्चन कह रही हैं कि लाशों को सीधा गंगा नदी में बहा दिया गया इसलिये गंगा प्रदूषित हो गई है। ऐसा लगता है कि विपक्ष ने लाशों को ठिकाने लगाने के बारे में बयान देने से पहले आपस में बात नहीं की है। सरकार को घेरने का अच्छा तरीका तो यह था कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की फौज गंगा नदी में उतरकर लाशों को बाहर निकाल देती और देश के सामने पूरी सच्चाई आ जाती। दूसरी तरफ राजद के कार्यकर्ता गंगा नदी किनारे दबाए गए लोगों को निकाल कर जनता के सामने ला सकते थे। खड़गे पहले कह रहे हैं कि हज़ारो लोग मारे गए हैं, उनकी पार्टी भी इसमें मदद कर सकती थी। विपक्षी नेताओं की बुद्धि कहाँ चली गई है जो ऐसे अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। अगर उन्हें अपनी बात सिद्ध करनी है तो हज़ारो नहीं तो कुछ लोगों के शव तो ढूंढ ही सकते थे।

दृष्टि कोण

# प्रशासन और प्रदेश का आम जनमानस

प्रदेश के आम जनमानस के समग्र उत्थान के लिए वर्तमान प्रदेश सरकार की शासन व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री का दो वर्ष का कार्यकाल विभिन्न राजनीतिक एवं प्रशासनिक कारणों से देश व प्रदेश में चर्चा का विषय रहा है। प्रदेश में राजस्व, शिक्षा, विद्युत, स्वास्थ्य जैसे मूल विभागों में विकासात्मक एवं सुधारात्मक प्रयोग एवं प्रयास, भविष्य में प्रदेश के विकास की गाथा में अवश्य ही अपनी अमिट छाप छोडऩे में सफल होंगे। विगत दो वर्षों की आर्थिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक अस्थिरता या उथल-पुथल वाली परिस्थितियों के समक्ष प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अत्यधिक सुदृढ़ होकर उभरी है, जिसमें विगत वर्ष अवसरवादिता से प्रेरित राजनीतिक घटनाक्रम में कांग्रेस के छह विधायकों व तीन निर्दलीय विधायकों का प्रदेश सरकार के विरुद्ध विद्रोह प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में अविस्मरणीय घटना के रूप में दर्ज हो चुका है। इसके उपरांत वर्तमान मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की दयनीय वित्तीय स्थिति, प्रशासनिक शिथिलता, प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार, विभिन्न विभागों में कार्य संस्कृति के अभाव से निपटने के सार्थक प्रयासों में अधिक स्पष्टता एवं दृढ़ता प्रकट हो रही है। इन सुधारात्मक कार्यों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभाव प्रदेश के आम जनमानस के दैनिक प्रशासनिक कार्यों में परिलक्षित होगा। देश व प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था आम नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षणकर्ता के रूप में कार्य करती है, परंतु वर्तमान परिस्तिथियों में यह भ्रष्टाचारी कारकों के संरक्षण प्रदान करने तक ही सीमित है। प्रदेश के उज्ज्वल एवं सुरक्षित भविष्य के दृष्टिगत, अल्पकालिक ही नहीं अपितु दीर्घकालिक आवश्यकताओं की संभावना को समक्ष रखते हुए, सरकार का आदर्श वाक्य 'व्यवस्था परिवर्तन' की व्यापकता को समक्ष रखते हुए, प्रदेश सरकार का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश के आम जनमानस की प्रशासनिक, सामाजिक एवं राजनीतिक आकांक्षाओं की पूर्ति करना है। परंतु प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता एवं नैतिकता जैसे कारकों का अभाव होने के परिणामस्वरूप, प्रदेश सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के मूल उद्देश्य की प्राप्ति में उपरोक्त कारकों का अभाव अवरोधक के रूप में कार्य कर रहा है। प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में इन तत्वों का अभाव दीर्घकालिक है, जिससे वर्तमान सरकार के लिए, इनका समाधान भी जटिल है। निःसंदेह दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे कारकों के परिणामस्वरूप वर्तमान सरकार इन परिस्थितियों से उबर सकती है या सफल हो सकती है। प्रदेशवासियों के समक्ष प्रशासनिक अकर्मण्यता एवं भ्रष्टाचार के अनेक ऐसे प्रत्यक्ष प्रमाण हैं, जिससे प्रदेश का आम नागरिक अत्यंत त्रस्त है। राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली सदैव ही संदेहास्पद एवं पक्षपातपूर्ण होने के कारण, आम नागरिक मानसिक एवं आर्थिक प्रताडऩा से त्रस्त है। प्रदेश सरकार इस दिशा में तत्परता के साथ कार्य भी कर रही है, परंतु इस विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों की भ्रष्ट प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना, प्रदेश सरकार के समक्ष सबसे बड़ी समस्या एवं चुनौती है। व्यवस्था परिवर्तन के लिए प्रशासनिक व्यवस्था की इच्छा शक्ति, संकल्पशक्ति एवं संसाधनशीलता की परम आवश्यकता है। अपने संवैधानिक कत्र्तव्यों के प्रति प्रशासनिक व्यवस्था एवं जनप्रतिनिधियों को सजगता, निष्ठा एवं तत्परता के साथ कार्य करने की चेष्टा करनी होगी। अपर्याप्त प्रशासनिक एवं राजनीतिक भागीदारी के कारण अधिकांश प्रदेशवासी व्यवस्थागत हिस्सेदारी से वंचित हैं, जो कि प्रदेश में व्याप्त भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार का मुख्य आधार भी है। प्रशासनिक कार्यों में यदि आम जनमानस का परोक्ष हस्तक्षेप हो तो निश्चित रूप प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सकता है। इस दिशा में प्रदेश सरकार की शिकायत निवारण हेतु, मुख्यमंत्री संकल्प योजना जैसे मंच के माध्यम से भ्रष्ट एवं पक्षपाती व्यवस्था से पीड़ित प्रदेश वासी प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं। इस संकल्प योजना से मिलने वाले न्यायपूर्ण एवं सार्थक परिणामों से पीड़ित पक्ष सुरक्षित महसूस करते हैं। परंतु विडंबना यह है कि प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था अपनी अकर्मण्यातापूर्ण एवं शिथिल कार्यसंस्कृति के कारण पीड़ित पक्ष को न्याय प्रदान करने में विफल प्रतीत हो रही है। इस संकल्प योजना की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं तत्परता से निर्णय करने की क्षमता, पीड़ित पक्ष की सरकार के साथ अपनी समस्या की प्रत्यक्ष भागीदारी को सुनिश्चित करती है, परंतु इसमें वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सुधार की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश जन शिकायतों में सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को ही प्रताड़ित किया जाता है। बिना निष्पक्ष जांच के, मामलों को समाप्त कर दिया जाता है, जोकि इस योजना के मूल मंतव्य के विपरीत है।

कुछ अलग

# चोर जी का सुल्फिया बयान

देवियो और सज्जनो! मैं वह चोर हूं जिसका कोई धर्म नहीं होता, जिसकी कोई जात नहीं होती। वह हर धर्म का होता है, हर जात का होता है। अपने पूरे जोशो जवास में गर्व से स्वीकारता हूं कि मैं वही चोर हूं! समाज के एक से एक हाई लेबल आदरणियों को अपने को चोर कहने में आपत्ति हो तो होती रहे, पर मुझे अपने को अपने द्वारा चोर कहने में रंच भर आपत्ति नहीं। जैसे किसी को अपने को जेंटलमैन कहलवाने पर गर्व होता है, वैसे ही मुझे अपने को चोर कहलवाने पर गर्व होता है। सच कहूं तो समाज को बचाने, चलाने की जिम्मेदारी इन तथाकथित जेंटलमैनों से अधिक चोरों के कंधों पर होती है। कारण, चोर के भीतर एक जेंटलमैन छिपा हो या न, पर एक थर्ड से थर्ड क्लास जेंटलमैन के भीतर एक चोर जरूर बसा होता है। चोरी करना कोई बुरी बात नहीं। ईमानदार से ईमानदार करते हैं। पर बुरी बात तब होती है जब चोरी करने के बाद भी अपनी चोरी को हम दूसरों के मत्थे मढ़ते हैं खुद को ईमानदार दिखाए रखने के लिए। मैं उनकी तरह नहीं जो कदम कदम पर अपने से छुपकर शिद्दत से चोरी करते हैं और ऊपर से अपनी छाती पर ईमानदारी के तमगे लगाए फिरते हैं। चेहरे पर सेहरे लगाकर चोरों के समाज में जीना मुझे कतई पसंद नहीं। भाई साहब! मैं इनकी उनकी तरह नहीं जो समाज में नंबर वन चोरियां करके अपने को कोर्ट कचहरियों में पाकसाफ घोषित करवाने को एड़ी चोटी का जोर लगाए रहते हैं। मुझसे बड़े चोर चोर होने के बाद भी भले ही वे कोर्ट कचहरियों से अपने पाकसाफ के कागज हवा में लहराते इज्जतदार बने फिरते रहें तो फिरते रहें। मैं तो चोर होने में ही खुश हूं। क्योंकि मुझे पता है कि मैं चोर हूं, सो मैं अपने को कानून को घुमा फिरा बेवजह सज्जन घोषित करवाने की कभी कोशिश नहीं करता। मैं तो इस सोच का प्रेक्टिकल चोर हूं कि चोरी करने के बाद पकड़े जाने पर जितना समय कोर्ट कचहरियों में अपने को बेचोर साबित करवाने में जाया किया जाए, उतना अपने चोरी के धंधे को और परिष्कृत करने में लगाया जाए ताकि चोरी करने में और महारत हासिल हो सके। जनाब! भगवान कण कण में व्याप्त हों या न, पर मैं कण कण में व्याप्त हूं। मैं घर घर में हूं। मैं सरकार सरकार में हूं। मैं दफ्तरों दफ्तरों में हूं। मैं कत्र्तव्यनिष्ठ से कत्र्तव्यनिष्ठ अफसरों अफसरों में हूं। कहीं मैं ए क्लास ऑनेस्ट ठेकदेार बनकर चोरी करता हूं तो कहीं चौकीदार बनकर चोरी करता हूं। कहीं मैं ऑफिस से पर्दे चुराकर ले जाता हूं तो कहीं मैं ऑफिस से चेयर मेज चुराकर ले जाता हूं। कहीं मैं सरकारी सरिया सीमेंट चुराकर ले जाता हूं तो कहीं मैं ऑफिस से ऑफिस ही चुराकर ले जाता हूं। कहीं मैं जनता का बजट चुराता हूं तो कहीं मैं देश को चुराता हूं। घर से लेकर संसद तक जितने भी माननीय, सम्माननीय पद हैं, उन सब पर मैं शान से बैठा हूं। हर स्टोर में अजगर बन लेटा हूं।डांट माइंड! मैं जानता हूं या फिर मेरा खुदा! मेरी वजह से पता नहीं कितनों को रोजगार मिला है। मेरी वजह से पता नहीं कितनों का चेहरा कमल सा खिला है। मैं रोजगारदाता हूं। मैं नकाबपोश ईमानदारों का भाग्यविधाता हूं। डांट माइंड! मेरी वजह से ही ईमानदारी का बाजार चलता है। मेरी वजह से ही बड़ों बड़ों का अवैध कारोबार चलता है। मेरी वजह से ही आदमी अपना ईमान बदलता है। इतना सब होने के बावजूद हमें समाज में सम्मान की नजरों से क्यों नहीं देखा जाता रे मेरे प्रभु!

देश दुनिया से

# अत्यंत वृहद है महाकुंभ का मर्म

कुंभ का शब्दार्थ है- घड़ा अर्थात कलश। कुंभ का जीवनार्थ है- काया व मन को पंचतत्त्वों के प्रत्यक्ष स्पर्श में लाकर आत्मसाधना की ओर अग्रसर होना। कुंभावधि में जल नामक तत्त्व गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर अमृतोन्मुखी हो उठता है। कुंभ के वृहद स्वरूप महाकुंभ में जलतत्त्व के अमृत संपर्क में आकर आत्ममुखी होने का अवसर है महाकुंभी आयोजन। गत तेरह जनवरी से प्रारंभ हुई यह आस्थायात्रा 26 फरवरी 2025 तक चलेगी। अ_ारह पुराणों से होते हुए चार वेदों तथा असंबद्ध रूप में 108 व मुख्यतः 13 उपनिषदों में समाहित पंचांग स्थिति (तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण/नभ, पृथ्वी, वायु, जल तथा अग्नि) द्वारा शुभाशुभ समय के निर्धारण के उपरांत नियत महाकुंभ आयोजन की पौराणिक कथा मूलतः विष्णु पुराण में पुरोल्लिखित हुई थी। इसके अनुसार, महर्षि दुर्वासा के श्राप द्वारा स्वर्ग ऐश्वर्य, धन, वैभव इत्यादि से रहित हो गया था। फलतः इन्द्रादि देवता शक्तिहीन हो गए। सहायतार्थ देवताओं ने भगवान विष्णु की शरणागति की। भगवान ने उन्हें असुरों के साथ मिलकर समुद्र मंथन का उपाय बताया। भगवान ने उन्हें बताया कि मंथन से अमृत प्राप्त होगा, जिसका पान करके वे सभी अमर हो जाएंगे। असुर राजा बलि को देवताओं ने यह युक्ति बताई। वह भी अमरत्व के लोभवश समुद्र मंथन हेतु तैयार हो गया। देवासुरों ने वासुकि नाग की रस्सी बनाकर मंदराचल पर्वत की सहायता से सागर मथना प्रारंभ किया। परिणामस्वरूप एक-एक कर 14 रत्न निकले। इनमें हलाहल विष, कामधेनु गाय, उच्चैःश्रवा अश्व, ऐरावत गज, कौस्तुभ मणि,



कल्पवृक्ष, रंभा नामक अप्सरा, देवी लक्ष्मी, वारुणी अर्थात मदिरा, चन्द्रमा, पारिजात वृक्ष, पांचजन्य शंख, भगवान धन्वन्तरि तथा अमृतकुंभ सम्मिलित थे। इसी अमृत का पान करने दानव परस्पर छल-बल करने लगे। इस पारस्परिक संघर्ष में वे अमृतकुंभ लेकर यहां-वहां दौड़े। दौड़ाभागी में कुंभ से अमृत की बूंदें छलककर प्रयागराज, नासिक, उज्जैन एवं हरिद्वार में गिर पड़ीं। जिस क्रम में वे जहां गिरीं, वहीं उस स्थान पर समयक्रमानुसार छह वर्ष में अद्र्धकुंभ एवं बारह वर्षों में एक बार कुंभ का आयोजन होता है। तत्कालीन देवासुरों के विशाल अस्तित्व के अनुरूप सृजित अमृत की बूंदें आज के युग के मानवों हेतु नदी के समान ही हैं। प्रायः 12 वर्ष के समयचक्र में होने वाले कुंभ की समयावधि में बृहस्पति, सूर्य व चंद्रमा एक साथ एक दिशा एक स्थिति में विद्यमान होते हैं, किंतु बृहस्पति जब मकर राशि में तथा सूर्य व चंद्रमा अन्य शुभ स्थानों पर विराजित होते हैं, तब महाकुंभ का धरायण होता है। खगोलीय एवं ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 12 कुंभ घटियों के बाद 144 वर्ष का योग बनता है। इस बार यही संयोग है। कलियुग में एक व्यक्ति की दो पीढियों को ऐसा अवसर नहीं मिल पाता है। जिन व्यक्तियों की आयु इस समय तीस वर्ष से अधिक है, उनमें से अधिसंख्य के दादाओं और पिताओं के जीवनकाल में महाकुंभ की स्थिति उत्पन्न ही नहीं हुई। कुंभ के पौराणिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ असीमित हैं। इन अर्थों को व्यक्तिगत योग चेतना के माध्यम से ही अनुभव किया जा सकता है। कुंभ का मर्म पापमुक्ति एवं मोक्षप्राप्ति से भी गहन है। यदि व्यक्ति के अंदर प्राकृतिक उत्सव में संचित होकर जीवन के प्रति अंतर्दृष्टि खोलने की उत्कट इच्छा है तो उसके लिए महाकुंभ सर्वोत्तम अवसर है। प्रकृति के पंचतत्त्वों में से एक है नीर। प्रत्यक्ष दिखाई देतीं नीरवाहिनी नदियां गंगा, यमुना व अदृश्य रूप में विद्यमान सरस्वती के संगमस्थल के प्रति आस्था, कृतज्ञता एवं सम्मान प्रदर्शित करने का विशाल, भव्य व अद्भुत सम्मेलन संसार में कहां है! इस पावन समय में यह स्थल अलौकिक शोभा एवं सौंदर्य के साथ चमत्कृत है। इस शुभघड़ी में तीनों सरिताओं के अमृतमय नीर द्वारा क्षयमान शरीर को चेतना प्रदान कर, मंगल स्नान कर और निज क्षमता से ध्यान धर कर व्यक्ति के मन में मौन होने, आध्यात्मिक होने का जो विचारबल प्रस्फुटित होता है, वास्तव में वही महाकुंभ का वास्तविक प्रसाद है, जिसे प्राप्त करने करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन माहभर तक प्रयागराज में एकत्र होते रहेंगे। यह विचित्र एवं आश्चर्यचकित करने वाला अनुभव है कि दुनिया के कई देशों की कुल जनसंख्या एक करोड़ भी नहीं है, किंतु महाकुंभ में अब तक इस लेख के लिखे जाने तक पंद्रह करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम वारिप्रवाह में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ विशुद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक, प्राकृतिक एवं दार्शनिक आयोजन है। इसमें किसी भी अनावश्यक बाह्य विचार की आवश्यकता है ही नहीं। यह आत्मज्ञान प्राप्ति का प्राकृतिक उत्स है। यह वही अनुभव कर सकता है, जो रिक्त मन से कुंभ का भागीदार बनता है। पूर्वाग्रह से मुक्त होकर तथा उदार हृदय के साथ इस उत्सव का आत्मसाक्षात्कार करने पर निश्चय ही स्वर्गसम अनुभूतियां प्राप्त होती हैं। करोड़ों-करोड़ देशी-विदेशी लोगों की विशुद्ध आस्था को उनके पवित्र आचरण, अप्रतिम हाव-भाव, पंचतत्त्वों के प्रति उनकी सर्वांगीण भंगिमा के माध्यम से भलीभांति अनुभूत किया जा सकता है। इस पौराणिक संयोजन द्वारा श्रद्धालुओं में इतना आत्मिक प्रभाव उत्पन्न होता है कि वे भौतिक व प्रकट जीवन के कष्टकंटकों को भी पुष्पस्पर्श समझने लगते हैं। महाकुंभ द्वारा प्रज्वलित आत्मदीप्ति में जीवन की वास्तविकता वही देख सकता है तथा इससे स्थायी मुक्ति की अभिलाषा भी वही वरण कर सकता है, जो आस्थावान होकर संगम तट के अंश-अंश को अंगीकार करता है। यह दुर्लभ गति अप्रतिम है। इस गति में प्रवाहित होने का आत्मभाव विराट है। यह अपरिभाषित है। यह केवल और केवल अनुभव के वशीभूत है। महाकुंभ के पौराणिक उपक्रमों- जैसे शाही स्नान, अखाड़ा स्नान, साधु-संतों के स्नान, मौनी अमावस्या एवं बसंत पंचमी के स्नान के सामानांतर इस मेले में उपस्थित होकर जो तटस्थ प्राकृतिक ऊर्जा सामान्य व्यक्ति को प्राप्त हो रही है।

आप का नजरिया

# सियासत में वैमनस्य भाव

जिस खेत का बीज बंट जाए, उसकी फसल की कीमत क्या होगी। सरकार की हाजिरी में विपक्ष की नाराजगी का एक पक्ष तो समझ आता है, लेकिन यहां तो सरहदें मापी जा रही हैं ईमानदारी के दस्तूर से। एक मत किसी को सरकार, किसी को विपक्ष बना गया, लेकिन यह क्या कि आपने जनता को बांटने के हर्फ सीख लिए। भाजपा विधायकों ने डंके की चोट पर विधायक प्राथमिक बैठकों का विरोध चुना था, इसलिए ये कांग्रेस के लिए, कांग्रेस के पक्ष में एकतरफा खड़ी कर दी गईं। सरकार के दो वर्षों का फासला इतना बढ़ गया कि प्रदेश की छत के नीचे दो परस्पर विरोधी दीवारें टकरा रही हैं और ईंटें हिमाचल की हराम होने लगीं। भाजपा की घुटन का पैगाम सख्त है, इसलिए विधायक प्राथमिकताएं पांव रगड़ रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि बैठकें सजावटी हैं और चुने हुए विपक्षी विधायकों का अपमान सरकार की हर फाइल कर रही है। योजनाएं-परियोजनाएं बस छूकर चली जाती हैं या सरकार की कार्यशैली विपक्ष के प्रति ऐसा वैमनस्य भाव है कि बैठकों का बहिष्कार करना पड़ रहा है। यहां सवाल जनता की लोकतंत्र में भागीदारी तक उठता है। असल में विधायक प्राथमिकता बैठक है तो हलके की जनता की उम्मीदों की भागीदारी। जो भी गुण-दोष हैं, वे एकतरफा नहीं, बल्कि राजनीति के समंदर में मुद्दों की मछलियों का शिकार है। सारा ताना-बाना सत्ता की चमक और विपक्ष की धमक है, वरना प्रदेश को आगे बढ़ाने की ईमानदारी तो हर तरफ से कमजोर प्रतीत होती है। जो प्रदेश में विपक्ष है, वह केंद्र में सत्ता का शिखर है तो क्या वहां से निकली ईमानदारी हिमाचल पहुंच रही है। इधर हिमाचल में जिन्हें सत्ता मिली, क्या वो कांग्रेस सरकार ईमानदारी का परचम फैला रही है। बेशक दर्द के वाक्यात सत्ता के सीने में सुराख करके बैठे हैं और जिस घटनाक्रम में राज्यसभा की सीट कांग्रेस से खिसक गई, वह नींद हराम कर रही है। हम कहना यह चाहते हैं कि हमारे सामने स्वांग बदल कर दोनों पार्टियां अपने पैमानों में सियासत भर-भर कर जनता की लोकतांत्रिक भागीदारी को अभिशप्त करती रही हैं और यही मुकाबला आज विधायक प्राथमिक बैठकों तक पहुंच गया। विपक्षी विरोध की पीड़ा के आंकड़े और सबूत होंगे, लेकिन ऐसा भी क्या कि हर बार कोई विधानसभा क्षेत्र 'विपक्ष' की झोली में जाकर मजबूर हो जाता है। अचानक सत्ता की देखरेख में कुछ विधानसभा क्षेत्र चमक जाते हैं और अनेक अपाहिज हो जाते हैं। मसलन एक दशक की त्रासदी में केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर जितने दंश भुगत रहा है, उन्हें हम भाजपा और कांग्रेस के बीच बराबरी से बांट सकते हैं। होते हैं यहां बड़े-बड़े खेल मियां, ये सियासी बिसात की सौदेबाजी है। हर कोई दुकान सजा के बैठा है और हम हर बार अपना वोट भुना रहे हैं। किसी ने विधायक प्राथमिकता बैठक में जाकर हमारे मत को भुनाया और कोई विरोध में बहिष्कार करके जनता के सवाल भुना रहा है। यह साबित करता है कि हिमाचल अब सत्ता का कुनबा बनकर प्रदेश के संसाधनों का दोहन कर रहा है। तमाम पद और पदवियां, योजनाएं-परियोजनाएं, मंच और मचान तथा समस्या और समाधान, इस बात पर निर्भर करते हैं कि आपका विधानसभा क्षेत्र किस तरफ बैठा है।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। प्रेमी को वक्त देने की कोशिश करेंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आ जाने के कारण आप उनको समय दे पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपकी उपलब्धी परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी क़ामयाबी की फ़ेहरिस्त में एक नया मोती जड़ेंगे। दूसरों के सामने आदर्श स्थापित करने के लिए ख़ुद को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रखें।काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें । कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

हृदय-रोगियों के लिए सतर्कता के साथ योगा प्राणायाम करना चाहिए आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। विवाद, मतभेद और दूसरों की आपमें कमियाँ निकालने की आदत को नज़रअन्दाज़ करें। नयी परियोजनाओं और ख़र्चों को टाल दें। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

सबकी मदद करने की आपकी इच्छा आपको आज बुरी तरह थकाएगी। आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढ़ाएंगे। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में ज़्यादा तनाव न लें और आराम करें। कामकाज के मोर्चे पर आज का दिन काफ़ी अच्छा रहने वाला है। ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

जरूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। इस राशि के कारोबारियों को आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। यात्राओं से व्यावसायिक संबंधों में सुधार होगा। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आज प्यार के मामले में सामाजिक बंधन तोड़ने से बचें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती हैं

### गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 06 फरवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ, शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 09:56 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 07:30 तक
योग : ब्रह्म सायं 06:41 तक
करण : बालव प्रात: 11:41 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:13 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:22 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:14 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:06 ( विजयवाडा )
शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , गुप्त नवरात्र पूर्ण , धनिष्ठा में रवि प्रात: 07:49 से

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# राज्य सरकार 'विकास भी-विरासत भी' की अवधारणा के साथ कर रही काम : भजनलाल

**जालोर,05 फरवरी (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मंदिर सनातन संस्कृति की आत्मा हैं। धार्मिक आस्था के प्रतीक होने के साथ-साथ मंदिर हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना के भी प्रमुख केन्द्र हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। शर्मा बुधवार को जालोर के नरसाणा में श्री दुदेश्वर महादेव मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंदिरों ने भारतीय परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों को संरक्षित करने का काम किया है। उन्होंने नरसाणा में भव्य दुदेश्वर महादेव मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी और कहा कि यहां भोले भंडारी महादेव की कृपा बरसेगी और यह मंदिर एक महत्वपूर्ण आस्था स्थल के रूप

में उभरकर सामने आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्षम नेतृत्व से देश में सनातन संस्कृति को एक नई ऊर्जा मिली है। प्रधानमंत्री 'विकास भी-विरासत भी' की अवधारणा को आत्मसात करते हुए चल रहे हैं। उनके नेतृत्व में 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में भव्य मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा, भव्य काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर, सोमनाथ मंदिर के विकास कार्य तथा केदार घाटी का पुनर्निर्माण हुआ है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेशभर में मंदिरों एवं आस्था स्थलों के विकास कार्य करवा रही है। हमारी सरकार वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं को अयोध्या, पशुपतिनाथ, काठमांडू एवं अन्य तीर्थस्थलों की यात्रा करवा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खाटूश्याम मंदिर के लिए 100 करोड़ रुपये के कार्य, पूंछरी का लौठा में विकास कार्य, 600 मंदिरों में विभिन्न अवसरों पर विशेष साज-सज्जा और आरती कार्यक्रम, पुष्कर अजमेर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर सहित आस्थाधामों के लिए सौंदर्यीकरण और आधारभूत सुविधाओं के कार्य करवाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास के लिए रोडमैप तैयार किया है। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसे निर्णयों से जहां पानी की आवश्यकता को पूरा किया जा रहा है। वहीं, प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लगातार एमओयू किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी देकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। पेपरलीक प्रकरणों पर सख्त कार्यवाही करते हुए भर्ती परीक्षाएं अब पारदर्शिता के साथ आयोजित हो रही हैं।

## यूडी टैक्स डिमांड नोटिस भी कारण बताओ नोटिस के दायरे में ही आता है : हाईकोर्ट

**भरतपुर,05 फरवरी (एजेंसियां)।** राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी भी किस्म का डिमांड नोटिस कारण बताओ नोटिस के दायरे में आता है। इसलिए सुनवाई का अवसर देकर ही टैक्स की देनदारी कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही तय की जानी चाहिए। जस्टिस अवनीश झींगन व जस्टिस शुभा मेहता की बैंच ने यह आदेश इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की याचिकाओं का निपटारा करते हुए दिए।

इन याचिकाओं में तीनों कंपनियों ने भरतपुर नगर निगम की ओर से 4 जनवरी 2023, 11 फरवरी 2023, 21 मार्च 2023 और 25 मई 2023 को जारी यूडी टैक्स डिमांड नोटिसों को चुनौती दी थी।

इन कंपनियों का कहना था कि उक्त डिमांड नोटिस उन्हें टैक्स की देनदारी का बिना सही आकलन किए और सुनवाई का अवसर दिए बिना ही जारी किए गए हैं। ये नोटिस हाईकोर्ट की ओर से साल 2023 में अशोक अरोडा बनाम राजस्थान सरकार व अन्य के मामले में तय किए कानूनी मापदंड के विपरीत हैं।

सुनवाई के बाद अब इस मामले में हाईकोर्ट तय किया है कि डिमांड नोटिस पर कारण बताओ नोटिस के दायरे में मानकर विचार किया जाए और सुनवाई का अवसर देकर ही कानूनी प्रावधानों के तहत यूडी टैक्स देनदारी तय की जाए।

अदालत ने उक्त फैसले के प्रकाश में तीनों कंपनियों की याचिकाओं का निपटारा करते हुए कंपनियों के प्रतिनिधियों को भरतपुर नगर निगम आयुक्त के समक्ष 27 फरवरी को सुबह 11 बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

अब भरतपुर नगर निगम नियमानुसार सुनवाई कर सभी तेल कंपनियों के 4 करोड़ रुपए से भी अधिक बकाया राशि पर सुनवाई कर निर्णय लेगा।

## दिल्ली में भाजपा के पक्ष में माहौल, बनेगी पूर्ण बहुमत की सरकार : शेखावत

**जोधपुर,05 फरवरी (एजेंसियां)।** केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया।गजेंद्र सिंह शेखावत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि दिल्ली में आज विधानसभा चुनाव हो रहा है। आज दिल्ली के भविष्य के लिए निर्णायक दिन है। हमने हरियाणा और महाराष्ट्र में सरकार बनाई। अब दिल्ली में भी हम पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे। दिल्ली में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनेगी और आप सत्ता से बेदखल होगी। दिल्ली की जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है और भाजपा एक विकल्प बनकर उभरी है। हमें उम्मीद है कि दिल्ली की जनता का जनादेश भाजपा के पक्ष में आएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि दिल्ली के लोग पीएम मोदी के नाम पर भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में वोट कर रहे हैं। दिल्ली की जनता केजरीवाल के भ्रष्टाचार से त्रस्त हो चुकी है। मैंने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कई विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया था। मैं यकीन के साथ कह सकता हूं कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनता से अपील करते हुए कहा कि अगर वे अच्छा सुशासन, मोहल्ला क्लीनिक, अच्छे सरकारी स्कूल और सभी सुविधाएं चाहते हैं तो अपना वोट जरूर करें।

### शांति धारीवाल- जीएस संधु की परेशानी बढ़ी

## एकल पट्टा प्रकरण में सरकार ने मांगी अग्रिम जांच की अनुमति

**जयपुर,05 फरवरी (एजेंसियां)।** पूर्व नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल और तत्कालीन आईएएस जी. एस. संधु की मुश्किलें फिर से बढ़ने वाली हैं। राज्य सरकार ने एकल पट्टा मामले में पूर्व हाईकोर्ट जज आर. एस. राठौड वाली एक सदस्यीय कमेटी की जांच में नए फैक्ट्स सामने आने पर हाईकोर्ट से अग्रिम जांच की अनुमति मांगी है। इसके साथ ही सरकार ने पूर्व आईएएस जी. एस. संधू, ओंकारमल सैनी और निष्काम दिवाकर के खिलाफ अभियोजन को वापिस लेने की अर्जी को एसीबी कोर्ट के खारिज करने वाली रिविजन को भी वापिस लेने की अर्जी पेश की है।

मामले में विशेष लोक अभियोजक अनुराग शर्मा के अनुसार अर्जी में कहा

गया है कि ट्रायल कोर्ट में अधूरे और गलत सबूतों के आधार पर क्लोजर रिपोर्ट दायर की गई थी। इस कारण ही पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को मामले में राहत मिल गई थी। इसके साथ ही जस्टिस आर एस राठौड़ की कमेटी की ओर से पेश रिपोर्ट के अनुसार कई नए फैक्ट्स का खुलासा हुआ है। क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने में गलती थी क्योंकि कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों और ठोस सबूतों की अनदेखी की गई थी। इसलिए राज्य सरकार ने पूर्व में की गई गलतियों को सुधारने और भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का निर्णय किया है। राज्य सरकार की दोनों अर्जी पर 10 फरवरी को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता अशोक पाठक की एसएलपी पर पांच नवंबर, 2024 को पूर्व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और पूर्व आईएएस जी. एस. संधु व अन्य आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई को समाप्त करने वाले राजस्थान हाईकोर्ट के 15 नवंबर 2022 व 17 जनवरी 2023 के आदेश रद्द कर दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट को चीफ जस्टिस को मामले की समीक्षा करके नए सिरे से सुनवाई करके छह महीने में मामले का निपटारा करने को कहा था।

# ट्रिपल इंजन की सरकार बनने पर हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छूएगा : सैनी

**चंडीगढ़,05 फरवरी (एजेंसियां)।** नगर निकाय चुनाव और संगठनात्मक विषयों को लेकर बुधवार को पंचकूला पार्टी कार्यालय ''पंचकमल'' में भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की रणनीति और संगठनात्मक विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में सहमति बनी की कि भाजपा नगर निगम और नगर परिषद के चुनाव सिंबल पर लड़ेगी। कोर कमेटी की बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, सांसद सुभाष बराला, मंत्री कृष्ण बेदी, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता रामबिलास शर्मा, सुनीता दुग्गल, पूर्व मंत्री डा. कमल गुप्ता मौजूद रहे। कोर ग्रुप की बैठक के बाद हरियाणा के

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा नगर निगम और नगर परिषद के चुनाव सिंबल पर लड़ेगी। उन्होंने कहा कि मेयर और चेयरमैनों के चुनाव डायरेक्ट होने हैं। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से आवेदन मांगे गए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बुधवार को स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर दो बैठकें हुई हैं। सीएम आवास पर हुई पहली बैठक में सभी विधायक, जिला अध्यक्ष, चुनाव लड़े हुए प्रत्याशी, मंत्री और जिला प्रभारी और प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कोर ग्रुप की बैठक पार्टी कार्यालय पंचकमल में हुई। कोर ग्रुप की इस बैठक में नगर निकाय चुनाव को लेकर कई निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि 11 फरवरी से नोमिनेशन शुरू होने हैं, इसलिए एक कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है। यह कमेटी जिन-जिन जिलों में चुनाव हैं वहां जाकर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के नाम लेगी। इन नामों पर प्रदेश की कोर कमेटी की बैठक में विचार किया जाएगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कोर ग्रुप की बैठक में चुनाव प्रचार, प्रसार, संकल्प पत्र बनाने पर चर्चा हुई है। जल्द ही जिलों की कमेटी, चुनाव संकल्प समिति, चुनाव संचालन समिति और अन्य समितियों का गठन कर लिया जाएगा। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से आवेदन मांगे जाएंगे जिस पर चुनाव संचालन समिति निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि हमारे पास नगरपालिका चुनाव को भी सिंबल पर लड़ने के सुझाव आए हैं जिस पर चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि प्रदेश के सभी मंत्री, विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और चुनाव लड़े प्रत्याशी नगर निकाय चुनाव में मजबूती से जुटेंगे और हम बड़ी जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में लोगों के जीवन को सरल और सुगम बनाने का काम किया है।

ट्रिपल इंजन की सरकार बनने पर हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छूएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव पर बोलते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार से दिल्ली की जनता तंग आ चुकी थी। केजरीवाल ने लोगों से झूठे वादे कर सत्ता हथियाने का काम किया है। अरविंद केजरीवाल के चेहरे का नकाब जनता के सामने उतर चुका है। सैनी ने कहा कि आज वोटिंग के समय दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी की सरकार के प्रति अपना गुस्सा उतारा है।

## पार्टी सिंबल पर चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस बैठक में लेगी फैसला : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

**चंडीगढ़,05 फरवरी (एजेंसियां)।** पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया है कि निकाय चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस की अहम बैठक होने जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने वीरवार को दिल्ली में बैठक बुलाने का फैसला लिया है। इसमें चर्चा की जाएगी कि निकाय चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ा जाएगा या नहीं। क्योंकि मेयर चुनाव कांग्रेस सिंबल पर लड़ती आई है। मेयर के अलावा पार्षद या चेयरमैन का चुनाव चुनाव सिंबल पर लड़ा जाए या नहीं, यह फैसला बैठक में चर्चा के बाद लिया जाएगा।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि चुनाव करवाने में बीजेपी सरकार ने बहुत देरी की। सरकार लगातार इन महत्वपूर्ण चुनावों को टाल रही थी। लेकिन कांग्रेस चुनाव के लिए हमेशा से तैयार है। निकाय चुनाव पर कांग्रेस जल्द अपनी नीति पर फैसला ले लेगी।

## प्रधानमंत्री आवास योजना में घोटाला एसीबी ने आरोपी को दबोचा

**पंचकूला,05 फरवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा के सिरसा जिले के ग्राम चाहरवाला में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत हुए गबन के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की हिसार टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने आरोपी विनोद कुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जिला जेल, सिरसा भेज दिया गया।

मामला वर्ष 2017-18 का है, जब ग्राम पंचायत चाहरवाला की पूर्व सरपंच कलावती, उनके पति, ग्राम सचिव सुभाष चंद्र और अन्य लोगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक अपात्र व्यक्ति के नाम पर मकान आवंटन की आईडी बनाई। लेकिन, उस आवास योजना के तहत मिली 1,38,000 की सरकारी सहायता राशि को हड़पने के लिए आरोपी विनोद कुमार (तीसरे व्यक्ति) ने अपने खाते में डलवा ली। इस घोटाले में ग्राम पंचायत के तत्कालीन पदाधिकारी भी संलिप्त पाए गए हैं।

ए.सी.बी. ने इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (धारा 13(1)(उ)(ऊ) सहपठित 13(2)) और भारतीय दंड संहिता (खझउ) की धारा 409, 418, 420, 467, 468, 471, 120-बी के तहत केस दर्ज किया था। मामले की गहन जांच के बाद, 4 फरवरी 2025 को हिसार ए.सी.बी. टीम ने आरोपी विनोद कुमार को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को सिरसा के सी.जे.एम. न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल, सिरसा भेज दिया गया। अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इस घोटाले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रहा है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को घर मुहैया कराना है, लेकिन इस तरह की गड़बड़ियों से सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। इस मामले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि कैसे भ्रष्टाचार सरकारी योजनाओं के उद्देश्यों को ध्वस्त कर देता है। प्रशासन को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

## हरियाणा विधानसभा में प्रबोधन कार्यक्रम की तैयारियां तेज

### लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे मुख्य अतिथि

**चंडीगढ़,05 फरवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने 14 और 15 फरवरी को होने वाले 'प्रबोधन कार्यक्रम' की तैयारियों के सिलसिले में बुधवार को विधान परिसर का मुआयना कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। 'प्रबोधन कार्यक्रम' के मौके पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि होंगे। उनके गार्ड ऑफ ऑनर के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। विधायकों का प्रशिक्षण विधान सभा के सदन में होगा, इसके लिए सदन समेत पूरे परिसर में विशेष प्रबंध किए जाएंगे।

इस दौरान लोक सभा की ओर से संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान की टीम विधायकों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण देगी। 'प्रबोधन कार्यक्रम' के शुभारंभ पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के गार्ड ऑफ ऑनर के लिए विधान भवन का सेरेमोनियल गेट खोला जाएगा। यहां पर हरियाणा पुलिस की टुकड़ी उन्हें सलामी देगी और वे परेड का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण व वरिष्ठ अधिकारियों की अगुवाई में विधान भवन में प्रवेश करेंगे। विधान सभा के सभी प्रवेश द्वारों के साथ-साथ सदन व प्रमुख रास्तों को फूलों से सजाया जाएगा।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि 15वीं विधान सभा के गठन के बाद लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला पहली बार हरियाणा विधान सभा आ रहे हैं। उनका स्वागत उनके पद की गरिमा के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के विधायकों के लिए यह गर्व की बात है कि ऐसे ज्येष्ठ और श्रेष्ठ व्यक्तित्व के सानिध्य में हमें यह प्रबोधन कार्यक्रम करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विशिष्ट अतिथि व अनेक राज्यों के विधान सभा अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे।

## ▪ महाकुंभ में मुखरित हुआ संस्कृति-कुंभ

# राष्ट्र निर्माण में संस्कृति की भूमिका अहम: चिदानंद

## संस्कृति कुंभ में शामिल हुईं मशहूर खिलाड़ी साइना नेहवाल

**महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** परमार्थ निकेतन के तत्वावधान में कुंभ मेला क्षेत्र में आयोजित संस्कृति कुंभ का भव्य शुभारंभ स्वामी चिदानंद सरस्वती एवं साध्वी भगवती सरस्वती के प्रेरक उद्बोधन से हुआ। उद्घाटन सत्र में स्वामीजी ने भारतीय संस्कृति के व्यापक आयामों पर प्रकाश डालते हुए इसके मूल उद्देश्यों को रेखांकित किया।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने महाकुंभ को केवल धार्मिक आयोजन न मानते हुए भारतीय जीवन दर्शन, संस्कृति और अध्यात्म का प्रतीक बताया। साध्वी भगवती सरस्वती ने अपने उद्बोधन में सनातन संस्कृति को समस्त समस्याओं का समाधान बिंदु बताते हुए इसकी आध्यात्मिक एवं सामाजिक प्रासंगिकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता जे. साई दीपक ने भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्ता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि विश्व की अनेक सभ्यताओं ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाकर अपने आप को बेहतर बनाया है। जब भी भारत की बात होती है, महाकुंभ की चर्चा अवश्य होनी चाहिए, क्योंकि यह आयोजन भारत की विशाल क्षमता और व्यवस्थापन कौशल का प्रतीक है। दीपक ने कहा, हमें भारतीय मूल्यों और सिद्धांतों के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए, न कि किसी अन्य राष्ट्र की नकल करनी चाहिए। भारत को चीन नहीं बनना है, भारत को भारत ही बने रहकर अपने मूल्यों के साथ आगे बढ़ना है। जे. साई दीपक के इस वक्तव्य ने संस्कृति और संविधान के सह-अस्तित्व पर एक महत्वपूर्ण विमर्श प्रस्तुत किया और भारत की सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

संस्कृति कुंभ में विशेष अतिथि के रूप में बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने अपने विचार व्यक्त किए और राष्ट्र निर्माण में संस्कृति की भूमिका को रेखांकित करते हुए युवाओं से देश के उत्थान में सहयोग देने का आह्वान किया। भारत सरकार के राज्य ऊर्जा मंत्री श्रीपाद नायक और उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव, नगर विकास, अमृत अभिजात ने महाकुंभ की व्यवस्थाओं एवं सरकार द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

आज के आयोजन में कुल चार सत्रों के दौरान 12 विद्वान वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रत्येक सत्र में विशेषज्ञों ने भारतीय संस्कृति, धर्म, इतिहास और समाज के विभिन्न पहलुओं पर गहन विमर्श किया, जिससे संस्कृति कुंभ का बौद्धिक और आध्यात्मिक महत्व और अधिक समृद्ध हुआ। सभी अतिथियों का स्वागत आयोजन मंडल के क्यूरेटर और प्रोड्यूसर शैफाली वैद्य, शांतनु गुप्ता एवं पुष्कर शर्मा ने किया, जबकि संयोजन में शंख सोसाइटी ने सहयोग प्रदान किया। संस्कृति कुंभ में देश-विदेश के विद्वान, संत-महात्मा एवं शोधार्थी भारतीय संस्कृति, धर्म, अध्यात्म और कुंभ पर अपने विचार प्रस्तुत कर रहे हैं। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की समृद्ध धरोहर को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना और समकालीन संदर्भों में इसकी प्रासंगिकता पर विमर्श करना है।

### स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा

## महाकुंभ मानवता का सबसे बड़ा महोत्सव है

**महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** विपरीत विचारों, मतों, पंथों को एक तट पर मिलाने की असीम ताकत रखने वाले संगम तट पर विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के रूप में महाकुंभ की शोभा का वर्णन हर कोई अपने-अपने भावों में कर रहा है। परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष चिदानंद मुनि देश-दुनिया से आए अपने अनुयायियों, सितारों, संतों, कथा मर्मज्ञों के समागम को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। वह समुद्र मंथन के परिणाम के रूप में सामने आए कुंभ के जरिये अभिसिंचित और पोषित होती विश्व संस्कृति के विविध पक्षों को किस रूप में देखते हैं। संगम तट पर दुर्लभ संयोग में लगे महाकुंभ के बारे में स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा, महाकुंभ सनातन का गौरव है। मानवता का सबसे बड़ा महोत्सव है। समुद्र मंथन का परिणाम है। मंथन के बाद जो भी निकलता है, वही अमृततुल्य होता है। 144 वर्षों के बाद जो योग बना है, वह दुर्लभ है। सौभाग्यशाली है हमारी पीढ़ी, जो इस महाकुंभ की प्रत्यक्षदर्शी बनी है। महाकुंभ: स्वागतं यत्र धर्मः संस्कृतिः च जीवनस्य स्रोतः प्रवाहते। धर्म और संस्कृति के माध्यम से जीवन के वास्तविक स्रोत का प्रवाह महाकुंभ में देखा जा सकता है। स्वामी ने कहा, महाकुंभ एक कालजयी महोत्सव है, जो न केवल व्यक्तियों की आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि पूरी सृष्टि को एक नई दिशा प्रदान करता है। महाकुंभ का मतलब महज डुबकी और आचमन नहीं है, बल्कि कुंभ आत्ममंथन की डुबकी का नाम है। समुद्र मंथन से स्वयं के मंथन की यात्रा है। संगम में स्नान करने से तात्पर्य शरीर के भीगने से नहीं बल्कि बात तो भीतर से भीगने की है। हम अक्सर भीतर से भागते रहते हैं। हम अपने जीवन में जो भी अगर-मगर की संस्कृतियों का संस्कार है, उसे संगम की डुबकी में ही डुबो दें। कुंभ संयम की यात्रा है और संयम ही संगम है।

स्वामी चिदानंद ने कहा कि संगम ही विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। संगम से ही समृद्धि है, शांति है और सौहार्द है। एकता और सहयोग से किसी भी समस्या का समाधान संभव है। कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे हमारे यहां एक कहावत है। यदि हम नियमों, नैतिकता और आदर्शों के साथ जीवन जीते हैं तो यह न केवल हमारी व्यक्तिगत सफलता की कुंजी है, बल्कि समाज और विश्व के विकास में भी योगदान प्रदान करती है। एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करें। केवल हाथ ही नहीं, दिल भी मिलाएं। यही संदेश लेकर इस दिव्य धरती से अपने गंतव्य की ओर लौटें।

उन्होंने कहा, तीर्थराज प्रयाग, संगम, समागम, शांति, शक्ति और भक्ति की भूमि है। संगम, शास्त्र व साहित्य की धरती है। प्रयागराज का संगम केवल भौतिक जल का नहीं है, बल्कि यह शास्त्र और साहित्य की भी भूमि है। यहां के इतिहास और संस्कृति में वेद, उपनिषद, और पुराणों की गूढ़ताएं छिपी हैं। प्रयागराज समागम की भूमि है, जो एकता और भाईचारे का संदेश देती है। सनातन बोर्ड और वक्फ बोर्ड के मसले पर स्वामी ने कहा, हम सबके आदर-सम्मान के पक्ष में हैं। भारत भूमि पर रहने वाले सभी भारत की संतानें हैं। सब भारत का जल, वायु और प्राकृतिक संसाधनों का बराबर उपयोग करते हैं तो भेद कैसा? इसलिए जो भी हो, संविधान के दायरे में हो। जहां सब समान हों, सबका सम्मान हो, यही तो है देश के संविधान की धारणा। जब बात शरिया की उठती है तो मैं कहना चाहूंगा कि मुझे तो लगता है घरों में शरिया, सड़कों पर शराफत और दिलों में देश में संविधान होना चाहिए।

मौनी अमावस्या स्नान पर हुई भगदड़ पर उन्होंने कहा, सरकार और प्रशासन दोनों ही प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री स्वयं इस पर दृष्टि रखे हुए हैं। जांच के आदेश दिए हैं। सत्य सबके सामने होगा। जो श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाने आए थे, वह इस हादसे के शिकार हुए, उसका हमें गहरा दुख है। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपनों को खो दिया। मेरा एक ही निवेदन है हम सभी संगम के तट पर आए हैं। आस्था की डुबकी के साथ एक ही संकल्प लें कि इस देश का संगम बना रहे। मोदी और योगी के बारे में पूछने पर स्वामी चिदानंद ने कहा, पिता, सदैव पिता होता है। पिता के पास जो अनुभव है वह पुत्र को पिता बनने पर ही आ सकता है।

### पिता संग महाकुंभ पहुंची मशहूर खिलाड़ी साइना नेहवाल

## यह दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक उत्सव: साइना

**महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** महाकुंभ 2025 के पावन अवसर पर देश-विदेश से श्रद्धालु संगम में स्नान के लिए उमड़ रहे हैं। इसी क्रम में भारत की स्टार शटलर और पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल भी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए बुधवार को अपने पिता के साथ महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है और वह खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें यहां आने का अवसर मिला।

साइना ने कहा, इस पवित्र आयोजन का हिस्सा बनकर विशेष अनुभव हो रहा है।

मैं उत्तर प्रदेश सरकार को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देती हूं। उम्मीद है कि ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आएंगे और इसे विश्वभर में प्रसिद्ध बनाएंगे। साइना ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि सभी लोग एकजुट हुए और दिखाया कि हम कितने मजबूत हैं।

मुझे गर्व है कि यह उत्सव हमारे देश में हो रहा है। साइना नेहवाल ने देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं और कहा कि आध्यात्मिक आयोजन हमें ऊर्जा और सकारात्मकता से भरते हैं। साइना नेहवाल ने देश के विकास के लिए प्रार्थना करते हुए कहा, मैं प्रार्थना करती हूं कि हमारा राष्ट्र और अधिक प्रगति करे और उन्नति के नए आयाम छूए।

### महाकुंभ आए वाल्मीकि संत भी हुए योगी के मुरीद

## महाकुंभ में साकार हो रहा एकता के महाकुंभ का योगी संकल्प

**फमहाकुंभनगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** महाकुंभ में सभी संप्रदायों की भागीदारी देखने को मिल रही है, जो सीएम योगी के एकता के महाकुंभ को साकार कर रहा है। इसी क्रम में संतों ने वाल्मीकि समाज से जुड़े संत भी इस भव्य महाकुंभ का श्रेय योगी सरकार को दे रहे हैं। खासतौर पर सीएम योगी के प्रयासों से प्रयागराज में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा स्थापित किए जाने से समाज के संत खुद को सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। अखिल भारतीय महर्षि वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने कहा है कि योगी हमारे गुरु भाई हैं। सर्व समाज के विकास के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। वाल्मीकि और रैदासी संत योगी के मुरीद हैं। उन्होंने योगी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि महाकुंभ की दिव्यता और भव्यता के लिए उत्तर प्रदेश सरकार का योगदान अतुलनीय है।

अखिल भारतीय महर्षि वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महामंडलेश्वर बाल योगी स्वामी प्रगट नाथ महाराज (पंजाब) के सानिध्य में महाकुंभ में विशेष यज्ञ और हवन कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें देश-विदेश से आए संतों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। स्वामी प्रगट नाथ महाराज ने बताया कि भगवान वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इटली, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी वाल्मीकि समाज की गहरी जड़ें हैं। इन देशों में भगवान वाल्मीकि के मंदिर स्थापित किए गए हैं। जहां नियमित रूप से रामायण पाठ, भजन-सत्संग और लंगर का आयोजन होता है।

स्वामी जी ने बताया कि इटली में पिछले 12 वर्षों से भगवान राम और वाल्मीकि रामायण पर गहन शोध कार्य चल रहा है। कई विदेशी विद्वान प्राचीन रामायण की पांडुलिपियों और भगवान राम के जीवन पर विस्तृत अध्ययन कर रहे हैं। विशेष रूप से इटली में रविदास समाज और वाल्मीकि समाज के लोग मिल-जुलकर भारतीय संस्कृति को जीवंत बनाए हुए हैं। महामंडलेश्वर ने वाल्मीकि समाज के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों को लेकर कहा कि इंग्लैंड में 1920 में वाल्मीकि ज्ञान आश्रम की स्थापना के बाद से ही समाज को जागरूक करने के कार्य निरंतर जारी हैं। कनाडा के टोरंटो में पिछले वर्ष एक नया वाल्मीकि मंदिर स्थापित किया गया है। इसके अलावा दुबई तथा कुवैत में भी ऐसे मंदिरों की स्थापना की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रयागराज, अयोध्या समेत कई जिलों में भगवान वाल्मीकि की मूर्ति स्थापना और अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट के लिए संतों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। स्वामी प्रगट नाथ महाराज ने कहा कि योगी ने न केवल भगवान राम के मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है बल्कि वंचित समाज के उत्थान के लिए भी अनेक सराहनीय कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वाल्मीकि समाज को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सरकार बेहतर काम कर रही है। इसके लिए अभी और अधिक प्रयास करने चाहिए, ताकि समाज के लोग मुख्यधारा में शामिल होकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

महाकुंभ के इस पावन अवसर पर महामंडलेश्वर ने कहा कि गंगा मैया तो सभी की माता हैं।

### जया बच्चन पर फूटा आचार्य प्रमोद का गुस्सा

## अमिताभ भी दुखी और अब सनातन भी दुखी

**लखनऊ, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** महाकुंभ में भगदड़ को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद अभिनेत्री जया बच्चन की संसद में बेजा टिप्पणी की जमकर आलोचना हो रही है। इस मामले में अब आचार्य प्रमोद कृष्णम का गुस्सा जया बच्चन पर फूटा है। उन्होंने जया बच्चन को खूब खरी-खरी सुनाई। जया बच्चन ने संसद में कहा था कि महाकुंभ भगदड़ के दौरान मारे गए लोगों के शव नदी में फेंके गए। इस पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जया बच्चन से अभी तक अमिताभ बच्चन दुखी थे और अब वे ऐसी हरकतें कर रही हैं कि उनसे पूरा सनातन दुखी हो जाए। प्रमोद कृष्णम ने कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि जया बच्चन को सद्बुद्धि प्राप्त हो और वे एक अच्छे सनातनी की तरह व्यवहार करें, न कि नास्तिक और मूढ़ वामपंथी की तरह।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान और पवित्र गंगा उन्हें सद्बुद्धि दें और धर्म में उनकी आस्था और गहरी हो। जिस तरह से वे एक अच्छी अभिनेत्री रही हैं, उसी तरह उन्हें सनातन धर्म की भी अच्छी सदस्य बनना चाहिए।

# एकता के महाकुंभ संकल्प का कबीरपंथी भी कर रहे समर्थन

### जीवन से दुर्व्यसन और बुराई का त्याग ही गंगा स्नान है: धर्मेंद्र दास

**महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)।** विश्व के सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक सम्मेलन महाकुंभ में भारत की सनातन आस्था से जुड़े हुए सभी मत, पंथ और संप्रदाय को मानने वाले प्रयाग में संगम तट पर एकत्रित होते हैं। जिनके ज्ञान, भक्ति और वैराग्य की त्रिवेणी में सत्संग कर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु जीवन के वास्तविक अमृत का पान करते हैं। ज्ञान, भक्ति और वैराग्य की इस त्रिवेणी में कबीर पंथ के पारख संस्थान के धर्मेंद्र दास जी संत कबीर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने महाकुंभ में आए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एकता के महाकुंभ के संकल्प का समर्थन करते हुए उनका कहना है समाज में समता, एकता और मानवता के मूल्यों को स्थापित करना ही संत कबीर के जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ और गंगा स्नान के बारे में बताते हुए धर्मेंद्र दास जी का कहना है कि संत कबीर ने स्वयं गंगा तट पर काशी में जीवन व्यतीत किया। वो गंगा स्नान को तन से अधिक मन को पवित्र करने वाला मानते थे। उन्होंने बताया कि कबीर साहब ने अपनी एक साखी में गंगा जल को सबसे पावन और निर्मल मानते हुए, मानव मन को गंगा जल के समान निर्मल बनाने को ही ईश्वर प्राप्ति का सच्चा मार्ग बताया। धर्मेंद्र दास जी ने बताया कि कबीर साहेब कहते हैं कि अगर मानव मन में जो बैर भाव, कलुष, राग-द्वेष भरा हो उसे दूर कर, मन को गंगा जल के समान पवित्र और निर्मल बना ले तो हरि यानि ईश्वर स्वयं उसकी परवाह करने लगता है। उन्होंने बताया कि कबीर साहेब ने ईश्वर प्राप्ति का सबसे सरल और सच्चा मार्ग बताया है मन को निर्मल करना क्योकि ईश्वर का वास हमारे मन में ही है जब वो मन राग, द्वेष से मुक्त होता है तो मानव को स्वंय ईश्वर का साक्षात्कार हो जाता है। अन्यथा बार-बार गंगा स्नान को लेकर कबीर दास तीखा प्रहार करते हुए कहते हैं कि नहाये धोये क्या हुआ, जो मन मैल न जाए। मीन सदा जल में रहे, धोये बास न जाए।

धर्मेंद्र दास जी बताते हैं कि कबीर साहेब पाखण्ड का विरोध करते हैं और मन की सच्चाई पर जोर देते हुए कहते हैं कि आप कितना भी नहा लीजिए, लेकिन अगर मन का मैल दूर नहीं हुआ तो एसे नहाने का कोई लाभ नहीं। जैसे मछली हमेशा पानी में रहती है लेकिन फिर भी वो साफ़ नहीं होती, मछली से उसकी दुर्गंध और बदबू नहीं जाती है। धर्मेंद्र दास जी ने कहा कि गंगा स्नान कर हमें अपने मन को निर्मल बनाना चाहिए। गंगा स्नान कर हम अपने जीवन से कम से कम कोई एक दुर्व्यसन या बुराई का त्याग करें तो यही वास्तविक मोक्ष की ओर हमें ले जाएगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान, वैराग्य और भक्ति की त्रिवेणी में निर्मल मन से स्नान करना ही मानव जीवन का वास्तविक मोक्ष है।

महाकुंभ या प्रयागराज में कबीर दास के आगमन के बारे में बताते हुए धर्मेंद्र दास जी ने बताया कि कबीर दास जी के महाकुंभ में सम्मिलित होने का कोई प्रसंग तो नहीं मिलता पर प्रयाग के झूंसी में उनके आने के बारे में कुछ जिक्र मिलता है। उन्होंने उस काल में झूंसी में कुछ मुस्लिम संतों के पीरों की कब्र या मजार की पूजा का विरोध किया था। कबीर साहब सभी धर्मों में व्याप्त आडम्बर और पाखण्ड का विरोध करते थे। धर्मेंद्र दास जी ने कहा कि कबीर साहेब सभी मानवों में प्रेम, सहिष्णुता, बंधुत्व और एकता की बात करते थे। वो मानव मानव में विभेद करने वाले सभी समाजिक विकारों जाति, पंथ, संप्रदायवाद का विरोध करते थे। उनका कहना था कि हमें अपना संपूर्ण जीवन मानवता के उत्थान के प्रति समर्पित कर देना चाहिए।

# भ्रष्टाचार के बिना पूरी पारदर्शिता से नौकरियां दे रही है त्रिपुरा सरकार : शाह

**नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि त्रिपुरा में पहले की सरकार के दौरान नौकरी उन्हीं लोगों को मिलती थी जो किसी विशेष राजनीतिक पार्टी के सदस्य हों। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के वर्तमान मुख्यमंत्री ने किसी भेदभाव, सिफारिश और भ्रष्टाचार के बिना और पारदर्शिता के साथ राज्य के 2807 युवाओं को आज सरकारी नौकरी देकर उनके जीवन में एक नई शुरूआत कर उन्हें राज्य के विकास के साथ जोड़ने का अवसर प्रदान किया है।

श्री शाह आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से त्रिपुरा सरकार में नौकरी के लिए 2800 से अधिक नियुक्ति पत्रों के वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि आज 2437 मल्टी टास्किंग स्टाफ़ और स्वास्थ्य विभाग के 370 पदों पर नियुक्ति के साथ ही इन

लोगों के जीवन में एक नई शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करते ही ये 2807 लोग आज से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित त्रिपुरा और विकसित भारत अभियान का हिस्सा बन गए हैं।

श्री अमित शाह ने कहा किप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज पूरा नॉर्थईस्ट विकास के रास्ते पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में केन्द्रीय मंत्रियों ने नॉर्थईस्ट का 700 से अधिक बार दौरा किया है और इस क्षेत्र के विकास के लिए कई सकारात्मक पहलें की गई हैं। श्री शाह ने कहा कि नॉर्थईस्ट को पहले उग्रवाद, घुसपैठ, ब्लॉकेड्स, ड्रग्स, हथियारों की तस्करी, भ्रष्टाचार औरजातीय तनाव के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज नॉर्थईस्ट को विकास, कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, निवेश और कृषि संबंधित गतिविधियों के विकास के लिए जाना जाता है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में त्रिपुरा में 3 समझौते कर राज्य में स्थायी शांति लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में ब्रू-रियांग जाति के भाइयों-बहनों को स्थायी निवास और शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरियां देकर उनके जीवन में नया बदलाव लाने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के सभी विद्रोही समूह सरेंडर कर मेनस्ट्रीम में आ चुके हैं। श्री शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा जी के नेतृत्व में आज त्रिपुरा भटकाव की जगह भागीदारी, रुकावट की जगह रफ्तार और विलंब की जगह वेलफेयर के रास्ते पर आगे बढ़ चुका है।

# रोजगार के लिए लीबिया गए 18 भारतीय स्वदेश लौटे

**नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

लीबिया के बेन्गाज़ी में रोजगार के लिए गए 18 भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास की मदद से आज स्वदेश लौट आए हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स'पर एक पोस्ट में जानकारी दी थी कि लीबिया में भारतीय दूतावास ने लीबिया के बेन्गाज़ी से 18 भारतीय नागरिकों की वापसी की सुविधा प्रदान की है और वे बुधवार को भारत पहुंचेंगे।

श्री जायसवाल ने कहा कि ये भारतीय लीबिया में रोजगार के लिए गए थे और कई हफ्तों से फंसे हुए थे। दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया और आवश्यक प्राधिकार और यात्रा दस्तावेज उपलब्ध कराने में भारतीय श्रमिकों की सहायता की।

उन्होंने कहा कि जबकि उनके मामले को देखा जा रहा था, दूतावास उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ लगातार संपर्क में रहा और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में उनकी सहायता की। इसी समूह के तीन अन्य भारतीय नागरिक दूतावास की सहायता से पिछले अक्टूबर में भारत लौटे थे।

भारतीय दूतावास ने लीबिया के अधिकारियों को उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

## मोदी ने आगा खान के निधन पर शोक जताया

**नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्माइली मुस्लिम समुदाय के धर्म-गुरु आगा खान चतुर्थ के निधन पर बुधवार को गहरा शोक व्यक्त किया और उनके अनुयायियों तथा प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

श्री मोदी ने अपने शोक संदेश में कहा है, महामहिम राजकुमार करीम आगा खान चतुर्थ के निधन से बहुत दुखी हूं। वे एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपना जीवन सेवा और आध्यात्मिकता के लिए समर्पित कर दिया। स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में उनके योगदान से कई लोगों को प्रेरणा मिलती रहेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा है, मैं उनके साथ अपनी बातचीत को हमेशा संजो कर रखूंगा। उनके परिवार और दुनिया भर में उनके लाखों अनुयायियों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ।

प्रधानमंत्री ने श्री खान के साथ अपनी मुलाकात के कुछ फोटो भी सोशल मीडिया पर सार्वजनिक किए हैं। धर्म गुरु का मंगलवार को लिस्बन (पुर्तगाल) में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। ब्रिटेन के सम्राट चार्ल्स तथा दुनिया के अन्य नेताओं ने भी उनके निधन पर शोक जताया है।

## हिमाचल के पर्यटन स्थलों में ताजा हिमपात, मौसम विभाग ने आंधी -तूफान की चेतावनी जारी की

**शिमला, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा हिमपात दर्ज किया गया, जबकि मौसम विभाग ने कुछ जिलों में आंधी और बिजली गिरने की आशंका व्यक्त करते हुए येलो अलर्ट जारी किया। शिमला, कुल्लू, किन्नौर, लाहौल और स्पीति तथा चंबा जिलों के कुछ स्थानों पर हिमपात हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, शिमला जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नारकंडा और कुफरी, चंबा के डलहौजी और कुल्लू जिले के मनाली और आसपास के इलाकों में हिमपात हुआ। मंडी जिले के सेराज, पराशर, शिकारी और कमरूनाग से भी हिमपात की खबरें मिलीं।

हिमपात से होटल व्यवसायियों को पर्यटकों की आमद बढ़ने की उम्मीद जगी। इससे लंबे समय से राज्य में सूखे की स्थिति को लेकर चिंतित बागवानों को भी राहत मिली। सेब की खेती के लिए बर्फ को फायदेमंद माना जाता है। हालाँकि, शुष्कता को पूरी तरह से रोकने के लिए हिमपात अपर्याप्त था। मौसम विभाग के अनुसार, कोठी में 33 सेमी, गोंदला में 11 सेमी, केलांग में 9 सेमी, कुकुमसेरी में 8.3 सेमी, भरमौर में 8 सेमी, मनाली में 7.4 सेमी, जोत में 6 सेमी, कल्पा में 5.1 सेमी और शिल्हारू तथा खद्राला में 5 सेमी हिमपात हुआ।

शिमला शहर में ओलावृष्टि हुई, जबकि आसपास के जुब्बड़हट्टी और कुफरी में क्रमशः 8.3 सेमी और 4 सेमी बर्फ गिरी। राज्य में सबसे अधिक वर्षा सलोनी में 44.3 मिमी दर्ज की गई। इसके बाद कसोल में 30 मिमी, करसोग में 24.3 मिमी, भुंतर में 21.4 मिमी, जोगिंद्रनगर में 19 मिमी, बंजार में 18.2 मिमी, शिमला में 16.2 मिमी और गोहर में 16 मिमी बारिश हुई। शिमला, जुब्बड़हट्टी, कांगड़ा, जोत, भुंतर, पालमपुर और सुंदरनगर में गरज के साथ वर्षा हुई।

बिलासपुर और मंडी में हल्का कोहरा दर्ज किया गया। ताजा बर्फबारी के कारण कई स्थानों पर सड़कें फिसलन भरी हो गई हैं और लाहौल एवं स्पीति पुलिस ने यात्रियों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने बुधवार को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा और सोलन के कुछ हिस्सों में आंधी और बिजली गिरने के लिए येलो चेतावनी जारी की। इसके अलावा, विभाग ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार को ऊना, बिलासपुर और मंडी के कुछ हिस्सों में घने कोहरे की चेतावनी दी। लाहौल और स्पीति के जनजातीय क्षेत्र में स्थित ताबो राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

## कोझिकोड में यात्री बस पलटी, 50 से अधिक लोग घायल

**कोझिकोड, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

केरल के कोझिकोड जिले के अरायिदथुपलम में मंगलवार शाम एक यात्री बस के पलट जाने से उसमें सवार 50 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायलों में से 42 को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि नौ को सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है। उसने कहा कि एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

यात्रियों के मुताबिक, बस एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारने डिवाइडर से टकराई और फिर सड़क पर पलट गई। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने घायलों को दुर्घटनाग्रस्त बस से निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

# मराठा आरक्षण को लेकर सरकार चिंतित, मनोज जरांगे को मुंबई आने की जरूरत नहीं : संजय निरुपम

**मुंबई, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

मराठा आरक्षण को लेकर शिवसेना नेता संजय निरुपम ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मनोज जरांगे पाटिल से अपील की है कि वे मुंबई न आएं और वहीं रहकर आंदोलन करें।

संजय निरुपम ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं मनोज जरांगे पाटिल से कहूंगा कि उन्हें अपनी चल रही लड़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और हमें यहां परेशान नहीं करना चाहिए। मुंबई में मराठों और गैर मराठों के बीच कोई विवाद नहीं है। जहां तक

मराठा युवाओं को आरक्षण देने की बात है तो यह एक वाजिब सवाल है और सरकार इसे लेकर चिंतित है।

उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में मराठा युवाओं को आरक्षण मिलेगा ताकि उन्हें बेहतर जीवन, बेहतर नौकरी के अवसर और शिक्षा मिल सके। मनोज जरांगे पाटिल ओबीसी कोटे से आरक्षण देने पर जोर देते रहते हैं। हम मराठा समाज के साथ खड़े रहेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें आरक्षण मिले।

मुझे उम्मीद है कि जल्द कोई ना कोई रास्ता निकलेगा और मराठा नौजवानों को आरक्षण का लाभ मिलेगा।

मराठा आरक्षण के लिए मनोज जरांगे पाटिल ने छह दिनों तक भूख हड़ताल की थी। भूख हड़ताल समाप्त करने के बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने लगीं। इसके बाद उन्हें छत्रपति संभाजीनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आज उन्हें छुट्टी दे दी गई। अस्प-ताल से छुट्टी मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए जरांगे पाटिल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की आलोचना की।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इरादे अच्छे नहीं हैं। वे मराठा समुदाय की समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मराठा आरक्षण को लेकर जल्द ही एक नया आंदोलन शुरू किया जाएगा।

## पुणे में 25 वाहनों में तोड़फोड़ तीन आरोपी गिरफ्तार

**पुणे, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

महाराष्ट्र के पुणे शहर में बुधवार तड़के तीन बाइक सवार आरोपियों ने सड़क किनारे खड़े 25 वाहनों में तोड़फोड़ की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने बिना किसी कारण के बिबवेवाडी इलाके में वाहनों को नुकसान पहुंचाया।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुणे पुलिस के पुलिस उपायुक्त (जोन 5) राजकुमार शिंदे ने कहा, बुधवार देर रात 1:40 बजे तीन बदमाशों ने बाइक पर आकर

सड़क किनारे खड़े ऑटो-रिक्शा, कार और दोपहिया वाहन समेत 25 वाहनोंको नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि वारदात के बाद आरोपी वेल्हे तहसील की ओर भाग गए, लेकिन कुछ घंटों के भीतर पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। मामले की जांच जारी है।

# साय की कड़क चाय का जायका अदरक वाली चाय ने जीता दिल

**रायगढ़ 05 फरवरी (वार्ता)**

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनावों की चुनावी गर्मी के बीच रायगढ़ में एक चाय की दुकान पर बुधवार को उस समय माहौल चाय की भाप से भी और गर्म हो गया, जब खुद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चाय बनायी।

यह कोई आम चाय नहीं थी, बल्कि अदरक वाली कड़क चाय, जिसे पीकर लोग बोले -वाह, सीएम साहब, आपकी चाय में भी दम है।

दरअसल श्री साय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महापौर प्रत्याशी जीवर्धन चौहान के

समर्थन में रायगढ़ पहुंचे थे। पूरे जोश के साथ पांच किलोमीटर लंबा रोड शो करने के बाद वह सीधे जीवर्धन चौहान की मिनीमाता चौक स्थित चाय दुकान पहुंचे।

उन्होंने चाय की दुकान पर खुद स्टोव जलाकर अदरक, इलायची और चाय पत्ती डालने लगे, तो वहां मौजूद लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गयी। किसी ने कैमरा ऑन किया, तो कोई वीडियो बनाने में जुट गया। चाय बनने के बाद मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों को खुद चाय सर्व की।उन्होंने कहा , चाय से ज्यादा मीठी जीवर्धन भाई की जुबान और उनका व्यवहार है।

उन्होंने कहा , एक साधारण कार्यकर्ता की मेहनत का सम्मान भाजपा में ही संभव है। जिस तरह चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी आज दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने, उसी तरह जीवर्धन भाई भी जनता के आशीर्वाद से रायगढ़ के महापौर बनेंगे।

# एनएचएआई के ठेकेदार ने दोबारा शुरू किया धर्मस्थल का निर्माण, ग्रामीणों ने किया जमकर बवाल

**पटना , 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

सुपौल के सदर प्रखंड अंतर्गत बलहा पंचायत स्थित नुनुपट्टी गांव में बुधवार को ग्रामीणों ने एनएचएआई के विरुद्ध जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान नुनुपट्टी चौक को करीब पांच घंटे तक जाम रखा गया। हालांकि बाद में सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार के हस्तक्षेप के बाद हंगामा शांत हुआ।

इससे पूर्व 14 जनवरी को भी ग्रामीण पुरानी जमीन के ही हिस्से में धर्मस्थल निर्माण के विरोध में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया था। बुधवार को प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मनमाने तरीके से धर्मस्थल की पुरानी जमीन के ही दूसरे हिस्से में निर्माण किया जा रहा है। जबकि चार लोगों द्वारा धर्मस्थल के लिए बीच आबादी वाले इलाके में 6 कट्ठा 10 धुर जमीन दी गई है। विक्रेताओं ने जमीन की कीमत भी धर्मस्थल निर्माण के लिए दान की है। ग्रामीणों का कहना था कि धर्मस्थल की अधिकांश जमीन एनएच में चली गई है। यहां तीन कट्ठा जमीन में धर्मस्थल निर्मित थी, जो आबादी के हिसाब से पहले से ही छोटी पड़ रही थी। एनएच निर्माण के बाद यहां महज 14 धुर जमीन बची है, जहां धर्मस्थल निर्माण से कोई लाभ नहीं है।

नए स्थल पर धर्मस्थल के निर्माण से इसे भव्य रूप दिया जा सकेगा और नमाजियों को भी सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने दावा किया कि धर्मस्थल निर्माण के लिए स्थानीय स्तर पर एक कमेटी का भी गठन किया गया है। अगर प्रशासन या एनएचएआई वहां धर्मस्थल करा पाने में सक्षम नहीं है तो राशि उस कमेटी को दे दी जाए, जो निर्माण के लिए गठित की गई है। हालांकि सदर एसडीएम ने स्पष्ट किया कि राशि किसी कमेटी को देने का प्रावधान नहीं है। उन्होंने गुरुवार को ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल को सदर डीसीएलआर के कार्यालय में बैठक कर निर्माण हेतु सहमति बनाने की बात कही। आपको बता दें कि इससे पूर्व 14 जनवरी को ग्रामीण पुराने स्थल पर ही गुपचुप तरीके से धर्मस्थल निर्माण कराने के विरोध में सड़क पर उतरे थे।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में मुस्लिम समुदाय की बड़ी तादाद है। पुराने धर्मस्थल का अहाता भी जुम्मे की नमाज के लिए छोटा पड़ जाता था।वही रमजान के महीने भी मुश्किल होती थी। अब और छोटी धर्मस्थल के निर्माण से लोगों की परेशानी और भी अधिक बढ़ जाएगी। वही दुर्घटना की आशंका भी बनी रहेगी। ग्रामीणों ने तमाम समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ही धर्मस्थल का निर्माण कराने की मांग की।

बुधवार की सुबह 8 बजे से ही स्थानीय लोगों ने नुनुपट्टी चौक को जाम कर दिया और बीच चौराहे पर धरना प्रदर्शन करने लगे। इस बीच सूचना पर सदर डीसीएलआर अली एकराम भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने के प्रयास में जुट गए। लेकिन प्रदर्शनकारी मानने को तैयार नहीं थे। बाद में सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार, एसडीप-ीओ आलोक कुमार, थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार भी मौके पर पहुंचे। एसडीएम और एसडीपीओ द्वारा करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद हंगामा शांत कराया गया। इस बीच स्थानीय राहगीरों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई लोग रूट बदल कर आवागमन करते दिखे।

इधर, हंगामा शांत होने के बाद सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार ने दावा किया कि गुरुवार को ग्रामीणों के साथ बैठक कर विवाद का निपटारा कर लिया जाएगा। ग्रामीण धर्मस्थल के स्थल परिवर्तन की मांग कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने 14 जनवरी को हुए विरोध प्रदर्शन को सिरे से खारिज किया। कहा कि आज से पहले कोई प्रदर्शन नहीं हुआ है।

### सरस्वती पूजा के दौरान भीषण हादसा

## डीजे गाड़ी की चपेट में आने से महिला की मौत, 15 बच्चे घायल

**पूर्णिया, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

पूर्णिया में सरस्वती पूजा के विसर्जन दौरान एक भीषण दुर्घटना हुई। अनियंत्रित डेजी गाड़ी के चढ़ने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। घटना के अनुसार, विसर्जन के दौरान खड़ी डेजी गाड़ी को एक बच्चे ने ही चाबी घुमा दिया, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर लोगों पर चढ़ गई। घटनास्थल पर ही एक महिला की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जहां एक महिला और तीन बच्चे की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना बुधवार करीब एक बजे जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महराजपुर रमना टोली में घटी है। मृतक की पहचान स्वर्ग शहीद अंसारी के जैहरुन निशा (50) के रूप में की गई। घायलों में पूनम देवी 28, अरशद 09, तबरेज अंसारी 07, तोहिद अंसारी 05, नजमा, हजरत अंसारी 10, रेशमा खातून 10 सहित अन्य शामिल हैं। घटना के संबंध में स्थानीय महेश सिंह ने कहा कि गांव में सरस्वती पूजा को लेकर प्रतिमा (मूर्ति) स्थापित की गई थी। बुधवार को दिन शुभ होने के कारण सभी लोग प्रतिमा विसर्जन का तैयारी कर रहे थे। वहीं विसर्जन के दौरान डीजे गाड़ी रोड के किनारे खड़ी थी। गाड़ी में चाबी लगी हुई थी इसी दौरान एक बच्चा डीजे गाड़ी पर बैठ कर चालू कर दिया। जब तब चालक कुछ देख पाते थे तब तक में डीजे गाड़ी दो दर्जन लोगों को अपना शिकार बना लिया। जिससे घटनास्थल पर ही एक महिला की मौत हो गई। वहीं इस घटना में एक महिला सहित डेढ़ दर्जन लोग बच्चे घायल हो गए।

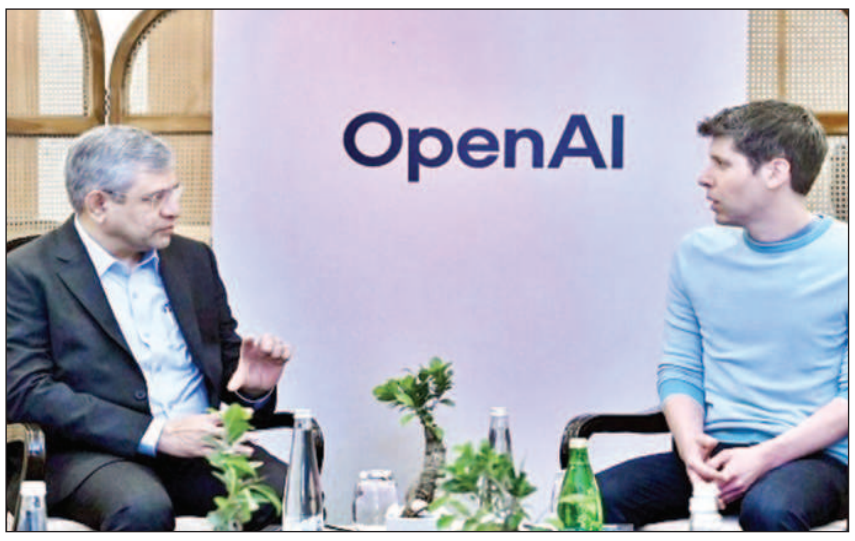


# भारत एआई और ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार : ऑल्टमैन

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

**भारत कृत्रिम मेधा (एआई) और ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने बुधवार को यहां केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही।**

भारत की यात्रा पर आए ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत सामान्य रूप से एआई के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, विशेष रूप से 'ओपन' एआई के लिए यह हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत को अपने पूर्ण मॉडल के साथ एआई क्रांति के अगुआ देशों में शामिल होना चाहिए।

अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान सैम ऑल्टमैन ने कहा कि देश में पिछले साल ओपनएआई के उपयोगकर्ताओं की संख्या तीन गुना बढ़ी है। उन्होंने स्टैक, चिप्स, मॉडल और ''अविश्वसनीय अनुप्रयोगों'' के सभी स्तरों पर एआई के निर्माण में भारत के प्रयासों की जोरदार सराहना की। उन्होंने भारत को एआई के क्षेत्र में पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। इस अवसर पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमें प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। सैम ने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की सराहना की है। वैष्णव ने इस बातचीत के दौरान कहा कि नवाचार दुनिया में कहीं भी हो सकता है तो ''यह भारत में क्यों नहीं होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि ऑल्टमैन की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब ओपनएआई और एआई के प्रभुत्व को अचानक चीनी कंपनी डीपसीक द्वारा चुनौती मिल रही है। डीपसीक अपने कम लागत वाले एआई मॉडल आर1 के साथ लोगों का का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है, जिसे 60 लाख अमेरिकी डॉलर से भी कम लागत में बनाया गया है। डीपसीक, चैटजीपीटी को पीछे छोड़ते हुए एप्पल के ऐप स्टोर पर शीर्ष रैंक वाला मुफ्त ऐप भी बन गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### नया इनकम टैक्स कानून करदाताओं की जिंदगी आसाना बनाएगा : अग्रवाल

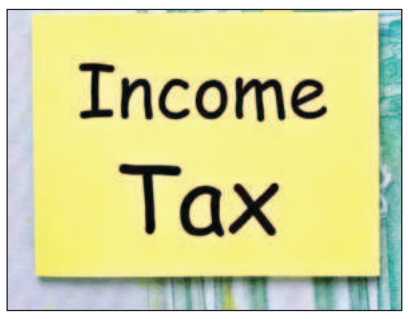


**नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में नया इनकम टैक्स कानून लाने की बात कही थी। इस घोषणा के बाद से ही टैक्सपेयर्स के बीच यह कयास शुरू हुआ है कि आखिर नया इनकम टैक्स कानून कैसा होगा और इसका उन पर क्या असर होगा। टैक्सपेयर्स की दुविधा और शंका को शांत कर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने बताया कि नया इनकम टैक्स कानून प्रत्यक्ष कर को काफी आसान करेगा और करदाता की जिंदगी भी आसान होगी। रिपोर्ट के अनुसार सीबीडीटी चेयरमैन ने बताया कि यह बहुत संतोष की बात है कि इस बार बजट को इतनी सकारात्मकता से लिया गया है और इतना ही नहीं हमारे करोड़ करदाता खुश हैं। टैक्स में दिया गया पूरा लाभ करीब 1 लाख करोड़ रुपये का है और इस साल का बजट लक्ष्य 22.37 लाख करोड़ रुपये है, तब यह कुल करों का 5 प्रतिशत बनता है। लोगों के हाथ में यह 1 लाख करोड़ रुपये होने का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव दिखेगा। व्यापार विकसित होगा। सीबीडीटी चेयरमैन अग्रवाल के मुताबिक, टैक्स छूट के रूप में हमारी ओर से दिया गया पैसा वापस लौटेगा। यह कंपनियों के माध्यम से आएगा, यह व्यापार आय के माध्यम से आएगा, यह वेतन के माध्यम से भी आ सकता है, क्योंकि अगर कंपनियां बढ़ती हैं, तब वेतन भी बढ़ेगा। इस 1 लाख करोड़ रुपये की राहत का सकारात्मक प्रभाव देश की इकानामी पर दिखाई देगा। हम इस साल 15 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं, क्योंकि इस राहत के कारण बजट लक्ष्य 12.46 प्रतिशत रखा गया है।

### दालों में आत्मनिर्भर बनेगा भारत 2029 तक आयात खत्म करने के लिए 1 हजार करोड़ होंगे खर्च

**नई दिल्ली।** भारत को दालों की आपूर्ती के लिए किसी देश की तरफ नहीं देखना पड़ेगा। 2029 तक दालों के मामले में भारत आत्म निर्भर हो जाएगा। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक हजार करोड़ का प्रावधान किया है। निर्मला सीतारमण ने कहा, हमारी सरकार अब दलहन में आत्मनिर्भरता के लिए छह साल का मिशन शुरू करेगी। जिसमें तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की दाल की पैदावार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत मुख्य रूप से कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, म्यांमार, मोजाम्बिक, तंजानिया, सूडान और मलावी से दालों का आयात करता है। इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य यह है कि साल 2029 तक देश में दालों की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर भारत की निर्भरता को खत्म करना है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में इस योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

### अब एटीएम से बार-बार कैश निकालने वालों को देनी होगी ज्यादा फीस

**नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) एटीएम से कैश निकालने वाले लोगों के लिए बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। अब एटीएम से कैश निकालना महंगा हो सकता है क्योंकि आरबीआई एटीएम इंटरचेंज फीस और मुफ्त निकासी की सीमा के बाद लगने वाले चार्ज बढ़ाने पर विचार कर रहा है। रिजर्व बैंक मौजूदा समय में महीने में 5 कैश विथड्रावल फ्री देता था लेकिन अब आरबीआई इन 5 लेनदेन की लिमिट से ज्यादा पर लगने वाले चार्ज और एटीएम इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की प्लानिंग कर रहा है। एक रिपोर्ट में जानकारी रखने वाले लोगों का हवाला देते हुए बताया गया कि एनपीसीआई ने पांच बार फ्री लिमिट पूरी होने के बाद कैश निकालने के चार्ज को मौजूदा चार्ज 21 रुपए से बढ़ाकर 22 रुपए करने की सिफारिश की है। इसके अलावा एनपीसीआई ने कैश लेनदेन के लिए एटीएम इंटरचेंज फीस को 17 रुपए से बढ़ाकर 19 रुपए करने की भी सिफारिश की गई है। इंटरचेंज फीस दूसरे बैंक के एटीएम से एक लिमिट के बाद पैसे निकालने पर लगाई जाती है यानी कि यह एटीएम सर्विस इस्तेमाल करने के बदले एक बैंक की तरफ से दूसरे बैंक को दी जाने वाली फीस है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### हिंदू एक...

संगठनों और कुछ जाति-आधारित संगठनों को 4 फरवरी को थिरुपरनकुंद्रम हिल पर इकट्ठा होने से रोकने के लिए अपने पिटारे में मौजूद हर चाल और हथकंडे का का इस्तेमाल किया। लेकिन कोई हथकंडा काम नहीं आया। थिरुपरनकुंद्रम स्थित पहाड़ी भगवान मुरुगन के छह निवासों में से एक है। इस पवित्र पहाड़ी को अपवित्र करने की इस्लामिक हरकतें प्रतिबंधत आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े एसडीपीआई और अन्य कट्टरपंथी संगठनों द्वारा पहाड़ी के ऊपर बकरा और मुर्गा काटने और सिकंदर की फर्जी दरगाह पर बिरयानी पकाने और नमाज अदा करने की घोषणा की गई थी। इसके बाद धृष्टता और दुष्टता की हद तब हुई जब रामनाथपुरम के मुस्लिम लीग सांसद नवाज कानी ने पवित्र पहाड़ी के ऊपर बिरयानी खाई। डीएमके और उसके सहयोगी जिनमें वीसीके, वामपंथी दल, एमडीएमके, अभिनेता विजय की टीवीके, सीमन की एनटीके और एआईएडीएमके शामिल हैं, सबने निर्लज्जतापूर्वक कट्टरपंथी मुस्लिम समूहों का समर्थन किया और कहा कि उन्हें दरगाह पर बकरा काटने, मांस पकाने और नमाज अदा करने की अनुमति दी जानी चाहिए।हिंदू मुन्नानी ने इसे हिंदुओं से पहाड़ी को छीनने का षडयंत्र करार दिया। ऐसा ही मुगल आक्रमणकारियों ने किया था। पहाड़ी पर प्रसिद्ध और पूजनीय भगवान मुरुगन मंदिर के अलावा एक दर्जन हिंदू मंदिर हैं। जवाबी कार्रवाई के तौर पर, हिंदू मुन्नानी ने 4 फरवरी को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की और इसके लिए बाकायदा पुलिस से अनुमति मांगी। उच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद पुलिस अधिकारियों ने आखिरी समय तक फाइलों को लंबित रखा और मामले को टालने की कोशिश की। पुलिस ने फिर दो दिनों के लिए शहर में धारा 144 भी लगा दी। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि मदुरै में प्रवेश करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निजी वाहन मालिकों को धमकी दी गई कि अगर वे विरोध प्रदर्शन के लिए लोगों को मदुरै ले जाते हुए पाए गए तो उनके वाहन जब्त कर लिए जाएंगे और परमिट रद्द कर दिया जाएगा। हिंदू मुन्नानी, भाजपा और अन्य संगठन के पदाधिकारियों को नजरबंद कर दिया गया या उन्हें हिरासत में ले लिया गया।इन सारी प्रताड़नाओं और घेरेबंदियों के बावजूद अडिग हिंदू मुन्नानी ने द्रविड़ मॉडल डीएमके सरकार के ऐसे कठोर उपायों को नाकाम कर दिया। हिंदू मुन्नानी ने ऐलान किया कि वे अपने घोषित कार्यक्रम से पीछे नहीं हटेंगे और चाहे कुछ भी हो अपनी योजना पर आगे बढ़ेंगे। पुलिस की कार्रवाई का मुकाबला करने के लिए संगठन ने अपने कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार की बसों और ट्रेनों का उपयोग करने की सलाह दी ताकि यात्रा के बीच में या मदुरै के पास रोके जाने से बचा जा सके। डीएमके-नियंत्रित पुलिस ने भगवान मुरुगन के दर्शन के लिए कावड़, बेल और अन्य अनुष्ठान सामग्री ले जा रहे भक्तों को बड़ी तादाद में गिरफ्तार किया। उन्हें थिरुपरनकुंद्रम जाने की अनुमति नहीं दी गई और उन्हें उनके संबंधित शहरों में ही रोक दिया गया। जवाब में, हिंदू मुन्नानी और भाजपा ने थिरुपरनकुंद्रम मंदिर बचाओ के बैनर तले मदुरै को छोड़कर सभी जिला मुख्यालयों और महत्वपूर्ण शहरों में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की।विवाद तब और बढ़ गया जब पूर्व सीएम अन्नादुरई की पुण्यतिथि मनाने के लिए मदुरै में धारा 144 के बावजूद डीएमके को जुलूस निकालने की अनुमति दी गई। हिंदू मुन्नानी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और सवाल किया कि डीएमके के जुलूस को अनुमति क्यों दी गई जबकि उनके धार्मिक आयोजन को अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने जोर देकर कहा कि मंदिर में जाना और भगवान मुरुगन के दर्शन करना उनका मौलिक अधिकार है। यह पहली बार नहीं है जब हिंदुओं ने पहाड़ी पर स्थित मंदिर पर अधिकार का दावा किया है, यह संघर्ष 1923 से चल रहा है। कई कानूनी मामले लंबित हैं और कुछ मामलों में अदालतों ने हिंदुओं के दावों को बरकरार रखा है और पुष्टि की है कि मंदिर मुरुगन भक्तों का है। यहां तक कि तमिलनाडु के आधिकारिक पर्यटन साहित्य में भी कहा गया है कि सिकंदर दरगाह मदुरै शहर के गोरीपलायम में है।जैसा कि अनुमान था, उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने विरोध प्रदर्शन की अनुमति दे दी और पुलिस को निर्देश दिया कि शहर भर में हिरासत में लिए गए सभी लोगों को रिहा किया जाए ताकि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन में भाग ले सकें। इस आदेश से लैस होकर, लाखों हिंदू अपने मंदिर को पुनः प्राप्त करने और इस्लामीकरण के प्रयास को रोकने के लिए एकजुट हुए। प्रदर्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। लोगों ने कहा, यह तस्वीरें हिंदू मुन्नानी की एकता का जीवंत और ज्वलंत प्रमाण हैं। पझंगनाथम में पूरा विरोध स्थल भक्तों के समुद्र में बदल गया, जो वेत्री वेल वीरा वेल और कंदनुक्कु अरोहरा का नारा लगा रहे थे। पूरा क्षेत्र इन नारों से गूंजायमान था।हिंदू मुन्नानी के पदाधिकारी राजेश ने कहा, डीएमके सरकार ने मुस्लिम लीग के सांसद नवाज कानी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जिन्होंने पहाड़ी के ऊपर बिरयानी खाई थी। न ही डीएमके विधायक के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई, जिन्होंने दावा किया कि यह वक्फ की सम्पत्ति है। पुलिस ने हिंदुओं को अनुमति देने से इन्कार करते हुए और धारा 144 लगा दी। इस तरह के कठोर उपायों को कब तक लागू किया जा सकता है? जल्द ही, मुरुगन भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण त्यौहार थाई पूसम मनाया जाएगा। क्या वे तब भी भक्तों को रोकेंगे? यह सही समय है कि सरकार निर्णायक रूप से कार्रवाई करे और मंदिर पर हिंदुओं के अधिकारों का दावा करे।

वरिष्ठ भाजपा नेता एच. राजा ने विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने वाले उच्च न्यायालय के आदेश की सराहना की। उन्होंने कहा कि अदालत ने न केवल हिंदू मुन्नानी के विशाल धार्मिक प्रदर्शन की अनुमति दी है, बल्कि गिरफ्तार किए गए या निवारक हिरासत में रखे गए सभी लोगों को रिहा करने का भी आदेश दिया है। भाजपा तमिलनाडु ने भगवान मुरुगन के छह पवित्र निवासों में से एक थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर कब्जा करने के प्रयासों की कड़ी निंदा की और हिंदू भक्तों के प्रति अपने अटूट समर्थन को दोहराया। पार्टी ने कहा कि पहाड़ी पर कब्जा करने की कोशिश करने वालों के लिए किसी भी तरह का उत्पीड़न या समर्थन सफल नहीं होगा, क्योंकि अंतिम जीत हिंदुओं की ही होगी। भाजपा नेता ने कहा कि भक्तों की भावना अपनी पवित्र विरासत की रक्षा के संकल्प में अडिग है।

### गाजा...

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि गाजा के पुनर्निर्माण में अगर अमेरिकी सेना की जरूरत पड़ी तो वे सेना को भी गाजा में तैनात करने पर विचार कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा, अगर यह जरूरी हुआ तो हम ऐसा करेंगे। वहीं इज़राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी ट्रंप की इस योजना का समर्थन किया और इस पर खुशी जाहिर की। नेतन्याहू ने कहा, हम चाहते हैं कि गाजा भविष्य में अब कभी भी इज़राइल के लिए खतरा न बने, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप इसे एक नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। ट्रंप का विचार अलग है और इससे गाजा का भविष्य बदल जाएगा। इस विचार पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो इससे इतिहास बदल सकता है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक और अहम बात कही। उन्होंने सुझाव दिया कि गाजा से विस्थापित हुए फलस्तीनियों को युद्धग्रस्त गाजा के बाहर स्थायी तौर पर बसाया जाना चाहिए। ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं लगता कि लोगों को गाजा में वापस जाना चाहिए। आप अभी गाजा में नहीं रह सकते। हमें दूसरी जगह तलाशने की जरूरत है और यह ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां लोग खुशी से रह सकें। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि बीते एक दशक से देखें तो गाजा में सिर्फ लोगों की जान गई है। यह वर्षों से हो रहा है। अगर हम लोगों को किसी अच्छी जगह फिर से बसा सकें और उन्हें अच्छे घर दे सकें तो इससे लोग भी खुश होंगे और फिर किसी की जान नहीं जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल गाजा पट्टी पर मिलकर काम करेंगे। दोनों देश गाजा पट्टी के भविष्य के लिए जिम्मेदार होंगे। सभी खतरनाक गैर-विस्फोटित बमों और अन्य हथियारों को नष्ट किया जाएगा। जमीन को समतल कर नई इमारतों का निर्माण कराया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि वह दीर्घकालिक स्वामित्व की स्थिति महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में बहुत लोगों से बातचीत की है। सबका विचार है कि गाजा में संयुक्त राज्य अमेरिका का नियंत्रण होनी चाहिए। वहां रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। नए गाजा के विकास में फिलिस्तीनी शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने कहा कि वह गाजा में शेष बंधकों को मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप के प्रस्ताव की तारीफ की। उन्होंने कहा, लगता है राष्ट्रपति ट्रंप ने इस प्रयास में बड़ी ताकत और शक्तिशाली नेतृत्व को जोड़ा है। संघर्ष विराम और बंधक रिहाई समझौते पर हस्ताक्षर करने के अपने सभी प्रयासों के लिए ट्रंप को अभी भी तीन चरण की योजना के शेष दो चरणों की देखरेख करने की आवश्यकता होगी। नेतन्याहू के वाशिंगटन आने से पहले ट्रंप ने ईरान के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए एक निर्देश पर हस्ताक्षर किए हैं। नेतन्याहू रविवार देर रात राष्ट्रपति ट्रंप के अतिथि निवास ब्लेयर हाउस पहुंचे। उनके अमेरिका में सप्ताह के अंत तक रुकने की उम्मीद है।

### अमेरिकी सेना के...

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग हैं। इनमें 33 गुजरात के हैं, 30 पंजाब के हैं जबकि दो-दो निर्वासित उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ से हैं और तीन लोग महाराष्ट्र से हैं। अमेरिका से डिपोर्ट कर लाए गए भारतीयों को मेक्सिको-अमेरिकी सीमा से पकड़ा गया था। ये भारत से वैध तरीके से रवाना हुए थे लेकिन इन्होंने डंकी रूट के जरिए अमेरिका में घुसने की कोशिश की थी।पंजाब पुलिस ने एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी है। पंजाब सरकार ने लोगों को उनके राज्य में वापस पहुंचाने के लिए मिनी बसों का इंतजाम किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बैठक में यह फैसला लिया गया कि निर्वासितों की सहायता के लिए एयरपोर्ट पर काउंटर लगाए जाएंगे। राज्य पुलिस लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है और निर्वासितों के पिछले आपराधिक रिकॉर्ड को मौके पर ही खंगाला जा रहा है। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका से भेजे गए 30 पंजाबियों में से अधिकतर गुरदासपुर, अमृतसर और तरनतारन सहित माझा क्षेत्र से हैं। जबकि कुछ लोग जालंधर, नवांशहर, पटियाला, मोहाली और संगरूर से हैं।

पंजाब के एसोसिएशन ऑफ कंसल्टेंट्स फॉर ओवरसीज स्टडीज के कार्यकारी सदस्य नितिन चावला ने कहा, पहले कनाडा ने भारतीयों को निर्वासित किया था और अब अमेरिका ऐसा कर रहा है। उन्होंने 20,000 से ज्यादा लोगों की सूची बताई है। चावला ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम उनका घर वापसी पर स्वागत कर रहे हैं लेकिन यह आत्म-निरीक्षण का विषय है। जो लोग वापस आ रहे हैं, उनसे उन लोगों के बारे में पूछा जाना चाहिए जिन्होंने उन्हें अवैध रूप से भेजा था ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा जो लोग गए थे वे भी जानबूझकर अवैध तरीकों से जा रहे थे इसलिए विक्टिम कार्ड खेलना भी सही नहीं है। इस अवैध इमिग्रेशन के पीछे माफिया का पता लगाने के लिए जांच की जानी चाहिए। चूंकि ट्रैवल एजेंटों के पास हमेशा लाइसेंस होता है और वे हमेशा कानूनी तरीके अपनाते हैं। जो लोग डंकी रूट या अन्य अवैध तरीकों से लोगों को भेजने के लिए पैसे कमाते हैं, वे कभी रजिस्टर्ड ट्रैवल एजेंट नहीं होते। वे कुछ दिनों के बाद अपने फोन नंबर बदल देते हैं।

अमेरिका से डिपोर्ट होकर भारत लौटे 104 लोगों को लेकर अमेरिकी सेना का विमान आज दोपहर अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचा। अमृतसर में विमान उतारने की कई वजहें रही हैं। मुख्य कारण यह रहा कि अमेरिका से डिपोर्ट हुए भारतीय नागरिकों में पंजाब और हरियाणा के लोग ज्यादा थे। इसके अलावा दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमान को इस वजह से भी नहीं उतारा गया क्योंकि बुधवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो रहा था। एक यह वजह भी है कि दिल्ली में इस मसले को ज्यादा हवा मिल सकती थी।

### एग्जिट पोल्स ...

पी-मार्क पोलिंग एजेंसी के आंकड़ों की मानें तो भाजपा आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार कर सकती है। पार्टी यहां 39-49 सीटें पा सकती है। दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी को 21 से 31 सीटें मिलती दिख रही हैं। कांग्रेस को इसमें 0-1 सीट मिल सकती है।

वी-प्रीसाइड पहला एग्जिट पोल है, जिसमें आम आदमी पार्टी की सरकार बचती दिख रही है। वी प्रीसाइड ने आम आदमी पार्टी को 46-52 सीटें दी हैं। वहीं, भाजपा को 18-23 सीट जीतते हुए दिखाया गया है। इस एग्जिट पोल में भी कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा माइंड ब्रिक ने आम आदमी पार्टी को 44-49 सीट के अनुमान के साथ सरकार बचती हुई दिखाया है। भाजपा को 21-25 सीट और कांग्रेस को 0-1 सीट का अनुमान लगाया गया है। डीवी रिसर्च ने भाजपा के 36-44 सीट जीतकर सरकार में आने की संभावना जताई है। इस एग्जिट पोल में आप को 26-34 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। वहीं कांग्रेस का खाता नहीं खुलने का अनुमान है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए 699 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां आज यानी 5 फरवरी 2025 को सभी सीटों पर एक ही चरण में मतदान कराया गया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के संदीप दीक्षित और भाजपा के प्रवेश वर्मा भी इसी सीट से उम्मीदवार हैं। दूसरी तरफ मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना पिछली बार की तरह ही इस बार भी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ रही हैं। इसी सीट पर भाजपा से उन्हें रमेश बिधूड़ी टक्कर दे रहे हैं।

### कोयला लेवी ...

के समक्ष तीन अभियोजन शिकायतें दर्ज की हैं, जिसने दायर शिकायतों का संज्ञान लिया है। एजेंसी द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है।

ईडी ने अक्टूबर 2022 में मामले की जांच शुरू की थी और करोड़ों (540 करोड़ रुपए) के कोयला लेवी घोटाले का पर्दाफाश करने का दावा किया था, जिसमें वरिष्ठ नौकरशाहों, कोयला कारोबारियों, राजनेताओं और बिचौलियों के एक गिरोह द्वारा राज्य में परिवहन किए जाने वाले प्रत्येक टन कोयले पर 25 रुपए की अवैध उगाही की गई थी। ईडी ने आरोप लगाया कि कोयला ट्रांसपोर्टरों के लिए जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) को लागू करने के लिए किए गए संशोधनों ने मुख्य सरगना सूर्यकांत तिवारी को जबरन वसूली के रैकेट को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रेरित किया, जिसके तहत ट्रांसपोर्टरों और कोयला कारोबारियों को उक्त प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए 25 रुपए प्रति मीट्रिक टन की जबरन वसूली तय की गई थी।

ईडी की जांच के आधार पर आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पिछले साल जनवरी में इस मामले में सौम्या चौरसिया, आईएएस रानू साहू, समीर विश्नोई, सूर्यकांत तिवारी, पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता अमरजीत भगत, कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक चंद्रिका प्रसाद राय और अन्य सहित 35 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

### भारत सरकार ने ...

इटली और ऑस्ट्रेलिया ने भी चाइनीज एआई टूल डीपसीक को बैन किया है।

सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाने की वजह है, डेटा लीक का खतरा। चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे एआई मॉडल उपयोगकर्ता द्वारा डाले गए डेटा को बाहरी सर्वरों पर प्रोसेस करते हैं। इसका मतलब है कि यदि सरकारी कर्मचारी गोपनीय जानकारी इन टूल्स में दर्ज करते हैं, तो वह डेटा संग्रहीत, एक्सेस या दुरुपयोग हो सकता है। सरकारी विभागों में वित्तीय डेटा, नीतिगत मसौदे और आंतरिक संचार जैसे संवेदनशील डेटा होते हैं। यदि यह डेटा लीक होता है, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक नीति के लिए गंभीर खतरा हो सकता है।

एआई मॉडल पर सरकारी नियंत्रण की कमी है। सरकारी कार्यालयों में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक सॉफ्टवेयर के विपरीत, एआई टूल्स क्लाउड-आधारित होते हैं और निजी कंपनियों के स्वामित्व में होते हैं। उदाहरण के लिए, चैटजीपीटी का स्वामित्व ओपेनएआई के पास है, और सरकार के पास यह नियंत्रित करने का कोई तरीका नहीं है कि ये टूल्स जानकारी को कैसे संग्रहीत या प्रोसेस करते हैं। यह विदेशी हस्तक्षेप और साइबर हमलों के लिए एक संभावित खतरा बन सकता है।

भारत सरकार डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीटीपी) अधिनियम-2023 जैसे कड़े डेटा सुरक्षा कानूनों पर काम कर रही है। यदि सरकारी कर्मचारियों को बिना स्पष्ट नियमों के एआई टूल्स का उपयोग करने की अनुमति दी जाती है, तो इससे डेटा सुरक्षा नीतियों का उल्लंघन हो सकता है और सरकारी सिस्टम को साइबर हमलों के प्रति असुरक्षित बना सकता है।

### प्रधानमंत्री मोदी...

सुविधाओं के विषय में सीएम योगी से जानकारी भी ली। बोट से भ्रमण के दौरान पीएम मोदी ने त्रिवेणी संगम में मौजूद श्रद्धालुओं का भी अभिवादन स्वीकार किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब त्रिवेणी संगम पहुंचे तब आम श्रद्धालु भी संगम स्नान कर रहे थे। पीएम मोदी के आगमन के बावजूद लोगों को स्नान करने से रोका नहीं गया था। वीवीआईपी मूवमेंट के बाद भी कहीं कोई गतिरोध उत्पन्न नहीं हुआ और एक तरह से पीएम मोदी और अन्य श्रद्धालुओं ने एक साथ ही त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। इससे श्रद्धालु भी प्रसन्न नजर आए और संगम तट पर लाखों लोगों की मौजूदगी में हर हर गंगे और मोदी-मोदी के जयकारे गुंजायमान होते रहे। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से प्रारंभ हुए महाकुंभ में अब तक वीवीआईपी मूवमेंट के बावजूद श्रद्धालुओं को संगम स्नान में कहीं कोई दिक्कत नहीं आ रही है। इसी का नतीजा है कि मात्र 24 दिनों में अब तक 39 करोड़ श्रद्धालु संगम में पावन डुबकी लगा चुके हैं।

इससे पूर्व पीएम मोदी ने महाकुंभ की शुरुआत से एक माह पूर्व 13 दिसंबर को प्रयागराज का दौरा किया था और 5500 करोड़ रुपए की 167 परियोजनाओं की सौगात दी थी। इसमें यात्री सुविधाओं के लिए रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन और डेवलपमेंट के साथ-साथ आरओबी फ्लाईओवर, सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण की प्रमुख परियोजनाएं सम्मिलित थीं।

### सऊदी अरब ने...

उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आज फलस्तीनियों की गंभीर मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए काम करना चाहिए। फलस्तीनी अपनी जमीन के लिए प्रतिबद्ध हैं और इससे पीछे नहीं हटेंगे। हमारा अलग फलस्तीनी राज्य को लेकर रुख किसी बातचीत के अधीन नहीं है। हालांकि सऊदी अरब सुरक्षा समझौते और अन्य शर्तों के बदले इज़राइल को राजनयिक मान्यता देने को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है।दूसरी तरफ, हमास ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। हमास ने कहा कि गाजा में नरसंहार और विस्थापन के अपराध के लिए इज़राइल जिम्मेदार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप उसे दंडित करने के बजाय पुरस्कृत कर रहे हैं। हम ट्रंप के उन बयानों को खारिज करते हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि गाजा पट्टी के निवासियों के पास छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हम उन्हें क्षेत्र में अराजकता और तनाव पैदा करने की वजह मानते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
# म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 06 फरवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महिन्द्रा हिल्स में द्वितीय वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित श्याम भजन संध्या में रवि बेरीवाल (कोलकाता), निहारिका पुरोहित (नागपुर) और प्रतीक दाहिमा (हैदराबाद) ने अपनी मधुर वाणी में भजन प्रस्तुत कर भक्तों का मन मोह लिया एवं भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर उपस्थित राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, मोंडा मार्केट पार्षद के. दीपिका ने कार्यक्रम में पधार कर भजन संध्या की शोभा बढाई एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में श्री पहाड़ी श्याम मंदिर चेयरमैन अरुण डाकोतिया, विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, अक्षय डाकोतिया, बृजेश मोदी, राहुल अग्रवाल, रूपेश सिंघानिया, कमल अग्रवाल, संदीप गोयंका, नागेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, अमित भंडारी, विकास अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल एवं सैकड़ों की उपस्थित संख्या भक्तगण।

# यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला सम्पन्न

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय सिकंदराबाद द्वारा एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विशेष रूप से अधिकारियों के लिए आयोजित की गयी, जिसमें कुल 30 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र प्रमुख श्री बी. भास्कर, उप क्षेत्र प्रमुख श्री नवीन निश्चल एवं उप क्षेत्र प्रमुख श्री एम सोमसुंदरम द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

क्षेत्र प्रमुख एवं उप क्षेत्र प्रमुखों ने सभी का उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में अंचल कार्यालय, हैदराबाद के राजभाषा प्रभारी श्री देवकान्त पवार शामिल हुए जिन्होंने प्रतिभागियों से राजभाषा हिन्दी के महत्व एवं उनसे जुड़ी नीति-नियमों पर विस्तार से चर्चा की। आगे के सत्रों में बैंकिंग शब्दावली, तिमाही प्रगति रिपोर्ट, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, शाखाओं में राजभाषा कार्यान्वयन, हिन्दी पत्राचार पर विस्तार से चर्चा की गयी। राजभाषा नीति-नियमों पर प्रश्नोत्तरी रखी गयी, जिसमें 5 उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री स्नेहा साव, सहायक प्रबंधक राभा ने किया। कार्यपालकों एवं कर्मचारियों के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम सफल रहा।

# नराकास राजन्ना सिरसिल्ला की अर्धवार्षिक बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, राजन्ना सिरसिल्ला की अर्धवार्षिक बैठक नराकास अध्यक्ष टी एन मल्लिकार्जुन राव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) से अनिर्बान कुमार विश्वास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और नराकास की छमाही प्रगति रिपोर्ट सभी कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यालयों को राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3), राजभाषा नियम 1976 के नियम 5,11,और 12 का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इसके साथ साथ उन्होंने अनुवाद टूल कंठस्थ के प्रयोग का भी उल्लेख किया। केंद्रीयत विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती एन शेषा प्रसाद, भारतीय जीवन बीमा निगम के मुख्य प्रबंधक ए जयकिशन और यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के मुख्य प्रबंधक प्रेम कुमार दासारी ने अपने-अपने राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी अनुभव एवं सुझाव व्यक्त किए। इस बैठक में कुल 11 कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख के साथ कुल 17 लोग उपस्थिति रहें।

आज की बैठक में यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के तत्वावधान में विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित राजभाषा एवं सामान्य ज्ञान के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

# *हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी गठित*

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की बुधवार को काचीगुडा स्थित कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें परामर्शदाता महेश अग्रवाल, भक्त राम एवं प्रेमचंद मुणोत के पर्वेक्षण में संस्था के चुनाव संपन्न हुए। जिसमें जी. नरहरि को अध्यक्ष, भारत भट्ट एवं आकाश तलवार को उपाध्यक्ष, कृष्णा कुमार गुप्ता को महामंत्री, अनिल कौशिक को सहमंत्री एवं रिद्धिश जागीरदार को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इस अवसर पर नव नियुक्त अध्यक्ष जी. नरहरि एवं महामंत्री कृष्णा कुमार गुप्ता ने कहा कि उनकी प्राथमिकता दक्षिण भारत में हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए काम करना ि साथ ही हिंदी भाषा के विकास के लिए हर संभव प्रयास करने का आशवासन दिया।

# *बीईएल में हिंदी कार्यशाला का आयोजन*

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** औद्योगिक परिसर, नाचारम, हैदराबाद में स्थित रक्षा मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में, 05 फरवरी को पूर्ण दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। हिंदी में दैनिक काम काज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला का नगर स्थित हिंदी शिक्षण योजना कार्यालय के सहायक निदेशक (से.नि.) श्री कमालुद्दीन द्वारा संचालन किया गया । इस कार्यशाला में लगभग 50 कर्मचारी उपस्थित हुए और हिंदी से जुड़े अनेक नए पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम, राजभाषा कार्यान्वयन वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्य, हिंदी व्याकरण एवं भाषा संबंधी अनेक संदेह की पुष्टि करते हुए कार्यक्रम में उप-स्थित सभी कर्मचारी इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए। राजभाषा टीम, बीईएल, ने सभी को कार्यक्रम में भाग लेने पर सराहना व्यक्त की और हिंदी के प्रगामी प्रगति में सभी का दायित्व एवं सहयोग की अपेक्षा जताई।

# ट्रांसफर या इस्तीफा... तिरुपति मंदिर में काम कर रहे 18 गैर हिंदू कर्मचारियों पर गिरी गाज

**तिरुपति , 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तिरुमला के तिरुपति श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में काम कर रहे सभी गैर हिंदू कर्मचारियों को हटाने का फरमान जारी किया गया है। इन कर्मचारियों को रिटायरमेंट या तबादला में से एक चुनने को कहा गया है। तिरुमला के तिरुपति देवस्थानम ने अपने कर्मचारियों को हिंदू परंपराओं का पालन करने के आदेश दिए थे। ये कर्मचारी उस नियम का पालन नहीं कर रहे थे। तिरुपति देवस्थानम बोर्ड के अध्यक्ष बीआर नायडू के नेतृत्व में पहले ही नियम लागू किया गया था कि मंदिर में सिर्फ हिंदू कर्मचारी ही काम कर सकते हैं।

जांच में पाया गया कि 18 कर्मचारी गैर हिंदू परंपराओं का पालन कर रहे हैं। इसकी वजह से इनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। टीटीडी के आदेशों के तहत इन कर्मचारियों को टीटीडी के मंदिरों और संबद्ध विभागों से हटा दिया जाएगा। साथ ही इन कर्मचारियों को किसी भी हिंदू आयोजन या कार्यों में भाग लेने पर बैन लगाया जाएगा।

टीटीडी ने अपने कर्मचारियों को हिदायत दी है कि तिरुपति मंदिर हिंदू आस्था और पवित्रता का प्रतीक बना रहे, इसलिए हिंदू परंपराओं का पालन किया जाए। यह कदम मंदिर की धार्मिक पवित्रता को बरकरार रखने के लिए उठाया गया है।

अब इन कर्मचारियों को सरकारी विभागों में समायोजित किया जाएगा या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के जरिए निकाला जाएगा। बोर्ड ने कहा कि इन कर्मचारियों को गैर हिंदू धार्मिक गतिविधियों में भाग लेना हिंदू भक्तों की भावनाओं और विश्वास को प्रभावित कर सकता है।

टीटीडी ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वे भगवान वेंकटेश्वर की तस्वीर या मूर्ति के सामने शपथ लें कि हिंदू धर्म की मर्यादाओं का पालन करेंगे। इस फैसले को किसी धार्मिक असमंजस या विवाद के रूप में न देखा जाए। टीटीडी ने दो कर्मचारियों को नियुक्त किया है। इनको यह सुनिश्चित करना है कि ये 18 कर्मचारी मंदिर से जुड़े किसी धार्मिक कार्यक्रम में भाग न लें।

केबआर पार्क में स्थित भगवान गणेश की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, माया अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, मल्लिका, गोपाल बलदेवा, प्रवीण अग्रवाल, संतोष बाई अग्रवाल, विजया कुमार अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, विनोद तिकमनी, डॉ. राधा कृष्ण, विजय कुमार तुंबी, विट्ठल दास अग्रवाल, महेश कुमार डाकोतिया, अशोक सरायवाला, अजय अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला आदि उपस्थित थे।

# सीतक्का ने गांधी भवन में लिया फेस टू फेस कार्यक्रम में हिस्सा

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना की पंचायती राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया सीतक्का ने बुधवार को हैदराबाद में कांग्रेस के राज्य मुख्यालय गांधी भवन में आयोजित फेस टू फेस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

सुश्री सीतक्का ने इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए जोर दिया कि गांव स्तर पर आवेदन प्राप्त करने के अलावा मंत्री सीधे गांधी भवन में भी आवेदन स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फेस टू फेस कार्यक्रम में शामिल होने का यह उनका दूसरा मौका है।

उन्होंने कहा, इससे पहले किसी भी पार्टी के पास ऐसी व्यवस्था नहीं थी। जन-केंद्रित सरकार के हिस्से के रूप में, कांग्रेस सरकार सप्ताह में दो बार प्रजावाणी कार्यक्रम आयोजित करती है। सीतक्का ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जनता द्वारा उठाए गए कई मुद्दे भूमि विवाद और सामाजिक सरोकारों से संबंधित थे। उन्होंने कहा, गलत नामों पर भूमि पंजीकरण किए जाने की कई शिकायतें हैं। कई किसान ऋण माफी के लिए भी आवेदन कर रहे हैं, जो केसीआर के कार्यकाल के दौरान अनसुलझे रह गए थे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद 21,000 करोड़ के ऋण माफ किए गए। हालांकि, 2016 में ऋण लेने वाले लाखों किसानों को केसीआर के प्रशासन के दौरान छूट नहीं मिली। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में लोग घरों और राशन कार्ड से वंचित

थे, यही वजह है कि अब इंदिराम्मा घरों और नए राशन कार्डों की काफी मांग है। जाति जनगणना को संबोधित करते हुए सीथक्का ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पिछले अवैज्ञानिक सर्वेक्षणों के विपरीत वैज्ञानिक तरीके से जाति सर्वेक्षण किया है। उन्होंने पिछली टीआरएस (अब बीआरएस) सरकार की आलोचना की और उस पर जाति जनगणना की अनदेखी करते हुए अपने हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि टीआरएस सरकार ने बीसी नेताओं को अवसर दिए बिना 20 साल तक एक ही सामाजिक समूह के पास सत्ता रखी। उन्होंने कहा, टीआरएस के भीतर राजनीतिक रूप से विकसित हुए कई बीसी नेताओं को अपमानित किया गया और पार्टी से निकाल दिया गया।

कुछ नेताओं के विरोध का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, कुछ लोग जाति व्यवस्था और उसके वर्गीकरण को विकृत करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे लोगों की खुशी बर्दाश्त नहीं कर सकते। कांग्रेस सरकार ने 30 साल पुराने एससी वर्गीकरण गतिरोध को तोड़ा है और सही वितरण सुनिश्चित किया है।

सीताक्का ने कहा कि कांग्रेस सरकार जाति जनगणना के आंकड़ों के आधार पर कल्याणकारी योजनाओं को लागू करेगी, जो सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

## तेलंगाना सरकार दे रही है आदिवासी कल्याण को प्राथमिकता : मंत्री

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना पंचायती राज, ग्रामीण विकास, महिला और बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया सीथक्का ने कहा है कि राज्य सरकार आदिवासी कल्याण पर विशेष ध्यान दे रही है।

बुधवार को मसाब टैंक में दामोदर संजीवैया कल्याण भवन में अनुसूचित जनजाति (एसटी) विधायकों के साथ समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए, सीतक्का ने आदिवासी कल्याण पहलों को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने पिछले दस वर्षों में आदिवासियों के विकास और कल्याण की उपेक्षा की। यह गरीबों और कमजोर एकीकृत आदिवासी विकास एजेंसियों (आईटीडीए) के सामने आने वाले मुद्दों को हल करने में विफल रही। इंदिरा जलप्रभा जैसी योजनाएं पानी के आवंटन की कमी के कारण प्रभावित हुईं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। एसटी विधायकों की बैठक के दौरान उठाए गए मुद्दों को मुख्यमंत्री को सूचित किया जाएगा, जो कल (गुरुवार) एसटी विधायकों के साथ एक विशेष बैठक करने वाले हैं। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि संत सेवालाल जयंती समारोह के लिए 2 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 15 फरवरी को प्रत्येक आदिवासी स्कूल और थांडा में मनाया जाएगा।

# हाइड्रा ने सड़कों पर अतिक्रमण हटाया 1200 वर्ग गज जमीन मुक्त कराई

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सार्वजनिक पहुंच बहाल करने और अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और निगरानी एजेंसी हाइड्रा ने बुधवार को मलकाजगिरी में कई सड़कों पर बनाए गए बैरिकेड्स और दीवारों को ध्वस्त करने के लिए त्वरित कार्रवाई की। इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि अवरुद्ध रास्ते, विशेष रूप से आवासीय क्षेत्रों में, स्थानीय लोगों के लिए सुगम परिवहन की अनुमति देने के लिए साफ किए जाएं।निवासियों द्वारा आवासीय क्षेत्रों की ओर जाने वाले मुख्य मार्गों को अवरुद्ध करने वाले बैरिकेड्स के बारे में कई शिकायतें दर्ज की गई थीं। कुछ कॉलोनियों द्वारा बैरिकेड्स लगाए गए थे, जो स्थानीय पड़ोस के मार्गों को प्रभावी रूप से अवरुद्ध कर रहे थे। जवाब में, हाइड्रा ने इन अवैध संरचनाओं को हटाने और सार्वजनिक सड़क पहुंच को बहाल करने के लिए शहर के कई हिस्सों में अभियान चलाया।

ऑपरेशन के लिए लक्षित क्षेत्रों में मेडचल-मलकजगिरी जिले में कपरा नगर पालिका शामिल थी, जहाँ एनआरआई कॉलोनी के निवासियों ने सार्वजनिक सड़कों पर बैरिकेड्स बनाए थे। हाइड्रा ने इन बैरिकेड्स को हटा दिया, जिससे चार कॉलोनियों में पहुँच आसान हो गई: सीनियर सिटीजन कॉलोनी, शांति विला, लक्ष्मी विला और गौरीनाथपुर। परिणामस्वरूप, स्थानीय निवासी अब बिना किसी बाधा के आवागमन कर सकते हैं।

सीनियर सिटीजन कॉलोनी के निवासियों ने एक उल्लेखनीय बदलाव की सूचना दी, जिन्हें पहले बैरिकेड्स के कारण 3 किलोमीटर अतिरिक्त यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता था। अब, वे केवल 100 मीटर की दूरी पर मुख्य सड़क तक पहुँच सकते हैं, जिससे यात्रा का समय काफी कम हो गया है।बैरिकेड्स हटाने के बाद, कापरा नगर पालिका के स्थानीय अधिकारियों ने भविष्य के लिए उचित बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में नई सड़कें बनाने का वादा किया है। एक अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई में, हाइड्रा ने मलकाजगिरी सर्कल क्षेत्राधिकार में स्थित डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया। 1200 वर्ग गज भूमि पर स्थानीय एसोसिएशन के नेताओं ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा था, जिन्होंने भूखंडों को अलग-अलग पार्सल के रूप में बेच दिया था। सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए बनाई गई भूमि के दुरुपयोग के बारे में निवासियों की कई शिकायतों के बाद अतिक्रमण का पता चला। हाइड्रा ने स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर जांच की और पाया कि कुछ भूखंड निजी व्यक्तियों को बेचे गए थे जबकि अन्य पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा था। भूमि को पुनः प्राप्त किया गया और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की संपत्ति के हिस्से के रूप में चिह्नित किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध रहे।

## एलबी नगर में दीवार गिरने से तीन लोगों की मौत

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हैदराबाद के एलबी नगर में बुधवार को एक निर्माण स्थल पर एक दुखद घटना घटी, जब एक दीवार अप्रत्याशित रूप से ढह गई, जिसके परिणामस्वरूप तीन श्रमिकों की मौत हो गई। मलबे में फंसे श्रमिकों को बचाने के प्रयासों के बावजूद उनकी मौत हो गई।यह दुर्घटना उस समय हुई जब मजदूर इमारत के तहखाने में खुदाई का काम कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, दीवार अचानक ढह गई, जिससे मलबा मजदूरों पर गिर गया। दुखद बात यह है कि मलबे के नीचे तीन मजदूर दब गए और बाद में उनकी मौत की पुष्टि हुई। दुर्घटना में एक अन्य मजदूर घायल हो गया।एलबी नगर पुलिस ने पुष्टि की है कि पीड़ित बिहार के मजदूर थे। अधिकारी सभी पीड़ितों की पहचान करने और उनके परिवारों को सूचित करने की प्रक्रिया में हैं। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

इमारत ढहने की सूचना मिलने पर, एलबी नगर पुलिस, स्थानीय अग्निशमन और बचाव दल के साथ, बचाव प्रयासों में सहायता करने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुँची। टीमों ने पहुँचने के कुछ ही समय बाद मलबे के नीचे से एक शव को निकालने में कामयाबी हासिल की, और उसके तुरंत बाद अन्य दो शव बरामद किए गए। घायल कर्मचारी को भी बचा लिया गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि तहखाने की खुदाई स्थल के आसपास की धरती की अस्थिरता के कारण यह दीवार गिरी होगी।

जांचकर्ता अधिक विवरण इकट्ठा करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए साइट की जांच कर रहे हैं।स्थानीय अधिकारियों ने इस दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि निर्माण स्थलों पर बेहतर सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने और ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

## नेरेडमेट डिफेंस कॉलोनी में हाइड्रा का हस्तक्षेप अवैध?

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

डिफेंस कॉलोनी सोसाइटी के तत्वावधान में पीड़ितों परिवारों ने हाइड्रा अधिकारियों से सवाल किया है कि हाइड्रा उन जमीनों में हस्तक्षेप क्यों कर रहा है, जहां उसके कानूनी नहीं अधिकार हैं। हाइड्रा को जहां सरकारी जमीनों, तालाबों और पार्कों की रक्षा करनी है, निजी जमीनों पर अतिक्रमण क्यों कर रहा है ? पीड़ितों ने चिंता व्यक्त की कि नरेड़ मेट डिवीजन के अंतर्गत डिफेंस कॉलोनी में कुछ प्लॉटों के मामले में हाइड्रा अधिकारियों की जल्दबाजी आश्चर्यजनक है, और सोसायटी की जमीनों में हाइड्रा का कोई काम नहीं है। अगर प्लॉटों (जमीनों) को लेकर सोसायटी में कोई गड़बड़ी हुई है, तो वे कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

बुधवार को पीड़ितों ने पुरानी सोसायटी कमेटी के सदस्यों के साथ डिफेंस कॉलोनी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित सोसायटी सचिव नागेश्वर राव ने कहा कि सोसायटी के नियमों के विपरीत कुछ जमीनों पर कब्जा कर लिया गया है और उसे दो लाख में अन्य लोगों को व्यावसायिक तौर पर किराए पर दे दिया है। उन्होंने 20 सोसायटी सदस्यों के हस्ताक्षरों के साथ नगर निगम अधिकारियों से शिकायत की है। यदि इसके बाद भी अधिकारी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते हैं तो वे न्यायालय में जाकर कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। पीड़ित, स्थानीय कॉलोनी निवासी और पुरानी सोसायटी समिति के सदस्य हाइड्रा के निजी भूमि से संबंध को लेकर अधिकारियों से सवाल उठा रहे हैं।

पुरानी कमेटी के सदस्य इस विवाद में नवनिर्वाचित सोसायटी कमेटी की भूमिका पर संदेह व्यक्त कर रहे हैं। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि पुरानी समिति के कार्यकाल में कोई समस्या नहीं थी और नई समिति हाइड्रा को अनावश्यक शिकायतें करके उन्हें परेशान कर रही है। वे चाहते हैं कि अधिकारी वर्तमान सोसायटी सचिव नागेश्वर राव के खिलाफ कार्रवाई करें, जिन्होंने सोसायटी के नियमों का उल्लंघन करते हुए कुछ जमीन पर कब्जा कर लिया और इसे अन्य लोगों को व्यावसायिक रूप से किराए पर दे दिया। पीड़ितों ने इन घटनाक्रमों पर गहरा असंतोष व्यक्त किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

बसंत पंचमी के अवसर पर आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेन्स हॉल में आयोजन कार्यक्रम के दौरान कवयित्री सत्य वीणा का सम्मान करते हुए समाज सेवी अमृत कुमार जैन। साथ में हैं एस. रवि कुमार, एम. रामबाबू एवं अन्य।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME & DOB**

I, Service No.9104371H, Rank HAV SHABIR AHMAD LONE S/o. MOHD MAQBOOL LONE, presently residing at 12 Jakli, C/o. 56APO, Mehdipatnam, Hyderabad-500028, Telangana State, do hereby state that but, in my service records my Daughter's name was wrongly mentioned as SIMRAN JHAN instead of MUNAZA SHABIR, and My Daughter Date of birth is Also Changed From 05-03-2009 to 11-10-2011.

**CHANGE OF NAME**

I, Service No. 2605166P Sepoy K KASHINATH, R/o.57-266, Dattatreya Nagar, Quthbullapur, MedchalMalkajgiri Dist, Telangana-500054 that my Son name is changed from K NIKIL NATH to KALUKUNTI NIKHIL NATH vide affidavit dt:5-2-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 87,370/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 98,340/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

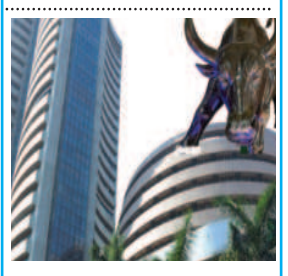

बीएसई : 78,271.28
-312.53 -0.40% ↓
एनएसई :23,696.30
-42.95 (-0.18%) ↓

# सूर्य नगर पार्क ने 8वें गार्डन फेस्टिवल में लगातार तीसरे वर्ष गोल्ड गार्डन अवार्ड जीता

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

शेखपेट स्थित सूर्य नगर पार्क ने 8वें गार्डन फेस्टिवल 2025 में लगातार तीसरी बार प्रतिष्ठित गोल्ड गार्डन अवार्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक सहभागिता में शीर्ष दावेदार के रूप में पार्क की स्थिति को मजबूत करती है।यह पुरस्कार हैदराबाद के पब्लिक गार्डन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया, जिसमें पार्क के मुख्य संरक्षक आसिफ सोहेल ने तेलंगाना के बागवानी निदेशक, आईएएस एस. यास्मीन बाशा से यह सम्मान प्राप्त किया।

सूर्य नगर पार्क अब सिर्फ़ मनोरंजन की जगह नहीं रह गया है - यह पर्यावरण की ज़िम्मेदारी का प्रतीक और समुदाय के लिए एक अभयारण्य बन गया है। पार्क में खूबसूरत लैंडस्केप वाले बगीचे, एक ओपन-एयर जिम और अच्छी तरह से बनाए गए वॉकिंग ट्रैक हैं, जो रोज़ाना सैकड़ों आगंतुकों को आकर्षित करते हैं। परिवार, फ़िटनेस के शौकीन और वरिष्ठ नागरिक पार्क के शांतिपूर्ण माहौल और ताज़ी हवा का आनंद लेने के लिए अक्सर आते हैं।इसके अतिरिक्त, पार्क में कई दुर्लभ औषधीय पौधे हैं जो क्षेत्र के स्वच्छ, स्वस्थ पर्यावरण में योगदान करते हैं, जिससे शेखपेट के लिए एक महत्वपूर्ण हरित फेफड़े के रूप में इसकी भूमिका और मजबूत होती है।सूर्य नगर पार्क की सफलता का श्रेय मुख्य रूप से आसिफ सोहेल के अथक प्रयासों को जाता है, जिन्होंने इसके बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बागवानी के प्रति उनका जुनून और पौधों की देखभाल का गहन ज्ञान पार्क की सुंदरता और पारिस्थितिकी अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण रहा है।अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद, सोहेल पार्क के रख-रखाव में सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि हर पौधे की पूरी तरह से देखभाल की जाए। उन्होंने अपनी समर्पित टीम- फजल सिद्दीकी, मुनीर, जुबैर और पार्क के माली को उनके अमूल्य योगदान के लिए श्रेय दिया।अपनी हरियाली के अलावा, सूर्य नगर पार्क सामाजिक जागरूकता पहलों के लिए एक केंद्रीय बिंदु के रूप में उभरा है। सकीना फाउंडेशन के सहयोग से नशीली दवाओं के दुरुपयोग, दहेज जागरूकता और अपराध की रोकथाम जैसे महत्व-पूर्ण मुद्दों पर विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

पार्क में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय समारोहों का भी आयोजन किया जाता है, जहां महिलाएं, बच्चे और वरिष्ठ नागरिक एक साथ आते हैं, जिससे समुदाय में एकता और अपनेपन की भावना बढ़ती है।लगातार तीन वर्षों तक गोल्ड गार्डन पुरस्कार जीतना सूर्य नगर कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन और स्थानीय समुदाय के सामूहिक प्रयासों को दर्शाता है। आसिफ सोहेल ने यह पुरस्कार सूर्य नगर के निवासियों को समर्पित किया और उनके अटूट समर्थन के लिए खैरताबाद जोनल कमिश्नर, जीएचएमसी, बागवानी विभाग और अन्य नागरिक अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।सूर्य नगर पार्क इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे समर्पण, टीमवर्क और नागरिक जिम्मेदारी एक साधारण हरित क्षेत्र को एक समृद्ध पर्यावरणीय और सामाजिक स्थल में परिवर्तित कर सकती है।

DAILY शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र
में
दुःखद समाचार जैसे
स्वर्गवास, उठावना,
पगड़ी रस्म, श्रद्धांजलि,
पुण्यतिथि का विज्ञापन
अब मात्र रु.500/- में
साईज : 12 X10 cm
विज्ञापन एवं अधिक जानकारी के लिए
सम्पर्क करें
77991 44471, 8688868345

# नारी शक्ति खेलों के माध्यम से भी भारत की अलग पहचान बना रही है : प्रिया अग्रवाल

**मुरादाबाद, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

**उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ व ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के तत्वाधान में आयोजित अंडर-15 खेलो इंडिया विमेंस फुटबॉल लीग 2024-25 का आयोजन बुधवार को हुआ। प्रतियोगिता का शुभारम्भ भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने किया।**

प्रिया अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से नारी शक्ति दुनिया में भारत की अलग पहचान बना रही है।

इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि डीपीजीएस के निदेशक विंग कमाण्डर मंसूर सिद्दीक़ी, विशिष्ट अतिथि मेक गैस्ट्रो सर्जरी के डॉ. मुहम्मद रियाज़, ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन संभल के सचिव सैयद मुहम्मद शारिक़, ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन अमरोहा के उपाध्यक्ष महताब आलम साहब, बहमन पब्लिक स्कूल सिरसी की निदेशक ताहिरा उज़्ज़मा, प्रधानाचार्य शोभित रस्तोगी, लिटिल एंजेल्स कान्वेंट स्कूल के निदेशक मुसर्रत हफ़ीज़, सरसय्यद अकेडमी की अध्यक्ष आबिदा बेगम मौजूद रहीं।

प्रतियोगिता का संचालन करते हुए एसोसिएशन के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता मे 6 टीमें प्रीतिभाग कर रहीं हैं। डीपीजीएस, एपीएस, जेडएफए, सरसैयद वेलफेयर सोसाइटी, मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज, बहमन पब्लिक स्कूल की टीमें शामिल रहीं।

पहला मैच डीपीजीएस व एपीएस के मध्य खेला गया। इसमें पहला गोल जेडएफए ने व दूसरा गोल आयेशा ने कर अपनी टीम को 2-0 से जिताया।

दूसरा जेडएफए व मेथोडीस्ट के मध्य खेला गया जिसमे पहला गोल जेडएफए की ओर से अलीना दूसरा गोल निक्की ने किया। तीसरा गोल फलक ने किया, मेथोडिस्ट की और से एक मात्र गोल एश्वर्या ने किया। जेडएफए ने ये मैच 3-1 से जीता, आजका तीसरा और आख़री मैच सरसैयद अकादमी व बहमन पब्लिक स्कूल के मध्य खेला गया जिसमे बहमन ने सरसैयद पर आसान जीत दर्ज कर मैच 4-0 से जीता।

## न्यूज ब्रीफ

### करण मिश्रा ने की धुआंधार बल्लेबाजी इंडियन क्रिकेट क्लब ने जीता मैच

**लखनऊ।** अंडर-25 करीम चिश्ती मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में इंडियन क्रिकेट क्लब ने लखनऊ हर्टज क्लब को 177 रन से हराकर बढ़त बना ली। इस मैच में इंडियन क्रिकेट क्लब के करण मिश्रा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 104 बाल खेलकर 166 रन बनाये। इंडियन क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट गवांकर 394 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आकर्ष गुप्ता 25 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं करण मिश्रा ने धुआंधार बल्लेबाजी की। उन्होंने 104 बाल खेलकर 21 चौका और नौ छक्का की मदद से 104 बाल पर 166 रन बनाये। आशीष तिवारी ने 12 चौका, पांच छक्का की मदद से 64 बाल पर 96 रन का योगदान दिया। जय वर्धन ने 36 रन बनाये। वहीं लखनऊ हर्टज क्लब की पूरी टीम 217 रन बनाकर आउट हो गयी और इंडियन क्रिकेट ने मैच को 177 रन से जीत लिया। लखनऊ हर्टज के सलामी बल्लेबाज कृष्णमित 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं मो. फैज ने अपनी टीम में सर्वाधिक 46 रन बनाया, जबकि ऋषभ ने 43 रन का योगदान दिया ।

### छत्तीसगढ़ में छह फरवरी से शुरु होगा लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बलिदानी वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की मेजबानी में लीजेंड 90 लीग टूर्नामेंट का आगाज 6 फरवरी को होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट 18 फरवरी तक चलेगा। वहीं आज बुधवार को 6 टीमों के 60 से अधिक खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। आईपीएल की तर्ज पर दर्शकों को ओपनिंग सेरेमनी देखने को मिलेगी, जिसमें तमन्ना भाटिया, आयुष्मान खुराना और हार्डी संधू धमाकेदार परफॉर्मेंस करेंगे। लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग में देश-विदेश के दिग्गज क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। आज बुधवार 6 फरवरी से पहले इन टीमों के दिग्गज खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण होगा। इस लीग में शामिल टीमों के नाम, उनके कप्तान और स्टार खिलाड़ी पहले ही चर्चा में आ चुके हैं, और सभी की नजरें इस रोमांचक टूर्नामेंट पर टिकी हुई हैं। वहींलीजेंड 90 लीग के लिए पिच को तैयार किया गया है। मैदान के चारों और लाइट सिस्टम लगाया जा रहा है। लीग टूर्नामेंट से पहले व्यवस्था को बेहतर कर लिया गया है। दर्शकों के बैठने के लिए कई हजार नई सीटें लगाई गई है। लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी बेहद खास होगी। इस आयोजन में फिल्म और संगीत जगत के मशहूर सितारे अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस देंगे। बॉलीवुड के स्टार अभिनेता आयुष्मान खुराना, खूबसूरत अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और पंजाबी सिंगर हार्डी संधू इस भव्य आयोजन में परफॉर्म करेंगे।

### टी20 क्रिकेट में दुनिया के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बने राशिद खान

**नई दिल्ली।** अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान टी20 क्रिकेट में दुनिया के अग्रणी विकेट लेने वाले

गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि मंगलवार रात एसए 20 में एमआई केप टाउन की ओर से खेलते हुए पर्ल रॉयल्स के खिलाफ हासिल की। उन्होंने डुनिथ वेललेज को क्लीन बोल्ड किया और इतिहास में अपना नाम दर्ज करवा लिया। राशिद ने ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया, जिनके सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त होने पर इस प्रारूप में 631 विकेट थे। अब राशिद के नाम टी 20 क्रिकेट में 632 विकेट दर्ज हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर सुनील नरेन (574), चौथे पर इमरान ताहिर (531), पांचवें पर शाकिब अल हसन (492) और छठे पर आंद्रे रसल (466) हैं। राशिद ने मैच के बाद एक टेलीविजन साक्षात्कार में कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है। अगर आपने मुझसे 10 साल पहले पूछा होता तो मैंने कभी नहीं सोचा होता कि मैं ऐसा कर सकता हूं। जब आप अफगानिस्तान से हों तो तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना गर्व की बात है। शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि राशिद ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और द हंड्रेड सहित ब्रावो की तुलना (ब्रावो ने 30, राशिद ने 18) दो-तिहाई से भी कम टीमों के लिए खेला। मंगलवार को एसए 20 क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस की केपटाउन टीम के लिए खेलते हुए और कप्तानी करते हुए राशिद की टीम ने पार्ल रॉयल्स को 39 रनों से हरा दिया।

# राष्ट्रीय खेल : लॉन बॉल स्पर्धा के पांचवें दिन झारखंड का दबदबा, दिल्ली और उत्तराखंड ने भी दर्ज की जीत

**देहरादून, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

38वें राष्ट्रीय खेल में लॉन बॉल स्पर्धा के पांचवें दिन बुधवार को कई रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले गए। झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए, जबकि दिल्ली, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड ने भी खिताबी जीत दर्ज की।

### झारखंड का दमदार प्रदर्शन

मेंस पेयर्स के फाइनल में झारखंड ने असम को एकतरफा मुकाबले में 25-04 के बड़े अंतर से हराया।

वहीं, वूमेन फोर्स के फाइनल में भी झारखंड ने पश्चिम बंगाल को 18-08 से मात दी।

इसके अलावा, अंडर-25 गर्ल्स के फाइनल में झारखंड ने असम को 21-20 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

अंडर 25 विमेंस में झारखंड के लिए मैच जीतने के बाद बसंती कुमारी ने कहा, मैच काफी मुश्किल था, लेकिन हमने अच्छा खेल दिखाया और गोल्ड मेडल जीता। उत्तराखंड आकर बहुत अच्छा लगा, हम फिर से यहां आना चाहेंगे।

### दिल्ली और पश्चिम बंगाल की जीत

मेंस ट्रिपल्स के खिताबी मुकाबले में दिल्ली ने झारखंड को 25-08 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, वूमेन सिंगल्स के फाइनल में पश्चिम बंगाल की खिलाड़ी ने झारखंड को 21-08 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

### उत्तराखंड ने अंडर-25 बॉयज फाइनल में मारी बाजी

अंडर-25 बॉयज कैटेगरी का फाइनल मुकाबला असम और उत्तराखंड के बीच बेहद रोमांचक रहा। उत्तराखंड ने 21-20 के नजदीकी अंतर से जीत हासिल कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

अंडर 25 मेंस में जीत के बाद उत्तराखंड के उत्कृष्ट द्विवेदी ने कहा, उत्तराखंड पहली बार नेशनल गेम्स में लॉन बॉल खेल रहा है। यह स्वर्ण पदक जीतकर बहुत खुशी महसूस हो रही है। मेरी जीत का पूरा श्रेय मेरे कोच, सेक्रेटरी जनरल और फेडरेशन के अध्यक्ष जी को जाता है।

### राष्ट्रीय खेल: सुरुचि ने जीता स्वर्ण, 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स के फाइनलिस्ट तय

**देहरादून।** त्रिशूल शूटिंग रेंज में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों के शूटिंग मुकाबलों में देशभर के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। मंगलवार को हुए मुकाबलों में 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फ़ाइनल और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स पुरुष वर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड प्रमुख आकर्षण रहे। 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फ़ाइनल: हरियाणा की सुरुचि बनीं चैंपियन इस स्पर्धा में हरियाणा की सुरुचि ने 245.7 अंकों के शानदार स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके राज्य की ही पलक ने 243.6 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि पंजाब की सिमरनप्रीत कौर ब्रार ने 218.8 अंकों के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स पुरुष वर्ग: फाइनल में पहुंचे ये निशानेबाज इस प्रतियोगिता में 33 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया, जिनमें से शीर्ष आठ खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई। मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 598 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में पहला स्थान हासिल किया। उनके अलावा सर्विसेज के चैन सिंह (594), नीरज कुमार (591), निशान बुढ़ा (589), महाराष्ट्र के स्वप्निल सुरेश कुसाले (588), उत्तर प्रदेश के अखिल श्योराण (587), मध्य प्रदेश के गोल्डी गुर्जर (587) और सर्विसेज के गंगा सिंह (587) भी फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।

# महिला प्रीमियर लीग 2025: गुजरात जायंट्स की कप्तान नियुक्त हुईं एशले गार्डनर

**अहमदाबाद, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सीज़न के लिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एशले गार्डनर को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की एक प्रमुख शख्सियत गार्डनर ने 2017 में पदार्पण किया था।

गार्डनर दो बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार विजेता हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थीं।

लीग की शुरुआत से ही गार्डनर गुजरात जायंट्स का अभिन्न हिस्सा रही हैं। डब्ल्यूपीएल के पिछले दो सीज़न में, उन्होंने 324 रन बनाए हैं और 17 विकेट हासिल किए हैं।

### गार्डनर ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा,

गुजरात जाइंट्स का कप्तान बनाया जाना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मुझे इस टीम का हिस्सा बनना बहुत पसंद है और मैं आगामी सीज़न में इस शानदार समूह का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं। हमारी टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों और भरपूर भारतीय प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण है। मैं टीम के साथ काम करने और अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं।

टीम के मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने गार्डनर के नेतृत्व पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, वह एक शानदार प्रतिस्पर्धी हैं। उनकी

खेल जागरूकता, सामरिक कौशल और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें गुजरात जाइंट्स की कप्तानी के लिए आदर्श विकल्प बनाती है। हमें विश्वास है कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करेंगी और टीम को एक सफल अभियान की दिशा में मार्गदर्शन करेंगी।

पिछले सीज़न में टीम का नेतृत्व बेथ मूनी ने किया था। पूर्व कप्तान के बारे में बोलते हुए, क्लिंगर ने कहा, मैं मूनी को उनके अत्यधिक मूल्यवान नेतृत्व के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। अब वह विकेटकीपिंग और ओपनिंग बैटिंग लाइनअप पर फोकस कर सकेंगी। वह हमारे समूह की एक प्रमुख लीडर बनी हुई हैं। अदानी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, संजय अडेसरा ने कहा, गार्डनर अपने समर्पण, कौशल और नेतृत्व के साथ गुजरात के दिग्गजों की भावना का प्रतीक हैं। कप्तान के रूप में उनकी नियुक्ति उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली विश्व स्तरीय टीम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराती है। हमें विश्वास है कि उनकी कप्तानी में टीम डब्ल्यूपीएल में शानदार प्रदर्शन करेगी।

### अटलांट और बोलोंगा के बीच हुए फुटबॉल मैच

इटली में अटलांट और बोलोंगा के बीच हुए फुटबॉल मैच में जीत के बाद जश्न मनाती हुई बोलोंगा की टीम।

# हरियाणा स्टीलर्स ने कबड्डी खिलाड़ियों के लिए की ओपन ट्रायल की घोषणा, 8 फरवरी को होगा आयोजन

**हिसार, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 की चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स ने युवा और महत्वाकांक्षी कबड्डी खिलाड़ियों के लिए ओपन ट्रायल की घोषणा की है। यह ट्रायल 8 फरवरी 2025 को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के मल्टीपर्पज हॉल में सुबह 8:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य राज्य में कबड्डी प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें पेशेवर स्तर तक पहुंचने का अवसर प्रदान करना है।

### युवाओं को मिलेगा सुनहरा मौका

हरियाणा स्टीलर्स की टीम आगामी सीजन के लिए मजबूत और प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों की तलाश में है। इसी उद्देश्य से यह ओपन ट्रायल आयोजित किया जा रहा है, ताकि युवा और होनहार खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह ने इस पहल पर कहा, यह ट्रायल हर उस खिलाड़ी के लिए अवसर है जो हमारे अकादमी और युवा खिलाड़ी

कार्यक्रम का हिस्सा बनना चाहता है। हम चाहते हैं कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष हो, जिससे हर योग्य खिलाड़ी को प्रतिभा के आधार पर मौका मिले। हमारा लक्ष्य कबड्डी को बढ़ावा देना और राज्य में एक मजबूत खेल संस्कृति विकसित करना है।

कोच मनप्रीत सिंह ने भी इस अवसर को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हम देश के युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए उत्सुक हैं। हमारा उद्देश्य ऐसी टीम बनाना है जो भविष्य में कबड्डी में नए कीर्तिमान स्थापित करे।

### कबड्डी खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर

हरियाणा स्टीलर्स द्वारा आयोजित यह ओपन ट्रायल उन खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मौका है, जो प्रोफेशनल कबड्डी में अपना करियर बनाना चाहते हैं। यह पहल राज्य में कबड्डी के विकास और युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

# आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

**दुबई, 05 फरवरी (एजेंसियां)।**

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान में कराची, लाहौर और रावलपिंडी तथा संयुक्त अरब अमीरात में दुबई में खेले जाने वाले 8 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए 12 अंपायर एवं तीन मैच रैफरी के नाम की लिस्ट जारी की गई है।

आईसीसी के अनुसार रिचर्ड केटलबोरो, जो 108 पुरुष एकदिवसीय मैचों के अनुभवी हैं और 2017 में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में अंपायर थे, उन छह अंपायरों में शामिल हैं जो एक बार फिर चैंपियंस ट्रॉफी के

लिए वापसी कर रहे हैं। केटलबोरो के अलावा क्रिस गैफनी, कुमार धर्मसेना, रिचर्ड इलिंगवर्थ, पॉल रीफेल और रॉड टकर, वे अन्य हैं जो 2017 में भी शामिल थे।

केटलबोरो और इलिंगवर्थ ने अहमदाबाद में खेले गए आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में भी अंपायरिंग की थी। इनके साथ माइकल गफ, एड्रियन होल्डस्टॉक, अहसान रजा, शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, एलेक्स व्हार्फ और जोएल विल्सन भी हैं, जिन्होंने भारत में विश्व कप में अंपायरिंग की थी। डेविड बून, रंजन मदुगले और एंड्रयू पाइक्रॉफ्ट रेफरी की तीन सदस्यीय टीम में शामिल हैं। बून 2017 के फाइनल में रेफरी थे जबकि पाइक्रॉफ्ट ने भी टूर्नामेंट में रेफरी की भूमिका निभाई थी।

सीन ईजी (आईसीसी वरिष्ठ प्रबंधक-अंपायर्स एंड रेफरीज) ने कहा कि हमें आगामी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मैच अधिकारियों के अपने पैनल की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह एक प्रतिष्ठित टीम है, जिसकी विशेषज्ञता इस हाई-प्रोफाइल टूर्नामेंट में मूल्यवान होगी। हम हमेशा किसी भी आयोजन के लिए सबसे उपयुक्त और योग्य अधिकारियों के नाम की कोशिश करते हैं और हमें विश्वास है कि यह समूह पाकिस्तान और यूएई में होने वाले मैचों में अच्छा काम करेगा। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि उनका टूर्नामेंट यादगार रहेगा।

**अंपायर :** कुमार धर्मसेना, क्रिस गफफनी, माइकल गफ, एड्रियन होल्डस्टॉक, रिचर्ड इलिंगवर्थ, रिचर्ड केटलबोरो, अहसान रजा, पॉल रीफेल, शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, रॉडनी टकर, एलेक्स व्हार्फ, जोएल विल्सन।

**मैच रेफरी :** डेविड बून, रंजन मदुगले, एंड्रयू पाइक्रॉफ्ट।

# माधवीलता को भाजपा में मिलेगा महत्वपूर्ण पद!

## माधवीलता को न केवल तेलंगाना बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी उचित पद देने की संभावना

**हैदराबाद, 05 फरवरी**
**(शुभ लाभ ब्यूरो)।**

हाल ही में हुए आम चुनावों में हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की ओर से सांसद के रूप में चुनाव लड़ने वाली कोम्पेल्ला माधवीलता ने देश भर में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। लोकसभा चुनावों में अपनी आक्रामकता और तीखी टिप्पणियों के कारण माधवीलता पार्टी की ब्रांड नेता के रूप में उभरी हैं। वह भारतीय जनता पार्टी की ख्याति को हर दिशा में फैलाने में सफल रहीं। हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने वाली एमआईएम की आलोचना ने मुखर रूप से की और मजलिस की चुनौतियों का साहस के साथ सामना कर सनसनीखेज राजनीतिज्ञ के रूप में ख्याति अर्जित की ।

इन घटनाक्रमों के मद्देनजर माधवीलता ने एनडीए नेताओं का ध्यान आकर्षित किया। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर ऐसा लगता है कि आलाकमान माधवी लता को उचित पद देने की तैयारी कर रहा है। इस संबंध में पहले से ही आलाकमान ने अपना मन

लगभग बना लिया है। भारतीय जनता पार्टी 2029 में तेलंगाना राज्य की सत्ता पर कब्जा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। परिणामस्वरूप, वह पहले से ही रणनीतिक रूप से कार्य कर रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के लिए अनुकूल माहौल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पार्टी के संगठनात्मक ढांचे की दिशा में प्रयास शुरू हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के आला नेता जल्द ही तेलंगाना राज्य में आने वाले हैं। ऐसा समझा जा रहा है कि कुछ नेताओं का चयन हाईकमान द्वारा कर लिया गया है और माधवीलता उनमें से एक हैं।

संभावना है कि माधवीलता को जल्द ही भाजपा हाईकमान से बुलावा आएगा। उनके लिए न केवल भारतीय जनता पार्टी और तेलंगाना राज्य में, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय भूमिका निभाने के अवसरों की कोई कमी नहीं है।

यदि भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना राज्य में सत्ता में आती है तो उसे विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ मजलिस पार्टी का भी सामना करना पड़ेगा। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने दोनों पार्टियों पर धारदार हथियारों से हमला किया था। परिणामस्वरूप, चुनावों के दौरान मजलिस और कांग्रेस पार्टियों में बेचैनी फैल गई। यह उल्लेखनीय है कि नेतृत्व ने कई कारकों पर विचार करने के बाद अंततः माधवीलता को उचित प्राथमिकता देने का लगभग सैद्धांतिक निर्णय लेगी।

# तेलंगाना सरकार ने अंडर-19 स्टार गोंगडी त्रिशा को एक करोड़ का पुरस्कार दिया

**हैदराबाद, 05 फरवरी**
**(शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कुआलालंपुर में आईसीसी महिला अंडर-19 विश्व कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली क्रिकेटर गोंगडी त्रिशा को 1 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। मैदान पर त्रिशा के असाधारण प्रदर्शन ने भारत की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करने में मदद की, जिससे वह टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बन गई। हैदराबाद की 19 वर्षीय क्रिकेटर त्रिशा ने मुख्यमंत्री से उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुलाकात की, जहां उन्होंने विश्व कप जीत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने त्रिशा की निरंतर सफलता की उम्मीद जताई और वैश्विक मंच पर उनकी और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की कामना की।त्रिशा के पुरस्कार के अलावा, तेलंगाना सरकार ने धृति केसरी (अंडर-19 विश्व कप टीम की एक अन्य सदस्य), अंडर-19 विश्व कप की मुख्य कोच नौशीन अल खादीर और ट्रेनर शालिनी को 10-10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। यह सम्मान खेलों में महिलाओं के लिए राज्य के समर्थन और राष्ट्रीय उपलब्धियों में उनके योगदान को रेखांकित करता है।

त्रिशा, धृति केसरी, नौशीन अल खादीर और शालिनी सहित अंडर-19 विश्व कप टीम का हैदराबाद पहुंचने पर हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) की ओर से गर्मजोशी से स्वागत किया गया। एचसीए के अध्यक्ष ए. जगन मोहन राव ने भारत की लगातार दूसरी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप जीत सुनिश्चित करने में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए टीम और कोचिंग स्टाफ को बधाई दी।

टूर्नामेंट के दौरान त्रिशा का व्यक्तिगत प्रदर्शन असाधारण रहा। उन्होंने न केवल विश्व कप का पहला शतक बनाया, बल्कि फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच भी चुनी गईं। विश्व कप में उनके हरफनमौला प्रदर्शन ने उन्हें प्रतिष्ठित प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिलाया।टूर्नामेंट के दौरान, त्रिशा ने 77.25 की शानदार औसत से 309 रन बनाए और सात विकेट लिए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 3/6 रहा। विश्व कप फाइनल में, त्रिशा ने दक्षिण अफ्रीका पर भारत की नौ विकेट की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने गेंद से भी योगदान दिया, मात्र 15 रन देकर तीन विकेट लिए और नाबाद 44 रन बनाकर भारत को खिताब जिताने में मदद की।टूर्नामेंट में भारत के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें एक भी मैच हारे बिना आईसीसी महिला अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बना दिया। यह जीत भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसमें त्रिशा और उनकी साथियों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# केटीआर ने पिछड़ा वर्ग के वादों को पूरा करने में विफल रहने पर कांग्रेस पर साधा निशाना

**हैदराबाद, 05 फरवरी**
**(शुभ लाभ ब्यूरो)।**

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने बुधवार को कांग्रेस सरकार पर पिछड़ा वर्ग घोषणा के बारे में झूठे वादे करने का आरोप लगाते हुए इसे '100 प्रतिशत झूठा' बताया।

श्री राव ने 'एक्स' पर कहा कि मंगलवार को राज्य विधानसभा सत्र में दो बातें स्पष्ट हो गयीं, पहली कि कांग्रेस सरकार, जो एक साल से सत्ता में है, पूरी तरह

से विफल हो गई है और दूसरी यह कि इसकी नीतियों में स्पष्टता का अभाव है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार खुद विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों के बारे में स्पष्ट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी का स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का कोई वास्तविक इरादा नहीं है।

केटीआर ने आरक्षण पर बेशर्मी से यू-टर्न लेने और केंद्र सरकार पर दोष मढ़ने की कोशिश करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा किए गए सभी चुनावी वादे, गारंटी और घोषणाएं फर्जी साबित हुई हैं। केटीआर ने टिप्पणी की, राहुल गांधी, जो केवल चुनावी लाभ के लिए झूठ फैला रहे हैं, उन्हें अपना नाम बदलकर 'चुनावी गांधी' रख लेना चाहिए। अपने रुख को दोहराते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस की बीसी घोषणा 100 प्रतिशत झूठी है, और इस सरकार की प्रतिबद्धता 100 प्रतिशत फर्जी है।

# मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य कांग्रेस नेता आज पार्टी विधायकों के साथ बैठक करेंगे

**हैदराबाद, 05 फरवरी**
**(शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए छह फरवरी को पार्टी विधायकों के साथ बैठक करेंगे।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में तेलंगाना की प्रभारी दीपा दासमुंशी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ और अन्य नेता बैठक में हिस्सा लेंगे।उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नेता राज्य में कराए गए जाति सर्वेक्षण, अनुसूचित जाति वर्गीकरण पर न्यायिक आयोग की सिफारिशों को राज्य सरकार द्वारा मंजूरी दिए जाने तथा इन निर्णयों को लोगों तक पहुंचाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे।वरिष्ठ नेताओं की विधायकों के साथ बातचीत इसलिए भी अहम है क्योंकि ऐसी खबरें हैं कि कुछ कांग्रेस विधायकों ने कुछ मंत्रियों की कार्यशैली पर अपनी चिंता जताने के लिए एक 'गुप्त' बैठक की थी।

# इस्माइली मुसलमानों के मसीहा आगा खान का निधन

**हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
दुनिया भर में फैले लाखों शिया इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता पद्मविभूषण प्रिंस करीम अल-हुसैनी आगा खान चतुर्थ का मंगलवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। अरबपति आध्यात्मिक नेता की चैरिटी संस्था 'आगा खान डेवल्पमेंट नेटवर्क'ने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा कि श्री खान ने लिस्बन (पुर्तगाल) में अंतिम सांस ली। उनके उत्तराधिकारी के बारे में बाद में एलान किया जाएगा। वह 20 वर्ष की उम्र में इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता बने थे। वह बहुत लोकप्रिय शख्सियत थे। इसका अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अस्पतालों और स्कूलों के लिए अपनी पूरी संपत्ति दान कर दी थी।

श्री खान को इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद के वंशज के रूप में माना जाता है। जब वह

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे, तब उन्होंने अपने दादा को हटाकर इस्माइली मुसलमानों के नेता का पद संभाला था। उनका मानना था कि उनके अनुयायियों का नेता वह होना चाहिए, जो नए जमाने में पला-बढ़ा हो।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने श्री खान के निधन पर गहरा शोक जताते हुये इसे मानवता की बड़ी क्षति बताया।श्री रेड्डी ने उनके परिजनों, वंशजों और अनुयायियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अपने शोक संदेश में उन्हें एक महान सामाजिक कार्यकर्ता और मानवतावादी बताते हुये, उनके निधन को मानवता की बड़ी क्षति करार दिया। उन्होंने कहा, आगा खान का विश्व स्तर पर सम्मान था और उनका समाज के लिये महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

श्री रेड्डी ने विभिन्न देशों में अस्पतालों, शैक्षिक और सांस्कृतिक संस्थानों की स्थापना में उनके योगदान का भी उल्लेख किया है। उन्होंने गरीबों की मदद, धरोहरों के संरक्षण, चिकित्सा सेवा तथा शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय सेवाओं के साथ ही श्री खान की संस्थाओं की ओर से हैदराबाद में संचालित कल्याणकारी कार्यक्रमों की भी सराहना की।

# महिला ने की आत्महत्या

**हैदराबाद, 05 फरवरी**
**(शुभ लाभ ब्यूरो)।**

यहां गच्चीबावली के सिद्दीकी नगर में छह मंजिला छात्रावास की इमारत से कूदकर 22 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

यह घटना सोमवार आधी रात को हुई, लेकिन बुधवार को उसके माता-पिता द्वारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराए जाने पर इसका पता चला।पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान कोलकाता के रिसोज के रूप में हुई है, जो माधापुर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत स्टर्लिंग पीजी छात्रावास में रहता था और एक आईटी कंपनी में एचआर पेशेवर के रूप में काम करता था।घटना से पहले, उसने 3 फरवरी की आधी रात के आसपास इंस्टाग्राम पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें कहा गया था, मैं सुबह वहां नहीं रहूंगी... केवल मेरा सामान ही रहेगा। संदेश से चिंतित उसकी सहेली ने उसके माता-पिता को सचेत किया, जिन्होंने उसे फोन करने की कोशिश की, लेकिन उसने जवाब नहीं दिया। कुछ ही देर बाद, उसने छात्रावास की इमारत की छठी मंजिल से छलांग लगा दी।सूचना मिलने पर, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल भेज दिया।उसके माता-पिता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है।

# हरीश राव को 12 फरवरी तक गिरफ्तार न करें : तेलंगाना उच्च न्यायालय

**हैदराबाद, 05 फरवरी**
**(शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आदेश दिया है कि पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव को 12 फरवरी तक गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए। हरीश राव ने फोन टैपिंग से संबंधित पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने वाले अपने अंतरिम आदेश को बढ़ा दिया और मामले की सुनवाई 12 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.